बालाघाट, सिवनी, गोंदिया एवं भंडारा जिले में प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 20 जून 2026 | दिन - शनिवार | वर्ष-14 वां | पृष्ठ - 12 | अंक - 143 | मूल्य - 5 रुपये

सीसीटीवी बंद कर उड़ाए गए अयोध्या राम मंदिर से नगदी और गहने भी..

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एसआईटी की जांच में कई बड़े नाम हिट लिस्ट में..

अयोध्या।

राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए दान और आभूषणों में कथित चोरी के मामले में कई बड़े अपडेट सामने आए हैं। जांच के दौरान सामने आए तथ्यों ने मंदिर की दान व्यवस्था, चढ़ावे की गिनती और सुरक्षा प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए

हैं। इस बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या दौरे के दौरान भरोसा दिलाया है कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और अगले 15 दिनों में पूरे मामले का सच सामने आ जाएगा। 'राम मंदिर में चढ़ावे में कथित चोरी के खुलासे के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहली बार अयोध्या पहुंचे। रामलला के दर्शन के बाद उन्होंने कहा कि करोड़ों रामभक्तों की आस्था से खिलवाड़ करने वालों को सरकार नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि विशेष जांच दल (स्ढ्ढञ्ज) मामले की जांच कर रहा है और चाहे कोई कितना भी प्रभावशाली व्यक्ति क्यों न हो, यदि वह दोषी पाया गया तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और जांच पूरी होने तक धैर्य रखने की अपील की। साथ ही उन्होंने विपक्षी दलों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि अयोध्या और राम मंदिर को बदनाम करने की कोशिशें सफल नहीं होंगी।

चंपत राय से दूरी के भी निकाले जा रहे राजनीतिक मायने

मुख्यमंत्री के इस दौरे में एक और बात चर्चा का विषय रही। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय इस बार उनके साथ नजर नहीं आए। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री के दौरे से पहले जिला प्रशासन ने ट्रस्ट को संदेश भेजा था कि इस बार चंपत राय की जगह कोई अन्य प्रतिनिधि मौजूद रहे। हालांकि इस संबंध में कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है।

एसआईटी के सामने बड़ी चुनौती, पुरानी फुटेज हो चुकी है डिलीट

मामले की जांच कर रही स्ढ्ढञ्ज को सात दिन में प्राथमिक रिपोर्ट और 15 दिन में अंतिम रिपोर्ट सौंपनी है। लेकिन जांच एजेंसी के सामने सबसे बड़ी चुनौती ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज है। मंदिर परिसर और काउंटिंग सेंटर में लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग केवल 45 दिन तक सुरक्षित रहती है और उसके बाद स्वतः डिलीट हो जाती है। जांचकर्ताओं को जो फुटेज मिली है, उसमें कुछ कर्मचारी कथित तौर पर चढ़ावे की रकम छिपाते हुए दिखाई दिए हैं। इनकी पहचान कर ली गई है और उनसे पूछताछ जारी है। हालांकि उनके नाम अभी सार्वजनिक नहीं किए गए हैं।

किन लोगों पर है जांच एजेंसियों की नजर?

जांच का फोकस मंदिर प्रबंधन और चढ़ावे की गिनती से जुड़े कई लोगों पर है। इनमें ट्रस्ट सदस्य अनिल मिश्रा, निर्माण सहायक गोपाल राव, टिन्नू यादव, केडी तिवारी, सुभाष श्रीवास्तव, राजेश पाठक, मनीष यादव, करुण, ऋतिक, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा और सोमेश सहित अन्य लोगों के नाम सामने आए हैं। सबसे ज्यादा सवाल ट्रस्ट सदस्य अनिल मिश्रा की भूमिका को लेकर उठ रहे हैं। चढ़ावे की गिनती, बैंक में जमा कराने और वित्तीय प्रबंधन की जिम्मेदारी उनके पास थी। स्ढ्ढञ्ज उनसे कई दौर की पूछताछ कर चुकी है और यह जानने की कोशिश कर रही है कि गिनती में लगे लोगों की नियुक्ति कैसे हुई और नियमों का पालन क्यों नहीं हुआ।

पूर्व इंजीनियर ने लगाए कई गंभीर आरोप

राम मंदिर निर्माण से जुड़े रहे पूर्व इंजीनियर दीनानाथ वर्मा ने दावा किया है कि वित्तीय अनियमितताएं नई नहीं हैं। उनके मुताबिक मंदिर निर्माण के दौरान भी कमीशनखोरी और पैसों की हेराफेरी होती रही। उन्होंने आरोप लगाया कि इस संबंध में शिकायत करने पर भी कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। वर्मा ने कहा कि इस बार में चंपत राय से भी शिकायत की गई थी लेकिन उन्होंने इस मुद्दे से आंखें फेर ली थीं राम मंदिर परिसर में कुल 18 मंदिर हैं और पूरे परिसर में करीब 40 दानपात्र रखे गए हैं। दानपात्रों से निकाले गए पैसे और आभूषण यात्री सुविधा केंद्र के बेसमेंट में बनाए गए काउंटिंग सेंटर में पहुंचाए जाते हैं। गिनती दो शिफ्टों में होती है। पहली शिफ्ट सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक और दूसरी शिफ्ट दोपहर 2 बजे से रात 8 बजे तक चलती है। प्रत्येक शिफ्ट में 22-22 लोग काम करते हैं। कुल मिलाकर करीब 50 लोग इस प्रक्रिया में शामिल रहते हैं, जिनमें ट्रस्ट, बैंक और निजी एजेंसियों के कर्मचारी शामिल हैं।

नियम थे, लेकिन पालन नहीं हुआ

जांच में सामने आया है कि गिनती करने वालों को बिना जेब वाले कपड़े पहनने थे और काउंटिंग रूम में प्रवेश से पहले तथा बाहर निकलते समय उनकी तलाशी ली जानी थी। लेकिन इन नियमों का पालन नहीं हुआ। बताया जा रहा है कि कई बार काउंटिंग के दौरान ष्टष्टञ्जङ्क कैमरे बंद कर दिए जाते थे। फुटेज में कुछ लोग नोटों की गड्डियां अपनी जेबों और कपड़ों में छिपाते हुए भी दिखाई दिए हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि काउंटिंग सेंटर से बैंक तक रकम ले जाते समय भी गड़बड़ी की आशंका है। जानकारी के अनुसार, नोटों के पैकेट में जहां 10 गड्डियां दर्ज की जाती थीं, वहीं कुछ पैकेटों में 14-15 गड्डियां रखी जाती थीं। बाद में रास्ते में अतिरिक्त गड्डियां निकालकर कथित तौर पर गायब कर दी जाती थीं।

दान में प्राप्त आदिवासी भूमि का छलपूर्वक विक्रय निरस्त, पुलिस जांच के आदेश

वारासिवनी के सिकन्दर मिश्रा की शिकायत पर कार्यवाही..

जगप्रेरणा बालाघाट।

कलेक्टर न्यायालय, बालाघाट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में ग्राम नेवरगांव, तहसील लालबर्रा स्थित भूदान भूमि के अवैध विक्रय को शून्य घोषित करते हुए संबंधित नामांतरण निरस्त कर दिया है। साथ ही भूमि को उसके मूल आदिवासी उत्तराधिकारियों के नाम पुनः दर्ज करने के निर्देश जारी किए गए हैं। न्यायालय ने मामले में कथित धोखाधड़ी की जांच कर दोषियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक को भी निर्देशित किया है।

प्रकरण में वारासिवनी निवासी श्री सिकन्दर मिश्रा द्वारा प्रस्तुत शिकायत में बताया गया था कि लगभग 50 वर्ष पूर्व भूदान आंदोलन के अंतर्गत एक अनुसूचित जनजाति परिवार को प्रदान की गई कृषि भूमि, खसरा नंबर 2/12, का मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 165 (7-ख) के तहत आवश्यक कलेक्टर अनुमति प्राप्त किए बिना विक्रय कर दिया गया।

सुनवाई के दौरान भूमि की उत्तराधिकारी श्रीमती जमुनाबाई उईके, श्रीमती आशा मडावी, श्रीमती उषा मडावी एवं श्रीमती जमुनाबाई पंधरे ने न्यायालय को बताया कि वारासिवनी निवासी जगमोहन सिंह उर्फ जग्गी निराला ने फौती नामांतरण कराने का आश्वासन देकर उन्हें विभिन्न कार्यालयों में ले जाकर उनकी जानकारी के बिना भूमि विक्रय संबंधी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करा लिए। कलेक्टर न्यायालय ने पाया कि भूदान पट्टाधारी की भूमि का अंतरण धारा 165 (7-ख) के अंतर्गत कलेक्टर की पूर्व अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता। ऐसी अनुमति के अभाव में किया गया अंतरण प्रारंभ से ही शून्य माना जाता है। जांच में यह तथ्य सामने आया कि न तो अनुमति के लिए आवेदन किया गया था और न ही किसी प्रकार की स्वीकृति प्राप्त की गई थी। न्यायालय ने विक्रय पत्र के आधार पर किए गए नामांतरण एवं अंतरण को निरस्त करते हुए तहसीलदार लालबर्रा को 30 दिनों के भीतर भूमि को चारों उत्तराधिकारियों के नाम पूर्ववत दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही शासन की ओर से संबंधित विक्रय पत्र निरस्तीकरण के लिए व्यवहार न्यायालय में वाद प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए हैं। मामले में उप पंजीयक वारासिवनी द्वारा आवश्यक अनुमति की पुष्टि किए बिना विक्रय पत्र का पंजीयन किए जाने को गंभीरता से लेते हुए जिला पंजीयक बालाघाट को विभागीय जांच प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं पुलिस अधीक्षक बालाघाट को कथित रूप से छलपूर्वक दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराने की शिकायत की जांच कर दोषियों के विरुद्ध विधि अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100/- प्रतिदिन..

दैनिक जगप्रेरणा में क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100 /- प्रतिदिन में प्रकाशित किये जाते हैं। कृपया संपर्क करें.. मो. 9329033433

आवश्यकता है..

बालाघाट शहर के प्रसिद्ध गपशप रेस्टॉरेंट (केशर प्लाजा कॉम्पलेक्स, हनुमान चौक बालाघाट) में वेटर एवं हेल्पर की आवश्यकता है। संपर्क करें..

मो. 9301210805, 7000671780

कुंडली निर्माण, कुंडली मिलान, विवाह मुहूर्त, कुम्भ विवाह, वास्तु परामर्श, वास्तु शान्ति पूजन, पितृदोष, कालसर्प, अन्य ग्रहों की शांति पूजा एवं महामृत्युंजय अनुष्ठान, लक्ष्मी कुबेर अनुष्ठान, भैरव अनुष्ठान आदि के लिये संपर्क करें..
मार्गदर्शक
डॉ. अरविंदचन्द्र तिवारी
एसोसिएट प्रोफेसर कॉमर्स,
ज्योतिष पद्मविभूषण बालाघाट म.प्र.
ग्रहयोग भवन, नर्मदा नगर, शिव मंदिर चौक, बालाघाट
मो. 94251-38638
94067-38800

जग प्रेरणा
live शहर बालाघाट
● गर्रा ● भटेरा ● देवटोला ● आंवलाझरी ● भरवेली ● हीरापुर ● कोसमी ● नवेगांव ● गोंगलई

मान्यता ऑटो पार्ट्स
सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते हैं एवं गाड़ियाँ सुधारी जाती है।
Hero BAJAJ HONDA TVS
मनीष वर्मा
मो. 9425448126
वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्पलेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

विशाल बिसेन पर अपराध दर्ज करो नहीं तो हम उसके घर के सामने करेंगे उसका पुतला दहन - कंकर मुंजारे समर्थक

राजा भोज पर कंकर मुंजारे की टिप्पणी के बाद बन रही बालाघाट में जातिगत टकराव की स्थिति..

अब कंकर मुंजारे समर्थकों ने रैली के साथ थाने पहुंचकर की विशाल बिसेन पर अपराध दर्ज करने की मांग..

रैली के रुप मे सड़क पर नारेबाजी करते हुए जाते कंकर मुंजारे समर्थक सहजलाल उपवंशी, राजा लिल्हारे एवं अन्य..

पुलिस थाने में ज्ञापन सौंपने के दौरान कंकर मुंजारे समर्थक..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले के पूर्व सांसद कंकर मुंजारे ने गर्रा ओवरब्रिज के लोकार्पण के साथ ही इसका राजाभोज नामकरण किए जाने पर आपत्ति दर्ज करते हुए राजा भोज से बालाघाट का लेना देना नहीं, और समाज विशेष को खुश करने के लिए ऐसा किया गया कहा, जिस पर बालाघाट में कंकर मुंजारे के खिलाफ पवार समाज का

आक्रोश भड़क गया। पवार समाज ने आक्रोशित होकर पवार समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदलाल चौधरी एवं जिलाअध्यक्ष विशाल बिसेन के नेतृत्व में 18 जून को कंकर मुंजारे के निवास के सामने चौक पर प्रदर्शन करते हुए कंकर मुंजारे का पुतला दहन कर डाला। पवार समाज के आक्रोश को देखते हुए विशाल बिसेन की रिपोर्ट पर कंकर मुंजारे के खिलाफ अपराध भी दर्ज कर लिया गया, लेकिन इसके बाद अब मामला राजाभोज से बढ़ते हुए लोधी पवार समाज के बीच टकराव के रुप में आगे बढ़ते जा रहा है। अब कंकर मुंजारे द्वारा की गई टिप्पणी के दुष्परिणाम स्वरुप जहां सोशल मीडिया पर पोष्ट की जाने लगी, और जातिगत टकराव की स्थितियां भी निर्मित होती दिखाई दी, वहीं आज 19 जून को बालाघाट में कंकर मुंजारे के समर्थकों के भारी हुजुम ने सहजलाल उपवंशी एवं राजा लिल्हारे, दुर्गा पगरवार आदि नेताओं के नेतृत्व में रैली के रुप में प्रदर्शन एवं नारेबाजी की, तथा पुलिस थाना कोतवाली पहुंचकर विशाल बिसेन के खिलाफ अपराध दर्ज करने की मांग की।

नही तो हम जलाएंगे विशाल बिसेन के घर के सामने उसका पुतला..

हुजुम के रुप में कंकर मुंजारे के समर्थकों ने पुलिस थाना कोतवाली पहुंचकर पुलिस के समक्ष यह बयान दिया कि कंकर मुंजारे के घर के सामने पहुंचकर पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के संरक्षण में कंकर मुंजारे की हत्या का प्रयास किया जा रहा है, तथा जो पुतला दहन और गाली गलौच की गई, उसके खिलाफ विशाल बिसेन के खिलाफ भी अपराध दर्ज किया जाना चाहिये। कंकर समर्थकों ने कहा कि यदि विशाल बिसेन के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने अपराध दर्ज नहीं किया तो वे भी उसी भाषा में जवाब देंगे और विशाल बिसेन के घर के सामने पहुंचकर विशाल बिसेन का पुतला दहन करेंगे।

दो समाजों के बीच टकराव का..

गौरतलब है कि कंकर मुंजारे द्वारा पवार समाज के आराध्य के राजाभोज के खिलाफ टिप्पणी की गई, जिस पर पवार समाज ने कंकर मुंजारे के खिलाफ प्रदर्शन किया। पवार समाज का यह प्रदर्शन कतई लोधी समाज के खिलाफ नहीं था, यह स्पष्ट है, जबकि वहीं जब कंकर समर्थक भी मैदान में आए, तो उन्होंने पवार समाज के नेता विशाल बिसेन को टारगेट किया, लेकिन रैली एवं भीड़ में लोधी समाज की भारी भीड़ जुटाई गई, वहीं सोशल मीडिया में चली बयानबाजी और कंकर समर्थकों की रैली में लोधी समाज के लोगों की अगुवाई ये यह विवाद अब दो समाजों के बीच महायुद्ध में तब्दील करने का प्रयास दिखाई दे रहा है, तथा इसके कारण बालाघाट की फिजा बिगड़ने की स्थितियां भी दिखाई दे रही है।

मुंजारे के बयान पर बोले सेवईवार और लिल्हारे..

गौरतलब है कि कंकर मुंजारे द्वारा ओवरब्रीज के नामकरण को लेकर दर्ज की आपत्ती तथा समाज विशेष को खुश करने के लिये ऐसा किया जाना तथा राजाभोज से बालाघाट का क्या लेना देना, इस तरह से कहे जाने पर भाजपा नेता एवं कलार समाज के यूवा नेता राकेश सेवईवार ने कहा कि किसी भी नेता को किसी भी समाज के आराध्य के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी नहीं करना चाहिये। सेवईवार ने कहा कि कंकर मुंजारे ने जो कहा वह निश्चित ही अशोभनीय है। इसी प्रकार भाजपा नेता एवं पार्षद राजेश लिल्हारे ने चर्चा में कहा कि किसी भी समाज की एक आस्था होती है, और हमें सभी के आराध्यों का सम्मान करना चाहिये। राजेश लिल्हारे ने कहा कि कंकर मुंजारे का बयान उनका व्यक्तिगत बयान था, तथा इस तरह का बयान अनुचित और अशोभनीय ही कहा जायेगा। राजेश लिल्हारे ने यह भी कहा कि कंकर मुंजारे के खिलाफ पवार समाज द्वारा किया गया प्रदर्शन वे नहीं मानते कि यह प्रदर्शन लोधी समाज के खिलाफ था, बल्कि यह प्रदर्शन व्यक्तिगत कंकर मुंजारे के खिलाफ था, तथा दो समाजों को आपस में लड़ाने का यदि कार्य किया जाता है, तो यह अनुचित ही माना जायेगा।

कंकर की टिप्पणी पर अनुभा की चुप्पी..

गौरतलब है कि कंकर मुंजारे ने राजा भोज नामकरण पर आपत्ति दर्ज की, इसके बाद दिल्ली से वापस लौटने पर उनकी अनुपस्थिति में गर्रा ओवरब्रीज के लोकार्पण के आरोप में उन्हें सम्मान नहीं दिये जाने पर तो अनुभा मुंजारे ने सवाल खड़े किये, लेकिन उनके पति कंकर मुंजारे द्वारा दिए गए बयान पर अनुभा मुंजारे ने कुछ नहीं कहा, जिससे कि अनुभा मुंजारे के खिलाफ भी पवार समाज में नाराजगी व्याप्त होती दिख रही है। उल्लेखनीय है कि पिछले चुनाव में बड़ी संख्या में पवार समाज ने भी जातिगत भावना से ऊपर उठते हुए अनुभा मुंजारे को वोट किया था, लेकिन कंकर मुंजारे के बयान के खिलाफ अनुभा के मुंह नहीं खोलने से अब पवार समाज में अनुभा के खिलाफ भी आक्रोश दिखाई दे रहा है। पवार समाज सूत्रों से जानकारी के अनुसार अब पवार समाज ने तय कर लिया है कि वे अनुभा मुंजारे को तो वोट हरगिज नही देंगे।

भगत सिंग को आदर्श बताने वाले क्या धूर्त (चालाक) क्रांतिकारी हैं कंकर मुंजारे..

गौरतलब है कि कंकर मुंजारे हमेशा अपना आदर्श भगत सिंग, चंद्रशेखर आजाद को बताते रहे हैं, लेकिन देखा जाए तो उनकी कार्यशैली और उनकी आक्रामकता में एक धूर्त क्रांतिकारी नजर आता है। भगत सिंग कम उम्र में देश के लिए फांसी पर चढ़ गए, चन्द्रशेखर आजाद ने आजाद रहते हुए स्वयं को गोली मार ली, लेकिन लड़ाई को नेक नियति से आखिरी दम तक लड़ने का काम किया। इसके विपरीत देखा जाए तो कंकर मुंजारे ने पूरे जीवन क्या किया? कंकर मुंजारे ने पूरे राजनीतिक जीवन में सिर्फ हल्ला करने का काम किया, उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाजें तो बहुत उठाई, लेकिन किसी भ्रष्टाचारी को सबक नहीं सिखा पाए, किसी को उसके अपराध के लिये जेल नहीं भिजवा पाए, बल्कि गौरीशंकर जैसे भ्रष्ट नेता के खिलाफ जहर भी उगलते गए और मैनेज भी होते चले गए। सवाल यह उठता है कि कौन सी लड़ाई को अंतिम तक ले जाकर कंकर मुंजारे ने सफलता का झंडा गाड़ा, तो एक मामला भी नहीं बताया जा सकता, तो फिर कैसे भगत सिंग को मानने वाले हैं कंकर मुंजारे?

यहां उल्लेखनीय है कि एक दौर था जब जिले की राजनीति में लोधी समाज का बोलबाला था, लेकिन अपनी राजनीतिक प्रतिद्वंदिता में कंकर मुंजारे ने किसी को भी निपटाने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। कहा जाता है कि एक दौर में महिपाल लिल्हारे जब कंकर के समानांतर आगे बढ़ रहे थे तो कंकर मुंजारे ने ही योजनाबद्ध तरीके से महिपाल की हत्या करवा दी थी, हालांकि समाचार पत्रों में कंकर टारगेट बनाए जाते रहे, लेकिन कंकर मुंजारे को पुलिस आरोपी नहीं बना पाई। जबकि वहीं महिपाल लिल्हारे हत्या प्रकरण में जो आरोपी बनाए गए। उनमें मुख्य आरोपी का रात दिन मुंजारे के साथ नजर आना उनको कटघरे में जरूर खड़ा करता है और इस संदर्भ में पीठ पीछे अनेक बातें कही जाती है, जबकि वहीं अपराधी किस्म के तथा अवैध रेत कारोबारी जैसे लोग भी मुंजारे के इर्द गिर्द और करीबी नजर आते हैं तो फिर कंकर मुंजारे को भगत सिंह जैसा क्रांतिकारी माना जा सकता है?

सवाल यह उठता है कि एक जन नेता के क्या कर्तव्य है कि वो क्षेत्र की जनता के उत्थान के लिए काम करे, विकास की बात करे, शिक्षा की बात करे, स्कूल कॉलेज बनाने की बात करे, अच्छी सड़कें, पुल पुलिया की बात करे, क्षेत्र में उद्योग धंधों की स्थापना के लिए प्रयास करे, लेकिन कंकर मुंजारे 3 बार विधायक और सांसद बनकर भी ऐसा कुछ नहीं कर पाए, यहां तक कि इस दिशा में अपने जीवन में उन्होंने कोई आंदोलन तक नहीं किया। बल्कि बालाघाट में ब्रॉडगेज संघर्ष समिति के अनूप सिंग बैस ने 28 सालों से ब्रॉडगेज के लिए आंदोलन को जारी रखा लेकिन कंकर मुंजारे ने ब्रॉडगेज जैसी महत्वपूर्ण आवश्यकता के लिए भी कुछ नहीं किया। जबकि विभिन्न ओवर ब्रिजों के निर्माण के बाद भ्रष्टाचार के आरोप लगाने जरूर कंकर पहुंचे, लेकिन निर्माण कार्यों के चलते रहने के दौरान गुणवत्ता की जांच करने नहीं पहुंचे, यहां तक कि मजदूरों की निर्धारित दरों पर ठेकेदार वेतन दे रहा है या नहीं यह देखने भी कंकर मुंजारे कभी नहीं पहुंच, तो फिर सवाल उठता है कि कंकर मुंजारे कैसे मजदूरों के नेता हैं, कैसे किसानों के नेता हैं?

यहां ध्यान देने योग्य यह भी है कि कंकर मुंजारे रेत घाटों पर जरूर पहुंचे, और अवैध उत्खनन के खिलाफ आवाज उठाने भी, लेकिन खुद रेत के अवैध उत्खनन के आरोपी उनके इर्द गिर्द नजर आते रहे, जबकि यहां ध्यान देने योग्य यह भी है कि कंकर मुंजारे ने रेत मामलों में भी टारगेट उन्हें बनाया जो पंजीकृत रेत ठेकेदार थे, लेकिन जहां गैर लाइसेंसी अवैध उत्खनन कर रहे थे, उनके खिलाफ नदियों के संरक्षण के लिये कंकर मुंजारे का मुंह क्यों बंद नजर आता है।

स्पष्ट है कि कंकर मुंजारे भगत सिंग चंद्रशेखर आजाद को मानते तो हैं, लेकिन उनकी बातों और सिद्धांतों को नहीं मानते, जिससे कि उनके अंदर की धुर्तता झलकने लगी है।

क्या सांसद विधायक का वेतन और पेंशन नहीं ले रहे कंकर मुंजारे..

गौरतलब है कि कंकर मुंजारे हमेशा गरीबों जरूरतमंदों के हिमायती और उनके लिए लड़ाई लड़ने वाले बनते हैं लेकिन सवाल यह उठता है कि ऐसे गरीबों के लिए भी कंकर मुंजारे ने किया क्या है। कंकर मुंजारे 3 बार विधायक रहे तो विधायक के रूप में लाखों रुपए वेतन भी प्राप्त किया, सांसद के रूप में भी वेतन लिया, आज भी पेंशन और सरकारी व्यवस्थाओं का लाभ ले रहे हैं, लेकिन उन्होंने अपने वेतन और पेंशन में से कितने मजदूरों, किसान, गरीबों को इलाज के लिए, बच्चों की पढ़ाई के लिए, बेटी की शादी के लिए कितनी मदद की तो ये नहीं बता सकते, ऐसा कोई रिकॉर्ड अभी तक राजनीतिक जीवन में कंकर मुंजारे नहीं बना सके, यहां तक कि कभी 10 वीं, 12 वीं या अन्य परीक्षाओं के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान तक कभी कंकर मुंजारे ने नहीं किया, तो सवाल यहां यह उठता है कि क्या कंकर मुंजारे का काम सिर्फदूसरों पर उंगलियां उठाने का ही है, क्या सिर्फ पुलिस और प्रशासन तथा सत्ता के खिलाफ बोलना ही क्रांति का प्रतीक है, या गरीबों के आंसू पोछना, मजदूरों की मदद करना भी एक क्रांतिकारी होने की पहचान है, सवाल तो उठता है जिसका जवाब कंकर मुंजारे भले ही लोगों को न दे, लेकिन अब ये चर्चा तो उनके क्रांतिकारी किरदार को लेकर होने लगी है?

जिला पंचायत सदस्यों ने विधिवत बैठक में किये सवाल तो बैठक ही छोड़कर चले गए सीईओ अभिषेक सराफ..

जिला पंचायत अध्यक्ष एवं सदस्यों ने 7 दिन में कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन और तालाबंदी की दी चेतावनी..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिला पंचायत के सीईओ अभिषेक सराफ जबसे बालाघाट में पदस्थ हुए हैं, अनेक विवादों को उन्होंने जन्म देने का कार्य किया है। अधिकारी के रुप में उनके व्यवहार में घमंड झलक पड़ता है, तथा अपने आगे वे किसी को कुछ नहीं समझते, सिवाय कलेक्टर मृणाल मीना के, यही कारण है कि

जहां सिर्फ कलेक्टर मीना के वे चहेते बताए जाते हैं तो वहीं इसके विपरित उनके व्यवहार की अनेक शिकायते हैं। शिकायतों के इसी क्रम में आज 19 जून को बालाघाट में जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक उस समय हंगामे की भेंट चढ़ गई जब महिला एवं बाल विकास विभाग से जुड़े एक मुद्दे पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) अभिषेक सराफ और जन प्रतिनिधियों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। बैठक के दौरान विधायक प्रतिनिधि जीतू पटवारी द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग से संबंधित जानकारी मांगे जाने पर सीईओ द्वारा कथित रूप से गलत जानकारी प्रस्तुत किए जाने का आरोप लगाया गया। इसके बाद माहौल गर्मा गया और बैठक में मौजूद जनप्रतिनिधियों ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई।

जानकारी के अनुसार सामान्य सभा की बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं और कार्यों की समीक्षा की जा रही थी। इसी दौरान विधायक प्रतिनिधि जीतू पटवारी ने महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों और योजनाओं से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां मांगीं। आरोप है कि सीईओ अभिषेक सराफद्वारा जो जानकारी दी गई वह तथ्यात्मक रूप से गलत थी। इस पर विधायक प्रतिनिधि सहित जिला पंचायत सदस्यों ने विरोध दर्ज कराया और सही जानकारी प्रस्तुत करने की मांग की। बताया जा रहा है कि बहस बढ़ने के बाद सीईओ अभिषेक सराफबैठक छोड़कर बाहर चले गए। सीईओ के इस रवैये को जनप्रतिनिधियों ने सामान्य सभा और लोकतांत्रिक व्यवस्था का अपमान बताया। बैठक में मौजूद जिला पंचायत सदस्यों और विधायक प्रतिनिधि ने इसे गंभीर विषय मानते हुए नाराजगी व्यक्त की।

घटना से आक्रोशित जनप्रतिनिधियों ने बैठक के दौरान ही सीईओ अभिषेक सराफके खिलाफ निंदा प्रस्ताव प्रस्तुत किया। उनका आरोप था कि अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों के सवालों का जवाब देने और सही जानकारी उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए, लेकिन बैठक में ऐसा नहीं हुआ। सदस्यों ने कहा कि इस तरह का व्यवहार जनप्रतिनिधियों की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला है।

हटाने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

बैठक के बाद जिला पंचायत सदस्यों, जनपद पंचायत प्रतिनिधियों और अन्य जनप्रतिनिधियों ने सीईओ को पद से हटाने की मांग करते हुए शासन और संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि सीईओ का कार्य व्यवहार जनप्रतिनिधियों के प्रति सहयोगात्मक नहीं है तथा बैठक में गलत जानकारी देकर भ्रम की स्थिति पैदा की गई। जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन और शासन को सात दिनों का अल्टीमेटम देते हुए मांग की है कि मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाए तथा सीईओ को हटाया जाए। विधायक प्रतिनिधि जीतू पटवारी एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने कहा कि यदि सात दिनों के भीतर कार्रवाई नहीं हुई तो जिले भर के सरपंच, जनपद पंचायत सदस्य और जिला पंचायत सदस्य एकजुट होकर आंदोलन करेंगे। आवश्यकता पड़ने पर जिला पंचायत कार्यालय में तालाबंदी भी की जाएगी।

छोटा भाई ही निकला बड़े भाई की हत्या का आरोपी, हट्टा पुलिस ने किया गिरफ्तार..

जगप्रेरणा बालाघाट।

दिनांक 16 जून 2026 को सुबह के समय थाना हट्टा पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि सेनानी चौक स्थित घर के आंगन में जमीन पर बिछी दरी पर कुलदीप उदयपुरे मृत अवस्था में लेटा है

उसकी गर्दन पर तार या रस्सी के कसे जाने के निशान है, जिस पर पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के नेतृत्व में अति. पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय तथा अनुविभागीय अधिकारी लांजी श्रीमती प्रतिष्ठा राठौर के मार्गदर्शन में मृतक के परिवारजनों से विस्तृत पूछताछ की गई, जिसके बाद बड़े भाई तथा छोटे भाई के बीच छोटे छोटी बातों पर विवाद का खुलासा हुआ।

इस स्थिति में शंका के आधार पर पुलिस ने मृतक की बहन तथा भांजी से सघन तथा भावनात्मक रूप से पूछताछ कर विश्वास में लिया, जिस पर उनके द्वारा छोटे भाई द्वारा बड़े भाई की हत्या किया जाना बताया। प्रकरण में आरोपी को गिरफ्तार कर विस्तृत पूछताछ करने पर उसके द्वारा अपना जुर्म कबूल किया गया तथा बड़े भाई द्वारा छोटी छोटी बातों पर विवाद करने गाली गलोच करने तथा उधारी आदि लेने तथा काम नहीं करने के कारण परेशान होकर गुस्से में आकर दिनांक 15.06.26/16.06.26 की दरम्यानी रात्रि में मृतक कुलदीप उदयपुरे की शराब के नशे में सोते समय नारियल की रस्सी से गला घोंट कर हत्या कारित करना स्वीकर किया गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी हट्टा उप निरीक्षक अविनाश राठौड, कार्यस. उनि विजय कुमार पटले. प्र. आर. 774 निखिलेश अग्रिहोत्री, प्र.आर.06 सतीश पारधी प्रआर. 242 नंदकिशोर ठाकुर प्रआर.1035 राजेश पटले, आर. 1527 गितेश परदेशी आर.890 श्याम रावेट आर. 58 विष्णु प्रताप आर. 111 संतोष ठाकरे आर. 1512 अभिषेक आर. 1444 किशन यादव, आर. 1567 आभाष नागेश्वर म.आर.601 कविता खोब्रागड़े का सरहानीय योगदान रहा।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा live जिला सिवनी
बरघाट, छपारा, केवलारी, घंसौर, लखनादौन, धनोरा एवं संपूर्ण सिवनी जिले की खबरें..

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

सिवनी के युवाओं ने बढ़ाई शान: नि:शुल्क शिक्षा और ट्रेनिंग पाकर 8 युवाओं का भारतीय सेना में चयन..

सेवाभावी गुरुओं का हुआ सम्मान..

जगप्रेरणा सिवनी।

जिले के युवाओं को नि:शुल्क शिक्षा एवं शारीरिक कौशल ट्रेनिंग देकर देश सेवा के लिए तैयार करने वाले सेवाभावी गुरुओं और सेना में चयनित

8 युवाओं का नगर में भव्य सम्मान किया गया। आज सिवनी नगर के बारापत्थर बाहुबली चौक स्थित होटल बाहुबली में दोपहर 12:00 बजे गुरुओं के सेवाभाव को नमन कर संरक्षक के रूप मे भाजपा जिला महामंत्री श्री संतोष अग्रवाल जी द्वारा नि:स्वार्थ भाव से युवाओं का भविष्य संवारने वाले सेवाभावी श्री राजा ठाकुर एवं श्री मनोज यादव सहित सेना में चयनित सभी युवाओं का अंगवस्त्र पहनाकर और फूलमालाओं से आत्मीय स्वागत, अभिनंदन किया गया। तथा सभी का मुंह मीठा कराकर खुशियां बांटी गई।

इस दौरान श्री संतोष अग्रवाल जी ने दोनों गुरुओं के इस प्रयास को क्रांतिकारी कदम बताते हुए कहा कि जहां आज के दौर में लोग पैसों को तवज्जो देते हैं, वहीं ऐसे राष्ट्रभक्त भी हैं जो दिन-रात नि:स्वार्थ भाव से युवाओं की दशा और दिशा बदल रहे हैं। देश सेवा के लिए चुने गये इन युवाओं पर पूरे जिले को गर्व है। ज्ञात हो कि श्री राजा ठाकुर द्वारा एसपी बंगले के पास स्थित वैदिक कोचिंग के माध्यम से प्रतिदिन सुबह 07 से 09 बजे तक युवाओं को नि:शुल्क शिक्षा देकर उनका बौद्धिक स्तर संवारा जा रहा है।

वहीं सेवानिवृत्त आर्मीमेन श्री मनोज यादव द्वारा कमांडो एकेडमी के माध्यम से प्रतिदिन फुटबॉल स्टेडियम में सुबह 06 से 08 बजे तक युवाओं को नि:शुल्क फिजिकल ट्रेनिंग देकर देश सेवा के लिए तैयार किया जा रहा है। उक्त दोनों गुरुओं के मार्गदर्शन और कड़े परिश्रम की बदौलत जिले के 8 शिक्षित युवाओं का चयन भारतीय सेना में हुआ है। जिसमें श्री अमिताभ जावरे (पतरई, कान्हीवाड़ा), श्री शिवम पटले (डोरली, बरघाट), श्री प्रिंस भलावी (बंडोल), श्री लकी ऐडे (विजयपानी खुर्द, केवलारी), श्री अजय सोनी (सिंगपुर, बरघाट), श्री अनिकेत कटरे (बिछुआ घूरवाड़ा), श्री अनुराग डहेरिया (महुआटोला, छपारा), श्री संदेश बिसेन (खर्रापाठ, बरघाट) शामिल हैं।

ये सभी युवा अब 6 महीने की कठिन ट्रेनिंग के लिए देश के विभिन्न केंद्रों पर रवाना होंगे। इस अवसर पर श्री आनंद शर्मा जी भाजपा जिला उपाध्यक्ष, श्री मोहम्मद जिब्राईल मंसूरी जी मीडिया प्रभारी विधायक, सिवनी, हिमांशु जैन जी सहित छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

छपारा पुलिस ने विवाहिता महिला द्वारा आत्महत्या के प्रयास को किया विफल..

जगप्रेरणा छपारा।

पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी व्दारा जिले में सामुदायिक पुलिसिंग, आम जनता के प्रति विश्वास एवं जनता की समस्याओ का त्वरित निराकरण करने हेतु सभी थाना प्रभारियों को आदेशित किया गया है।

इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिवनी दीपक मिश्रा के मार्गदर्शन में और अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) लखनादौन अपुर्व भलावी के निर्देशन में थाना छपारा पुलिस ने आज दिनाँक 18/06/2026 को मौके पर उपस्थित लोगो की मदद से छपारा स्थित वैनगंगा नदी पर बने बड़े पुल से एक 25 वर्षीय विवाहित महिला को नदी में कूदकर आत्महत्या करने से बचाने में सफलता प्राप्त की है।

थाना छपारा क्षेत्रान्तर्गत वैनगंगा नदी पर बने बड़े पुल से छपारा निवासी विशाल सिंह उर्फटोनी पिता गोविंद सिंह ठाकुर द्वारा आज दिनांक 18/06/26 के 16.43 बजे थाना प्रभारी छपारा के मोबाईल पर फोन कर सूचना दिया कि एक महिला जो लाल रंग की टी शर्ट एवं लोवर पहनी हुई है वैनगंगा नदी पर बने बड़े पुल पर नदी की ओर लटक कर बैठी है आत्महत्या करने को उतारु है पास में जाने पर नदी में कूद कर आत्महत्या कर लूगी की धमकी दे रही है। सूचना प्राप्त होने पर तत्काल थाना प्रभारी छपारा द्वारा विशाल ठाकुर को हिकमत अमली से बताया कि महिला को बातो में उलझा कर रखो और दूसरे लोगो की मदद से बचाने की कोशिश करो।

बिना विलम्ब किये थाना छपारा पुलिस टीम द्वारा मौके पर जाकर विशाल उर्फ टोनी ठाकुर निवासी छपारा, प्रियांशु पिता दामोदर ठाकुर निवासी कोहका सिवनी एवं संदीप वर्मा पिता सुकलाल वर्मा निवासी चंदनगाँव थाना अमरवाड़ा एवं अन्य लोगो की मदद से उक्त महिला को वैनगंगा नदी मे आत्महत्या करने की कोशिश को हिकमत अमली से विफल किया जाकर उसकी जान बचायी गयी एवं सकुशल थाना लाकर परिजनो को सूचना दी जाकर परिजनो के सुपुर्द किया गया।

महत्वपूर्ण भूमिका..

निरीक्षक खेमेन्द्र कुमार जैतवार, प्रआर विनोद कुमार बघेल, आर आशीष सिंह चौहान, महिला आर. राधा तेकाम।

सराहनीय कार्य..

आम नागरिक विशाल उर्फटोनी ठाकुर पिता गोविंद सिंह ठाकुर निवासी छपारा, प्रियांशु पिता दामोदर ठाकुर निवासी कोहका सिवनी, संदीप वर्मा पिता सुकलाल वर्मा निवासी चंदनगाँव थाना अमरवाड़ा संतोष भारती छपारा एवं अन्य आमजन छपारा पुलिस आमजन से अपील करती है कि किसी भी व्यक्ति के मानसिक तनाव अथवा आत्मघाती प्रवृत्ति की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस एवं परिजनों को सूचित करें, जिससे समय रहते आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

दैनिक जगप्रेरणा मे समाचार एवं विज्ञापनो के लिये संपर्क करे मो. 9329033433

सी. ए. बनी सिवनी की पायल गरेवाल, डिवाइन स्कूल में उत्सव..

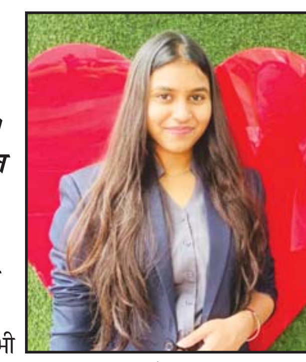

जगप्रेरणा सिवनी।

सिवनी में अद्भुत प्रतिभाओं का भरमार है। कम उम्र में पायल ग्रेवाल ने सी.ए. जैसे प्रतिष्ठित व कठिनतम एग्जाम में सफलता प्राप्त कर माता-पिता स्कूल

और सिवनी शहर का नाम भी रोशन किया है। डिवाइन स्कूल के संचालक योगेंद्र सर ने बताया कि बचपन से ही पायल ग्रेवाल एक कुशाग्र बुद्धि की छात्रा रही है। पायल ने ट्वेल्थ के बाद सी ए फाउंडेशन कर, बीकॉम व सी ए साथ-साथ किया। मात्र 23 वर्ष की उम्र में फाइनल एग्जाम में सी ए पास कर नगर को गौरानवीत किया है। पायल ग्रेवाल संदीप ग्रेवाल व नीतू ग्रेवाल जी की पुत्री है व सी एल ग्रेवाल जी की नातिन है। पायल की पढ़ाई के लिए उनके माता-पिता ने भी बहुत त्याग किया सिवनी में मकान होते हुए जबलपुर में शिफ्ट हो गए और पायल ने जबलपुर से ही अपने सी ए की पढ़ाई पूर्ण की। ग्रेवाल परिवार ने डिवाइन स्कूल के संचालक योगेंद्र सर जी का बहुत-बहुत आभार व्यक्त किया उनका धन्यवाद ज्ञापित किया।

अतिरिक्त कक्षों में संचालित होता है हाई स्कूल

जगप्रेरणा उगली।

सिवनी जिले की संवेदनशील तहसील केवलारी की उप तहसील मुख्यालय उगली के निकट संचालित शासकीय हाई स्कूल उगली में लगभग 300 छात्र-छात्राओं की संख्या है, कि यहां पर

शाला अतिरिक्त (कक्ष)भवन में संचालित की जा रही है, प्राप्त जानकारी के अनुसार ऑनलाइन पोर्टल में उगली में बनने वाली बिल्डिंग इस क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सकरी में तीन चार दशक पूर्व में बन गई है, जिसके आधार पर ऑनलाइन पोर्टल में उगली में शाला भवन दिखाई देता है, लेकिन हकीकत में यह बिल्डिंग सकरी में बनी हुई है, जिसको लेकर उगली में नई बिल्डिंग स्वीकृत नहीं हो सकती, उगली स्थित ठाकुरबर्रा खेल मैदान के निकट उप तहसील भवन के नजदीक अतिरिक्त कक्षों में विद्यालय संचालित हो रहा है।

शाला के प्रभारी प्राचार्य से जानकारी मिली कि इस सत्र में लगभग 300 से अधिक छात्र-छात्राएं विद्यालय में है, हमें शाला भवन जो अतिरिक्त कक्षों में संचालित हो रहा है विद्यार्थियों को बैठाने में खासी परेशानी का सामना करना पड़ता है, शासन प्रशासन से कई बार निवेदन भी किया जा चुका है,लेकिन किसी प्रकार का कोई समाधान नजर नहीं आ रहा है, नया शैक्षणिक सत्र गत दिवस से आरंभ हो गया है, नवीन विद्यार्थियों के एडमिशन और पूर्व छात्र छात्राओं के आधार पर विद्यालय में प्रतिवर्ष संख्या दर बढ़ती जा रही है, जिसको लेकर शाला प्रबंधन पूरे साल भर विद्यार्थियों को शाला में कहां बैठाले इस चिंता की वजह से ही परेशान नजर आते हैं। जिला प्रशासन से निवेदन है कि शासकीय हाई स्कूल उगली में नवीन भवन की स्वीकृति कर इस गंभीर समस्या से शीघ्र छुटकारा दिलाए.

बोले प्रभारी प्राचार्य रवींद्र क्षीरसागर..

हमारे विद्यालय यें प्रतिवर्ष नये विद्यार्थी प्रवेश लेते हैं, जिसके आधार पर छात्र संख्या 300 के उपर है, और विद्यालय में छात्र - छात्राओं को बैठालने की गंभीर समष्या बनी रहती है, हम बच्चौं को अन्य स्कूलों में भेजते हैं, प्रवेश के लिये तो पालकों में नाराजगी देखी जाती है।

नेताजी स्कूल में मनाया गया विशव सिकल सेल एनीमिया जागरूकता दिवस

जगप्रेरणा सिवनी।

विश्व सिकल सेल एनीमिया जागरूकता दिवस को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ईएफए नेताजी सुभाष चंद्र बोस शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिवनी ने संकुल अंतर्गत समस्त शासकीय अशासकीय

विद्यालयों छात्रों पालकों एवं आमजन को जागरूक करने का काम किया विश्व सिकल सेल एनीमिया जागरूकता दिवस के अवसर पर संस्था प्रमुख प्राचार्य राजेश्वरी धुर्वे राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी यदुराज उइके,पालक शिक्षक संघ से प्रहलाद बघेल गोपालगंज प्राचार्य लखनवाड़ा प्राचार्य **AEO** अंतर्गत समस्त प्राचार्य प्रधान पाठक शिक्षक संस्था से साबिर खान दिनेश ठाकुर नीलेश कुशवाहा रामेश्वर बिसेन जयदीप बघेल नोडल अनिल पलवार राजकिशोर दुबे छात्र-छात्राएं आदि उपस्थित रहे इस मौके पर प्राचार्य राजेश्वरी धुर्वे के द्वारा अधिक से अधिक छात्रों पालकों अभिभावकों आमजन को सिकल सेल घातक बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाने की अपील की गई एवं प्रत्येक छात्र-छात्रा की स्क्रीनिंग जांच करने की सलाह दी गई।

श्री यदुराज उइके ने बताया कि जिला सिकल सेल एनीमिया समन्वयक एवं नोडल डॉक्टर प्रदीप गेडाम के निर्देशन में संस्था के द्वारा एक वेबसाइट बनाई गई जिससे सिकल सेल एनीमिया के प्रति जागरूकता को बढ़ाया जा सकता है और अन्य सामाजिक मुद्दों की भी जानकारी प्राप्त हो सकती है एवं सकल मित्र बने कुंडली मिलान कर विवाह करने की अपील की गई और अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए जिला सिकल सेल एनीमिया समन्वयक एवं नोडल डॉक्टर श्री प्रदीप गेडाम जी से संपर्क करने प्रेरित किया गया

संकुल की बैठक में अपर आईडी, छात्रवृत्ति, पुस्तक वितरण, को लेकर मांगी जानकारी

जगप्रेरणा सिवनी।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस हायर सेकेंडरी साल सिवनी में सिवनी संकुल की बैठक प्राचार्य राजेश्वरी धुर्वे के के मुख्य अतिथि में आयोजित की गई

इस बैठक में 23 प्राइवेट एवं 49 शासकीय शालाओं बैठक में प्राचार्य उपस्थित रहे इस दौरान बैठक के प्रमुख दिनेश ठाकुर ने बताया कि विभाग के आदेश के तहत सभी शालाओं में अपर आईडी छात्रवृत्ति एवं पुस्तक वितरण को लेकर सत्र प्रारंभ होने के पूर्व ही कार्य किया जाना है जिसको लेकर विस्तार से अपनी बात रखी गई इस दौरान यह भी चेतावनी दी गई है कि अगर उक्त कार्य समय पर न होने पर विभाग द्वारा कड़ी कार्रवाई भी की जा सकती है लगभग 1 घंटे चली इस बैठक के दौरान उनकी अतिरिक्त अनेक बिंदुओं पर भी चर्चा की गई।

सहकारी समिति कर्मचारी की मौत की निष्पक्ष जांच की मांग, सांसद को सौंपा ज्ञापन..

जगप्रेरणा सिवनी।

सेवा सहकारी समिति भोमा के कर्मचारी स्वर्गीय प्रांजुल हरिनखेड़े की मौत के मामले में उनकी पत्नी अन्वेशा हरिनखेड़े ने सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की

मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि प्रांजुल हरिनखेड़े की 3 जून 2026 को मृत्यु हो गई थी। परिवार का आरोप है कि मृत्यु से पहले वे लंबे समय से आर्थिक और मानसिक तनाव से गुजर रहे थे। उनके चार से पांच माह का वेतन लंबित था, जबकि करीब 10 से 11 माह से वेतन वृद्धि का लाभ भी नहीं मिला था। इस संबंध में उन्होंने कई बार संबंधित अधिकारियों से संपर्क किया, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ।

परिजनों के अनुसार स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के बीच वेतन और अन्य देयकों का भुगतान नहीं होने से उनकी आर्थिक स्थिति प्रभावित हुई। परिवार ने ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया है कि समिति के प्रशासक दिलीप डेहरिया, कंप्यूटर ऑपरेटर अजय टेमरे और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी जितेंद्र हनवत के व्यवहार के कारण वे मानसिक दबाव महसूस करते थे। हालांकि इन आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

ज्ञापन में मृत्यु से पूर्व की परिस्थितियों, लंबित वेतन भुगतान, वेतन वृद्धि के प्रकरण तथा कार्यस्थल के वातावरण की उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है। साथ ही जांच में यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही, प्रताड़ना अथवा अन्य जिम्मेदारी सामने आती है तो उनके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करने और पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध भी किया गया है।

एक ही समय पर NEET एवं DE.EI.ED. की परीक्षा आयोजित न की जाए : राजिक

जगप्रेरणा सिवनी।

एक ही समय पर **NEET** *एवं* **DE.EI.ED** *की परीक्षा आयोजित न की जाए। नगरपालिका पूर्व उपाध्यक्ष राजिक अकील द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि प्रदेश के लाखो बच्चे डॉक्टर बनने के लिए* **NEET** *(राष्ट्रीय पात्रता सह-परीक्षा) की*

परीक्षा हेतु कड़ी मेहनत करते है ये बच्चे निरंतर 2-3 वर्ष अधिकांश समय पढ़ाई में लगा देते है, इन्हीं में से कुछ बच्चे अपना भविष्य सुरक्षित करने के लिए **DE.EI.ED**(डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन) की परीक्षा हेतु तैयारी करते है, ताकि **NEET** परीक्षा में चयन न होने पर शिक्षक बनने का अवसर प्राप्त हो सकें। भारत में नीट की परीक्षा में सफलता परिणाम का प्रतिशत बहुत ही कम रहता है। **NTA** (नेशनल टेस्ट एजेंसी) द्वारा 12 वी उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए **NEET (UG)** की परीक्षा पहले 3 मई 2026 को आयोजित की गई थी, परन्तु पेपर लीक होने के कारण 21 जून 2026 को परीक्षा आयोजित किया गया है जिसके केन्द्र कुछ चुनिंदा जिलो में बनाए गए है। विद्यार्थियों को दूर दूर तक यात्रा करके परीक्षा देने जाना पड़ता है, इस वर्ष **DE.EI.ED** की परीक्षा प्रथम वर्ष 2 जून 2026 से 23 जून 2026 तक जिसमें 10 पेपर एक दिन के अंतर में हो रहें है, इसी तरह द्वितीय वर्ष की परीक्षा 3 जून से 20 जून 2026 तक 8 पेपर विद्यार्थियों को देना है। **DE.EI.ED** की परीक्षा का केन्द्र हर साल एक जिला मुख्यालय में रहता है 20 और 22 जून 2026 को भी यह परीक्षा सुबह 8 बजे से है।

राजिक अकील ने कहा कि ऐसे में दोनों परीक्षाओं में से किसी एक परीक्षा की तिथि को बढ़ाना चाहिये था, दोनों परीक्षाओं का समय अलग-अलग रखना था ताकि विद्यार्थी दोनों परीक्षा को बिना दबाव, भय के दे सकें। इस बात पर परीक्षा आयोजित करने वालों को आने वाले समय में विचार अवश्य ही करना चाहिये।

नगर पालिका द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गृह प्रवेश एवं भूमिपूजन

जगप्रेरणा सिवनी।

आज दिनांक 19 जून 2026 को शासन के निर्देशानुसार नगर पालिका परिषद सिवनी द्वारा निकाय क्षेत्र अंतर्गत अंबेडकर वार्ड

क्रमांक 22 में प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हितग्राही श्रीमति मेहती बाई रजक, श्रीमति गुलाबा बाई यादव, श्रीमति प्रेमा बाई के प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नवनिर्मित 03 मकानों में उनका गृह प्रवेश करवाया गया साथ ही बिंदु गोसाई के मकान का भूमिपूजन करवाया गया।

गृह प्रवेश के दौरान निकाय के सहायक यंत्री श्रीमति देवेश्वरी धुर्वे, सहायक लिपिक शुभम मालवी द्वारा पात्र हितग्राहियों के गृह प्रवेश पर उन्हे शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई।

इस अवसर पर साहिल ठाकुर, मनीश कश्यप, कपिल मासूलकर उपस्थित रहे।

जहरीले पदार्थ के सेवन से युवक की मौत..

जगप्रेरणा सिवनी।

जिले के किंदरई थाना क्षेत्र के मानेगांव में गुरुवार देर रात एक शख्स की जहरीला पदार्थ सेवन करने से मौत हो गई। पुलिस ने घटना की सूचना मिलते ही जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, मानेगांव निवासी सुशील शर्मा (56), पिता स्व. शिव प्रसाद शर्मा ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। उनकी हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जहर पीने का कारण पता नहीं..

घटना की सूचना मिलने पर किंदरई थाना पुलिस अस्पताल पहुंची। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए शव का पंचनामा तैयार किया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आज शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। पुलिस के अनुसार, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि मृतक ने किन परिस्थितियों में जहरीले पदार्थका सेवन किया। पुलिस घटना के कारणों का पता लगाने के लिए परिजनों, रिश्तेदारों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। यह भी जांच की जा रही है कि यह आत्महत्या का मामला है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है।

मेडिकल रिपोर्ट से मौत का खुलासा होगा..

किंदरई थाना प्रभारी गजेंद्र सिंह राजपूत ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि जांच पूरी होने और मेडिकल रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही घटना के संबंध में स्पष्ट जानकारी सामने आ पाएगी।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट, गोंदिया एवं सिवनी में एक साथ प्रसारित दैनिक 'जगप्रेरणा' अब व्हाट्स अप पर भी उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचाने के लिये जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को अपने किसी भी ग्रुप में जोड़ें और स्वयं और अन्य लोगों को भी ताजा एवं महत्वपूर्ण खबरों से जोड़ें।

न्यू लाईफ मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
डॉ. आमिर अंसारी
MBBS, MS (Gen. Surgery), FMAS, FISCP
डॉ. समरीन आमिर अंसारी
MBBS, DGO (KEM, Mumbai), FMAS
मिलने का समय
सुबह 10 से दोप. 1 बजे, शाम 4 से 7 बजे तक
विशेषज्ञ चिकित्सक सहित सुविधाएं उपलब्ध
पता- बड़ी ज्यारत डाल्डा फेक्ट्री रोड अकबर वार्ड सिवनी
मो.- 8817448039

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा
वारासिवनी, कटंगी
डोंगरमाली, रामपायली, खैरलांजी, बुदबुदा, कोचेवाही, तिरोड़ी, बोनकट्टा, महकेपार..

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

राजा भोज कृषि महाविद्यालय मुरझड़ में प्राकृतिक खेती कार्यशाला: कटंगी विधायक गौरव पारधी और वारासिवनी विधायक विक्की पटेल की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ शुभारंभ..

जगप्रेरणा वारासिवनी/मुरझड़।

क्षेत्र के किसानों को समृद्ध, आत्मनिर्भर और उनकी खेती को लागत मुक्त बनाने के उद्देश्य से राजा भोज कृषि महाविद्यालय मुरझड़, वारासिवनी में एक दिवसीय 'प्राकृतिक खेती कार्यशाला' का गरिमामयी आयोजन किया गया।

यह विशेष कार्यशाला ÷किसान कल्याण वर्ष 2026÷ के अंतर्गत, विश्व पर्यावरण दिवस एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मध्य जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु चलाए जा रहे 'कृषि आधारित विशेष अभियान' के तहत आयोजित की गई थी।

कटंगी और वारासिवनी विधायक ने किया शुभारंभ

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कटंगी विधायक गौरव सिंह पारधी एवं वारासिवनी विधायक विवेक (विक्की) पटेल उपस्थित रहे, जिन्होंने दीप प्रज्वलन कर कार्यशाला का विधिवत शुभारंभ किया। दोनों जनप्रतिधियों की एक साथ गरिमामयी उपस्थिति ने क्षेत्र के कृषक वर्ग में एक नया उत्साह भर दिया।

प्राकृतिक खेती आज के समय की मांग: गौरव पारधी

कटंगी विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि रासायनिक खादों और कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से हमारी उपजाऊ भूमि बंजर हो रही है और इंसानी सेहत पर इसका बुरा असर पड़ रहा है। आज के समय में प्राकृतिक खेती ही एकमात्र ऐसा विकल्प है जो मिट्टी की उर्वरा शक्ति को अक्षुण्ण बनाए रखते हुए पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य दोनों की रक्षा कर सकती है।

अंतिम छोर के किसान तक पहुंचेगा लाभ: विधायक विवेक पटेल

वहीं वारासिवनी विधायक विवेक पटेल ने स्थानीय स्तर पर किसानों को मिलने वाली सुविधाओं और महाविद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सरकार ÷किसान कल्याण वर्ष 2026÷ के माध्यम से कृषि आधारित विशेष अभियान चलाकर अंतिम छोर के किसान तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने और उन्हें आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

कृषि वैज्ञानिकों ने दिए उन्नत खेती के गुर

कार्यशाला के तकनीकी सत्र में उपस्थित कृषि वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों ने किसानों को पारंपरिक और वैज्ञानिक पद्धतियों के तालमेल से कम लागत में जहरमुक्त और स्वास्थ्यवर्धक फसल उगाने के गुर सिखाए। विशेषज्ञों ने बीजामृत, जीवामृत और घनजीवामृत तैयार करने की व्यावहारिक विधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। दोनों विधायकों की मौजूदगी में पांचों विकासखंडों से आए किसानों का उत्साह यह साफ बयां कर रहा था कि क्षेत्र में प्राकृतिक कृषि के क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत होने जा रही है।

कार्यक्रम में मौजूद रहे वरिष्ठ अधिकारी और जनप्रतिनिधि

कार्यशाला में भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष यशवंत लिल्हारे, श्री शैलेंद्र सेटी, श्री किशोर अमूले, कृषि विभाग के उपसंचालक फूलसिंह मालवीय एवं एसडीओ श्रीमती प्रतिभा टेम्भरे विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन अजय ठाकुर द्वारा किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता (डीन), कृषि उपसंचालक विभाग के आला अधिकारीगण, वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक तथा क्षेत्र के सभी पांच विकासखंडों से आए सैकड़ों की संख्या में प्रमुख एवं प्रगतिशील कृषक वर्ग उपस्थित रहे।

शाला प्रवेश उत्सव में शामिल हुईं प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क इकाई की महाप्रबंधक सुश्री माया मनीष परते

जागपुर-बड़ा प्राथमिक शाला पहुंचकर बच्चों से किया संवाद, नियमित अध्ययन के लिए किया प्रेरित

जगप्रेरणा बालाघाट।

राज्य शासन द्वारा संचालित शाला प्रवेश उत्सव एवं ÷स्कूल चलें हम÷ अभियान के अंतर्गत विभिन्न अधिकारियों द्वारा विद्यालयों का भ्रमण कर विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

इसी क्रम में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क इकाई की महाप्रबंधक सुश्री माया मनीष परते ने 18 जून को बालाघाट विकासखंड के ग्राम जागपुर-बड़ा स्थित शासकीय प्राथमिक शाला का भ्रमण किया और विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया। विद्यालय पहुंचने पर शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने उनका स्वागत किया।

इस अवसर पर सुश्री परते ने कक्षाओं का निरीक्षण कर बच्चों से उनकी पढ़ाई, रुचियों और भविष्य के सपनों के बारे में चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि शिक्षा ही जीवन में सफलता प्राप्त करने का सबसे सशक्त माध्यम है। नियमित रूप से विद्यालय आकर मन लगाकर पढ़ाई करने से ही व्यक्ति अपने जीवन के लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि आज का अध्ययन ही कल का उज्ज्वल भविष्य निर्धारित करता है। यदि विद्यार्थी पूरी लगन और मेहनत के साथ पढ़ाई करें तो वे न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे समाज और देश का नाम रोशन कर सकते हैं। उन्होंने बच्चों को अनुशासन, समय पालन और नियमित उपस्थिति का महत्व भी समझाया।

सुश्री परते ने विद्यालय में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की तथा शिक्षकों से बच्चों की उपस्थिति और शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर चर्चा की। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। विद्यालय में ऐसा वातावरण निर्मित किया जाए जिससे बच्चे उत्साहपूर्वक प्रतिदिन स्कूल आएं और सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लें। इस अवसर पर उन्होंने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें नियमित अध्ययन के लिए प्रेरित किया। साथ ही अभिभावकों से भी अपने बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय भेजने और उनकी पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया। विद्यालय परिवार ने महाप्रबंधक सुश्री माया मनीष परते के इस प्रेरणादायी संवाद को बच्चों के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। शाला प्रवेश उत्सव के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम से विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति नया उत्साह और जागरूकता देखने को मिली।

कटंगी बना जिले में अग्रणी, धान की खेती में बदल रही तस्वीर..

सुपर सीडर और डीएसआर तकनीक से किसानों को मिल रहा लाभ

बालाघाट जिले में 1423 हेक्टेयर क्षेत्र में हुई धान की बुवाई,

लागत कम और उत्पादन बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम

जगप्रेरणा बालाघाट।

मध्यप्रदेश का ÷धान का कटोरा÷ कहलाने वाला बालाघाट जिला अब धान की खेती में आधुनिक तकनीकों को अपनाकर नई पहचान बना रहा है। वर्षों से परंपरागत रोपा पद्धति से धान की खेती करने वाले जिले के किसान

अब धीरे-धीरे डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) तकनीक की ओर बढ़ रहे हैं। कृषि विभाग के मार्गदर्शन और सुपर सीडर मशीनों की उपलब्धता के कारण इस वर्ष जिले में अब तक लगभग 1423 हेक्टेयर क्षेत्र में डीएसआर पद्धति से धान की बुवाई की जा चुकी है।

परंपरागत खेती की चुनौतियां बनीं बदलाव का कारण

बालाघाट जिले में धान उत्पादन किसानों की आजीविका का प्रमुख आधार है। परंपरागत रोपा पद्धति में पहले नर्सरी तैयार करना, फिर पौधों को उखाड़कर कीचडयुक्त खेतों में रोपाई करना पड़ता है। इस प्रक्रिया में समय, श्रम और लागत तीनों अधिक लगते हैं। इसके अलावा मजदूरों की कमी और बढ़ती मजदूरी किसानों के लिए बड़ी समस्या बन गई है।

इन्हीं चुनौतियों को देखते हुए कृषि विभाग किसानों को सुपर सीडर मशीन के माध्यम से डीएसआर पद्धति अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। इस तकनीक में धान की सीधी बुवाई की जाती है, जिससे रोपाई की आवश्यकता समाप्त हो जाती है और खेती की लागत में उल्लेखनीय कमी आती है।

सुपर सीडर बना किसानों का भरोसेमंद साथी

उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय के अनुसार जिले के कस्टम हायरिंग केंद्रों में वर्तमान में 84 सुपर सीडर मशीनें उपलब्ध हैं। इन मशीनों को जे-फार्म (छ्ठ-स्नड्डह्म्) ऐप से जोड़ा गया है, जिससे किसान आसानी से ऑनलाइन मशीन बुक कर सकते हैं। किसान ऐप के माध्यम से अपनी आवश्यकतानुसार मशीन की बुकिंग करते हैं और निर्धारित तिथि पर मशीन उनके खेत तक पहुंचकर डीएसआर पद्धति से बुवाई का कार्य करती है। इससे किसानों को मशीन खोजने या अलग से व्यवस्था करने की परेशानी नहीं होती। वहीं मशीन मालिकों को भी ऑनलाइन माध्यम से सीधे कार्य आदेश प्राप्त हो जाते हैं।

कटंगी बना जिले में अग्रणी

डीएसआर तकनीक को अपनाने में जिले के किसानों ने उत्साहजनक रुचि दिखाई है। अब तक सबसे अधिक बुवाई कटंगी विकासखंड में हुई है, जहां लगभग 650 हेक्टेयर क्षेत्र में सुपर सीडर मशीन से धान की बुवाई की गई है। इसके अलावा बिरसा विकासखंड में 405 हेक्टेयर, लालबर्रा में 108 हेक्टेयर, वारासिवनी में 90 हेक्टेयर, बालाघाट में 65 हेक्टेयर, बैहर में 40 हेक्टेयर, लांजी में 25 हेक्टेयर, परसवाड़ा में 19 हेक्टेयर एवं किरनापुर विकासखंड में 11 हेक्टेयर क्षेत्र में डीएसआर पद्धति से धान की बुवाई की जा चुकी है।

कम लागत, अधिक सुविधा

डीएसआर तकनीक का सबसे बड़ा लाभ यह है कि किसानों को नर्सरी तैयार करने और रोपाई के लिए मजदूरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। इससे श्रम लागत में कमी आती है और समय की भी बचत होती है। साथ ही खेतों की तैयारी और बुवाई का कार्य कम समय में पूरा हो जाता है, जिससे किसान अन्य कृषि कार्यों पर भी ध्यान दे पाते हैं।

तकनीक से समृद्धि की ओर

कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अधिक से अधिक किसान डीएसआर तकनीक अपनाते हैं तो धान उत्पादन की लागत में कमी आएगी और किसानों की आय में वृद्धि होगी। यही कारण है कि कृषि विभाग लगातार किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रति जागरूक कर रहा है।

बालाघाट जिले में 1423 हेक्टेयर क्षेत्र में सुपर सीडर मशीन के माध्यम से हुई धान की बुवाई इस बात का संकेत है कि जिले के किसान अब पारंपरिक खेती के साथ-साथ आधुनिक तकनीकों को भी अपनाने लगे हैं। यह बदलाव न केवल खेती को अधिक लाभकारी बना रहा है, बल्कि कृषि क्षेत्र में नवाचार और आत्मनिर्भरता की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है।

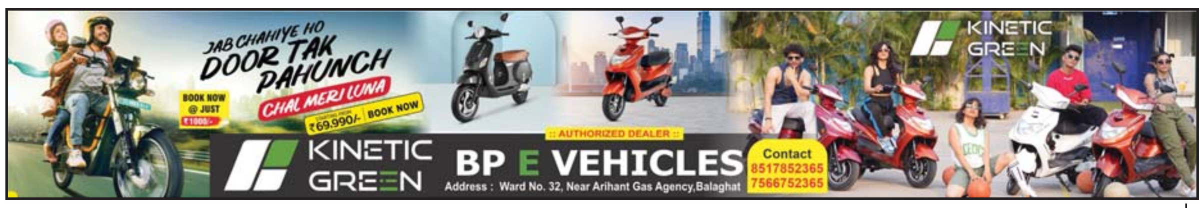

भाजपा जिला कार्यकारिणी सदस्य सूची जारी

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष की अनुमति, प्रदेश महामंत्री और जिला प्रभारी की अनुशंसा से जिलाध्यक्ष ने की घोषणा

जगप्रेरणा बालाघाट।

मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की अनुमति, प्रदेश महामंत्री एवं छिंदवाड़ा संभाग प्रभारी डां सुमेर सिंह सोलंकी और जिला प्रभारी अभिलाष मिश्रा की अनुशंसा से भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशोर नानो कावरे ने बहुप्रतीक्षित भाजपा जिला कार्यकारिणी सदस्यों की सूची घोषित की।

जिसमें जिला कार्यकारिणी स्थाई आमंत्रित सदस्य, जिला कार्यकारिणी सदस्य और जिला कार्यकारिणी विशेष आमंत्रित सदस्य समावेषित है।

जिला कार्यकारिणी सदस्य

इसमें भाजपा जिला कार्यकारिणी सदस्य सुश्री कीर्ति शुक्ला, श्रीमती संगीता चतुर्वेदी, श्रीमती उर्मिला सैयाम, मुरली नर्सवानी, दीपक पांडे, जानकी ठाकरे, सवितानंदन जायसवाल, महेश ठाकरे, रमेश पिवहरे, श्रीमती कल्पना मर्सकोले, श्रीमती मालती मर्सकोले, निरंजन लिल्हारे, संतोष शुक्ला, श्रीमती बबीता बिसेन, चित्रसेन पारधी, मंगल खरे, विशाल मंगलानी, नरेन्द्र पटले, तपन राजा चौधरी, संजय अग्निहोत्री, योगेश लिल्हारे, अजय मिश्रा, कैलाश चौरड़िया, श्रीमती किर्ती कावरे, श्रीमती सरिता मात्रे, श्रीमती मंजू बोरकर, रतिराम कुम्हरे, श्रीमती नीलिमा श्रीवास्वत, महेन्द्र मेश्राम, राजेश पाठक, डॉ वेदप्रकाश लिल्हारे, श्रीमती रामकली टेकाम से शैलेन्द्र तिवारी, सचिन बिसेन, मनोज हरिनखेरे, श्रीमती कांता बाई बहेटवार, सुश्री किरण शर्मा, श्रीमती माया उइके, श्रीमती रोहिणी हरिनखेडे, श्रीमती प्रगति पालीवाल, महेन्द्र उमरे, विजय खेरे, विजय मस्करे, शिव दशहरे, धनराज मातरे, श्रीमती गौरी उपवंशी, उमराव चौधरी, देवराम पाचे, सुरेश सोनी, राजकुमार राहंगड़ाले, श्रीमती प्रमिला परिहार, विनय ठाकुर, श्रीमती पूजा पटले, श्रीमती छाया पंचबाहे, श्रीमती चंपाबाई वरकड़े, राजेन्द्र देशमुख, श्रीमती उषा रामटेके, अनिल कुर्वे, श्रीमती शालू बिसेन, अभिमन्यू सेलुकर, विकम देशमुख (गजपुर), युवराज परिहार और प्रदीप शरणागत सम्मिलित हैं।

जिला स्थाई आमंत्रित सदस्य

भाजपा जिला कार्यकारिणी स्थाई आमंत्रित सदस्य गौरीशंकर बिसेन, श्रीमती भारती पारधी, गौरव सिंह पारधी, राजकुमार कर्राहे, के.डी. देशमुख, रमेश भटेरे, सत्यनारायण अग्रवाल, श्रीमती लता एलकर, रमेश रंगलानी, हर्षदभाई पटेल, लोचन ठाकरे, प्रदीप गुड्डा जायसवाल, श्रीमती माया खंडेलवाल, डॉ. तुकड्यादास वैद्य, रोहिणी पाण्डेय, श्रीमती रेखा बिसेन, राजकुमार रायजादा, महेन्द्र सुराना, अभय सेठिया, राणा कल्याण सिंह, निरंजन बिसेन, मेष कुमार देशमुख, उमेश देशमुख और देवीचरण पारधी शामिल हैं।

विशेष आमंत्रित सदस्य

भाजपा जिला कार्यकारिणी विशेष आमंत्रित सदस्य मानसिंह बैठवार, शिवा शर्मा, राही पांडे, पवन डहारे, चैन सिंह बैस, सुरेश गजभिये, राधेलाल भोयर, देवनलाल बिसेन, पप्पु हरिनखेड़े, योगेश अग्रवाल, सोनू जैन, शारदा शिव, मोहन लाल बनोटे, जगदीश बिसेन, अशोक पांचे, श्रीमती पुष्पा सुलाखे, अभय लिल्हारे, वेदप्रकाश पटले, राजेन्द्र सिंह ठाकुर, टीकमचन्द्र जैन, टेकचंद बल्लरी, शंकर बघेल, श्रीमती अलका चौधरी, जयसिंह नगपुरे, टोपू गौतम, अनिल चौधरी, शोभाराम बाहे, प्रदीप फेण्डारकर, विनोद वराड़े, सुनील खोटेले, राजेश लिल्हारे, राज हरिनखेड़े, नन्दकिशोर जायसवाल, गजेन्द्र भारद्वाज, देवराम बर्वे, सुनील गांधी, अनिस मेमन, घनश्याम अग्रवाल, यासीन खान, प्रवीण मेश्राम, डॉ. रमेश सेवलानी, अरविंद जायसवाल, ललीत गौतम, गुलशन भाटिया, सुधीर चीले, राजेन्द्र चौकसे, जुगनु जायसवाल, अनिल अग्रवाल, पंकज अग्रदाल, सिद्धार्थ शेण्डे, भुवन राहंगडाले, लक्षण भाझीपाले, लिलाधर रावते, बलीराम शिवरणकर, श्रीमती विनीता पाराशर, केशव बिसेन, नीलचंद हरिनखेड़े, कपिल अग्रवाल, अशोक बापुरे, दुलीचंद राजनीरे, जाकिर कुरैशी, डॉ. सुरेन्द्र पटले, एन.आर. गरदे, महेन्द्र उमरे,ॿमहेन्द्र पटले, डॉ. कन्हैया बिसेन, यशवंत टेम्भरे, श्रीमती पारूल देशमुख, तेजलाल चौधरी, संतोष तुरकर, राजेन्द्र अग्रवाल, महेन्द्र कोचर, पवन राणा, राजीव पटले, श्रीमती गौरी लिल्हारे, प्रकाश देशमुख, वीरेन्द्र भंडारकर, रमणीकलाल ठाकरे, विनोद पंचभाये, नंदकिशोर मरठे, श्रीमती मीरा डहरवाल, बुद्धन सिंह मर्सकोले, दामा सोनी, यशवंत शरणागत, श्रीमती कविता धुर्वे, सुरेश यादव, भुनेश्वर दिवान, श्रीमती मीना मर्सकोले, विमल कोचर, शिवदयाल ऐड़े, श्रीमती कल्पना साव, तिलक सोनवाने, फूलचंद सहारे, संतोष आड़े, चिंतामन जायसवाल, श्रीमती स्मिता जायसवाल, प्रमोद नेमा, अशोक अवधिया, ऊकन्त्र टेम्भरे, हिरदेश हिर्वाने, श्रीमती वंदना बारमाटे, हेमन्त राणा, पवन मरकाम, कन्हैया नगपुरे, शैलेन्द्र सेठी, रिधनलाल चौहान, अविनाश रैंच, सोहन उपराड़े, अमृत मेश्राम, रमन बिठले, विजय कापगाते, शेखर ठाकुर, कन्हैया कावरे, कोमल लिल्हारे, विजय गोस्वामी, पवन इनवाती, जुगल किशोर पांडे, पूरन ठाकरे, युवराज पांचे उल्लेखित है।

पंचनिष्ठा, जनकल्याण और सर्वांगीण विकास सर्वोपरि: रामकिशोर कांवरे

भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का आभार जताते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने नव नियुक्त जिला कार्यकारिणी सदस्यों को शुभकामनाएं प्रेषित की। वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशोर कांवरे ने सर्वोपरि संगठन की पंचनिष्ठा, जनकल्याण और सर्वांगीण विकास के निहितार्थ समर्पण भाव से अपनी सहभागिता और जिम्मेदारी निर्वहन करने का आव्हान किया है।

ताकि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास अर्जित किया जा सके। आशय की जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी हेमेंद्र क्षीरसागर ने दी।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा live देश विदेश
भारत, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, अमेरिका, ब्रिटेन, ईरान, चीन, जापान आदि की खबरें..

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

महिला ने प्रेमी संग मिलकर की 6 साल के बेटे की हत्या, बॉयफ्रेंड ने मर्डर कर जंगल में छिपाया था शव...

डेस्क जगप्रेरणा।

यूपी के मेरठ जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने ही बेटे की हत्या करवा दी। जानकारी के मुताबिक महिला ने खुद बेटे के लापता होने की शिकायत पुलिस से की थी।

शिकायत में उसने अपने प्रेमी पर अपहरण करने का आरोप लगाया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि जब आरोपी से कड़ाई से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि महिला के साथ उसका प्रेम संबंध था और बच्चा इसमें बाधा बन रहा है। आरोपी ने इस घटना में महिला के भी शामिल होने की बात बताई, जिसके बाद पुलिस ने महिला को भी गिरफ्तार कर लिया।

महिला ने ही पुलिस से की शिकायत..

पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि एक महिला और उसके प्रेमी को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। महिला के छह साल के बेटे की गला घोंटकर हत्या की गई थी।

जानकारी की मुताबिक बच्चे की हत्या इसलिए की गई क्योंकि वह उनके रिश्ते में बाधा बन रहा था। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अभिजीत कुमार ने बताया कि 16 जून को गुरप्रीत कौर नाम की महिला ने अपने बेटे के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। उसने आरोप लगाया था कि मुजफ्फरनगर के रहने वाले अर्पित शर्मा ने बच्चे को कार में बैठाकर अगवा कर लिया है।

उसी दिन बहसूमा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया और अर्पित शर्मा की तलाश शुरू की गई। बाद में पुलिस ने अर्पित को गिरफ्तार कर लिया।

प्रेमी ने उगला महिला के शामिल होने का राज..

एसपी (ग्रामीण) ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद अर्पित ने कबूल कर लिया कि गुरप्रीत कौर के साथ उसके प्रेम संबंध थे। बच्चा उनके साथ आने में बाधा बन रहा था, इसलिए उसने बच्चे का गला घोंट दिया और उसकी लाश हस्तिनापुर के जंगल में छिपा दी। इसके बाद अर्पित की निशानदेही पर पुलिस ने जंगल से लाश बरामद की और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा। एसपी ने बताया कि आगे की जांच और सबूतों से इस अपराध में गुरप्रीत कौर की भी भूमिका सामने आई, जिसके बाद शुक्रवार को उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल अर्पित शर्मा को जेल भेज दिया गया है, जबकि गुरप्रीत कौर को रिमांड की कार्यवाही के लिए अदालत में पेश किया जाएगा।

मॉस्को में हुई 'काली बारिश', देखकर चौंके लोग, रूस का इनकार-ऐसा कैसे हो सकता है? जानें सच..

डेस्क जगप्रेरणा।

मॉस्को की एक बड़ी तेल रिफाइनरी पर यूक्रेन के ज़बरदस्त ड्रोन हमले के बाद गुरुवार को रूसी राजधानी मॉस्को के कुछ हिस्सों पर काले, तैलीय पदार्थ की परत जम गई है।

BBC की रिपोर्ट के मुताबिक, इस हमले के कारण एक अजीब घटना हुई, जिसमें रिहायशी इलाकों में काले तेल के कण बारिश की तरह गिरने लगे। यह घटना राजधानी क्षेत्र पर यूक्रेन के अब तक के सबसे बड़े हवाई हमले के बाद हुई है, जिसमें यूक्रेन ने लगभग 200 ड्रोन दागे थे। **BBC** की जानकारी के अनुसार, इन हमलों से आसमान में घने धुएं के गुबार उठने लगे और काली बारिश हुई, इससे मॉस्को के आस-पास के इलाके में कम से कम 17 लोग घायल हो गए। यूक्रेन के हमलों और विस्फोटों के बाद, सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल होने लगे। इन वायरल क्लिप्स में कारों, खिड़कियों और सड़कों पर चिपचिपी, काली परत जमी हुई दिखाई दे रही है। कई वीडियो में लोगों को उस तैलीय तरल पदार्थ को छूते हुए दिखाया गया है, जिससे पता चलता है कि ज़हरीला कचरा स्थानीय इलाकों में किस तरह फैल गया है।

नगर निगम ने क्या कहा?

ऑनलाइन फैल रहे कई वीडियो और तस्वीरों के बावजूद, नगर निगम के अधिकारियों ने शुरू में इस संकट को कम करके दिखाने की कोशिश की। स्थानीय अधिकारियों ने सख्ती से इस बात से इनकार किया कि शहर में किसी तरह की 'तेल की बारिश' हो रही थी।

हालांकि, शहर के आधिकारिक टेलीग्राम चैनलों ने ज़रूरी स्वास्थ्य चेतावनियाँ जारी करके इन बयानों के उलट बात कही।

सरकार ने लोगों को क्या सलाह दी?

क्षेत्रीय सरकार ने दक्षिण-पूर्वी ज़िलों के निवासियों को सलाह दी कि वे ज़हरीली गैसों को सांस के ज़रिए अंदर जाने से रोकने के लिए अपनी खिड़कियाँ कसकर बंद रखें। इसके अलावा, अधिकारियों ने कहा कि छोटे बच्चों वाले परिवारों, बुजुर्ग नागरिकों और अस्थमा से पीड़ित लोगों को तुरंत वह इलाका छोड़ देना चाहिए।

लोगों ने क्या बताया?

मॉस्को के लोगों ने **BBC** को बताया कि हल्की बारिश की वजह से उनके कपड़ों पर बहुत खराब काले धब्बे पड़ गए थे, वहीं बड़े पैमाने पर हवाई सुरक्षा नेटवर्क की भी कड़ी परीक्षा हुई। रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसी 24 घंटे की अवधि में देश भर में लगभग 1,000 ड्रोन और कई क्रूज़ मिसाइलों को रोका गया। फिर भी, जलती हुई रिफ़ाइनरी से निकले मलबे और धुएं ने इस संघर्ष के पर्यावरणीय असर को सीधे मॉस्को के आम नागरिकों तक पहुंचा दिया है।

लुढ़कते हुए खाई में जा गिरी सड़क किनारे खड़ी कार, महिला और 11 महीने के बेटे की दर्दनाक मौत..

डेस्क जगप्रेरणा।

हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति जिले में घूमने गए एक परिवार की खुशियां उस समय मातम में बदल गई, जब उनकी खड़ी कार अचानक पीछे की ओर लुढ़ककर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में गुरुग्राम की एक महिला और उसके 11 महीने के बेटे की मौत हो गई, जबकि एक अन्य महिला घायल हो गई। मृतकों की पहचान 26 वर्षीय तनु कुमारी और उनके 11 महीने के बेटे दक्ष कुमार के रूप में हुई है। दोनों हरियाणा के गुरुग्राम के रहने वाले थे।

बेटे को दूध पिला रही थी महिला..

पुलिस के मुताबिक, यह हादसा बुधवार को ग्राम्फूके पास कोकसर-रोहतांग मार्ग पर हुआ। परिवार मनाली से लाहौल-स्पीति की ओर जा रहा था। रास्ते में प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने के लिए कार को सड़क किनारे रोका गया था। बताया गया कि वाहन चालक और अन्य यात्री आसपास के खूबसूरत नजारों को देखने के लिए गाड़ी से उतर गए थे। इस दौरान तनु कुमारी अपने बेटे को दूध पिला रही थीं, इसलिए वह गाड़ी के अंदर ही रहीं। उनके साथ एक अन्य महिला 52 वर्षीय सविता देवी भी कार में मौजूद थीं।

लुढ़कते हुए खाई में जा गिरी कार..

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसी बीच ढलान पर खड़ी गाड़ी अचानक पीछे की ओर लुढ़कने लगी और देखते ही देखते गहरी खाई में जा गिरी। चश्मदीदों ने बताया कि कार अचानक पीछे लुढ़कने लगी थी और किसी को संभलने का मौका नहीं मिला। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत और बचाव अभियान शुरू किया। घायलों को मनाली के अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने तनु कुमारी और उनके बेटे दक्ष कुमार को मृत घोषित कर दिया। घायल सविता देवी का इलाज जारी है।

बेहद दुर्गम इलाके में हुई थी दुर्घटना..

पुलिस के मुताबिक, दुर्घटनास्थल कोकसर से रोहतांग की ओर लगभग 8 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह इलाका बेहद दुर्गम है और यहां मोबाइल नेटवर्क की सुविधा भी काफी कमजोर है। अधिकारियों का कहना है कि ऐसे दूरदराज क्षेत्रों में दुर्घटनाओं की जानकारी अक्सर प्रशासन तक देर से पहुंचती है। करीब 13,833 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल वाला लाहौल-स्पीति हिमाचल प्रदेश का सबसे बड़ा जिला है। हालांकि, यहां की आबादी लगभग 35 हजार ही है, जिससे यह देश के सबसे कम आबादी वाले जिलों में भी शामिल है।

केस दर्ज करके जांच कर रही है पुलिस..

पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद दोनों शव परिजनों को सौंप दिए हैं। लाहौल-स्पीति की पुलिस अधीक्षक शिवानी मेहला ने बताया कि मामले में केस दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि गाड़ी को पार्क करते समय हैंडब्रेक लगाया गया था या नहीं। इसके अलावा हादसे के अन्य संभावित कारणों की भी जांच की जा रही है।

मिठाई की दुकान के कर्मचारी पर हमला करने के मामले में तीन गिरफ्तार..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

मिर्जापुर जिले के विंध्याचल इलाके में मिठाई की एक दुकान पर काम करने वाले कर्मचारी पर हमला करने के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार बृहस्पतिवार को विंध्याचल थानाक्षेत्र में एक मजार के पास कुछ लोगों ने कथित तौर पर जावेद की मिठाई की दुकान पर कार्यरत एक कर्मचारी पर हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ है। पीड़ित परिवार के मुताबिक, यह हमला कर्मचारी की नौकरी को लेकर हुए विवाद से जुड़ा था। दुकान के मालिक जावेद की रिश्तेदार अफसाना ने आरोप लगाया कि हैदर नामक व्यक्ति ने यह हमला इसलिए करवाया क्योंकि उसे अपनी दुकान के लिए कर्मचारी नहीं मिल रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया, 'हैदर को अपनी दुकान के लिए कोई कर्मचारी नहीं मिला, इसलिए उसने मेरे जीजा की दुकान पर काम करने वाले कर्मचारी पर हमला कर दिया।'

पीड़ित पक्ष की शिकायत के बाद विंध्याचल पुलिस ने घटना की जांच शुरू की। पुलिस ने जांच के दौरान पाया कि कुछ स्थानीय लोगों ने कर्मचारी के साथ मारपीट की और दुकान में संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। विंध्याचल के थाना प्रभारी अजीत सिंह ने कहा कि मामला दर्ज किया गया है। सिंह ने कहा, 'घटना के सिलसिले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और आगे की कानूनी कार्यवाही चल रही है।'

19 साल का लड़का बेच रहा था री-नीट का पेपर, पुलिस ने पकड़ा, जांच की तो सब फर्जी निकला..

डेस्क जगप्रेरणा।

नीट यूजी 2026 की परीक्षा 21 जून को दोबारा आयोजित कराई जाएगी। इससे पहले छात्रों को फर्जी पेपर बेचे जा रहे हैं। राजस्थान के भीलवाड़ा में पुलिस ने ऐसे ही एक युवक को पकड़ा है,

जो फर्जी पेपर सोशल मीडिया के जरिए बेच रहा था। गुरुवार-शुक्रवार की मध्यरात्रि प्रतापनगर थाना क्षेत्र में एक मकान पर दबिश देकर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि भीलवाड़ा एसपी सागर राणा के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम ने एक मकान पर दबिश देकर एक युवक को डिटेन किया है, जिसे पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी टेलीग्राम का इस्तेमाल अमेरिका के वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क वीपीएन के जरिए करता था। इसी तरीके से वह सोशल मीडिया पर फर्जी नीट पेपर बेच रहा था। प्रताप नगर थाना प्रभारी सुनील ताड़ा ने कहा कि 21 जून को देश भर में नीट परीक्षा का आयोजन होगा, जिसके लिए व्यापक स्तर पर तैयारी चल रही है।

गुप्त सूचना पर हुई कार्यवाही..

भीलवाड़ा एसपी सागर राणा ने भीलवाड़ा जिले में निष्पक्ष परीक्षा आयोजन करवाने को लेकर सतर्क रहने के निर्देश दिए थे। इसके बाद से पुलिस की टीम सतर्क थी। एसपी कार्यालय की जिला विशेष शाखा को आई-मेक पोर्टल पर एक विशेष गुप्त सूचना मिली थी। इसमें बताया गया था कि कुछ असामाजिक तत्व री- नीट परीक्षा का फर्जी और बोगस पेपर तैयार कर टेलीग्राम और सोशल मीडिया के जरिए ऑनलाइन बेच रहे हैं।

वीपीएन के जरिए बेच रहा था फर्जी पेपर..

एसपी के निर्देश पर प्रतापनगर थाना प्रभारी सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस ने प्रतापनगर थाना क्षेत्र के पटेल नगर में 19 वर्षीय आकाश नाम के युवक के मकान पर दबिश देकर डिटेन किया। इस दौरान मौके पर आकाश सोशल मीडिया पर यूएसए के वीपीएन नंबर और प्रोक्सी नेटवर्क के जरिए टेलीग्राम संचालित कर री- नीट का फर्जी व बोगस पेपर अन्य युवाओं को ऑनलाइन भेज रहा था।

जयपुर में तैयारी कर रहा था आरोपी..

पुलिस ने 19 वर्षीय आकाश को गिरफ्तार किया है। वह मूल रूप से चुरू जिले के रावतसर कुजला का रहने वाला है। आकाश नामक युवक से पूछताछ के बाद शुक्रवार सुबह उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मौके से एक नीट की बुक, मोबाईल फोन व अन्य दस्तावेज भी जब्त किए हैं। गिरफ्तार आरोपी जयपुर में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था और दो दिन पहले ही जयपुर से भीलवाड़ा लौटा था। अब भीलवाड़ा पुलिस गिरफ्तार किए गए युवक से पूछताछ कर रही है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन युवा शामिल है और कब से ऐसा प्रयास कर रहे थे। पूरी पूछताछ के बाद बड़ा खुलासा हो सकता है।

पाकिस्तान में गुरुद्वारे के अंदर सिख कपल की हत्या, डबल मर्डर का मुख्य आरोपी गिरफ्तार..

डेस्क जगप्रेरणा।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में गुरुद्वारे के अंदर सिख कपल की हत्या के मामले में मुख्य संदिग्ध आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बुजुर्ग सिख दंपति गुरुद्वारे में रहते थे और दोनों सेवादार थे।

सेवादार गुरुद्वारे की देखरेख का काम करते हैं। बुधवार के दिन बुजुर्ग दंपति की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद भारत के कई नेताओं ने पाकिस्तान के प्रशासन से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आग्रह किया था। अब पुलिस ने मुख्य संदिग्ध आरोपी को पकड़ा है। पीड़ितों की पहचान जगन्नाथ और उनकी पत्नी अस्मा वंती के तौर पर हुई है। वे पेशावर से करीब 60 किलोमीटर दूर उत्तर-पश्चिम में मर्दन जिले के बाबू मोहल्ला में गुरुद्वारे के सेवादार थे। बुधवार को गुरुद्वारे के अंदर उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

अमजुगरी का रहने वाला है संदिग्ध आरोपी..

गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मर्दन डिस्ट्रिक्ट पुलिस ऑफिसर मसूद अहमद बंगश ने कहा कि मामले के मुख्य संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है। संदिग्ध की पहचान अमजुगरी के रहने वाले शेर शाह के तौर पर हुई है।

आतंकवादी संगठन से नहीं जुड़ा है आरोपी..

बंगश ने कहा कि पुलिस अधिकारियों, काउंटर-टेररिज्म डिपार्टमेंट के लोगों और दूसरे सीनियर अधिकारियों वाली जॉइंट इन्वेस्टिगेशन टीम की जांच में अब तक संदिग्ध के किसी बैन किए गए संगठन, आतंकवादी संगठन या ऑर्गनाइज्ड नेटवर्क से जुड़े होने का कोई सबूत नहीं मिला है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि हत्याओं के पीछे का मकसद अभी साफनहीं है, और अधिकारी संदिग्ध के बयानों और अब तक इकट्ठा किए गए दूसरे सबूतों के आधार पर सभी मुमकिन एंगल से जांच कर रहे हैं।

भारतीय नेताओं ने की थी कड़ी सजा की मांग..

बीजेपी नेता चरुण चुघ और अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज ने इस मामले में अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से हत्क्षेप करने की मांग की है। जत्थेदार गड़गज ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री मोहम्मद सोहेल खान अफरीदी से मामले का कड़ा संज्ञान लेने, दोषियों को तत्काल गिरफ्तार करने और कठोर सजा दिलाने का आग्रह किया। दोनों नेताओं ने अल्पसंख्यकों और उनके मानवाधिकारों की रक्षा करने में नाकाम रहने को लेकर पाकिस्तान सरकार की आलोचना की।

नवजात की मौत के बाद सहारनपुर में अस्पताल सील, जांच में मिली पंजीकरण और योग्य कर्मियों की कमी..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

सहारनपुर में स्वास्थ्य विभाग ने नवजात शिशु की मौत के बाद एक निजी स्वास्थ्य सेवा केंद्र को कथित तौर पर योग्य चिकित्सा कर्मचारियों और वैध पंजीकरण दस्तावेजों की कमी के कारण सील कर दिया है।

अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) प्रवीण कुमार के निर्देश पर उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुणाल जैन ने पुलिस कर्मियों के साथ बेहट रोड स्थित 'सिंघल हेल्थ केयर' को सील कर दिया। यह कार्रवाई शुभम पांचाल की शिकायत के बाद हुई।

पांचाल ने आरोप लगाया कि उन्होंने अपनी नौ महीने की गर्भवती पत्नी को 12 जून को इस स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां एक ऑपरेशन के बाद अस्पताल प्रबंधन ने नवजात को मृत घोषित कर दिया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि इस केंद्र के पास न तो वैध लाइसेंस था और न ही योग्य डॉक्टर थे। सीएमओ ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की जांच में पाया गया कि य केंद्र वैध पंजीकरण दस्तावेज पेश करने में विफल रहा और उसने विभाग के नोटिस का जवाब नहीं दिया।

उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि प्रसव के दौरान प्रशिक्षित डॉक्टर और योग्य चिकित्सा कर्मचारी मौजूद नहीं थे। उन्होंने कहा कि कुछ चिकित्सा उपकरण जब्त कर लिए गए हैं और इस केंद्र को सुविधा सील कर दिया गया है। सीएमओ ने कहा कि यदि ऑपरेटर निर्धारित समय के भीतर आवश्यक दस्तावेज और पंजीकरण प्रमाण पत्र जमा करने में विफल रहता है, तो प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

दक्षिण कोरिया पर जीत से मैक्सिको नॉकआउट में पहुंचने वाला पहला देश बना..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

लुइस रोमो ने दक्षिण कोरिया की रक्षात्मक चूक का फायदा उठाते हुए गोल दागा जिससे सह मेजबान मैक्सिको 1-0 से जीत हासिल करके मौजूदा विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई।

मैच जब गोलरहित बराबरी पर चल रहा था तब खेल के 58वें मिनट में दक्षिण कोरिया के गोलकीपर किम सेउंग-ग्यू और डिफेंडर ली गी-ह्युक के बीच टक्कर होने से गेंद पेनल्टी एरिया के अंदर छूट गई। रोमो के पास यह सुनहरा मौका था और उन्होंने गेंद को आसानी से खाली नेट में डालकर गोल कर दिया जो बाद में निर्णायक साबित हुआ। यह उस टीम के लिए एक बड़ी जीत है जो 2022 में ग्रुप चरण में जीत हासिल करने में नाकाम रही थी और अब उसने घरेलू मैदान पर उत्साहित दर्शकों के सामने दो बार जीत हासिल की है। मैक्सिको के खिलाड़ियों ने मैदान पर जश्न मनाया जबकि दर्शक एस्टाडियो एक्रोन के खचाखच भरे स्टेडियम में जयकारे लगा रहे और गीत गा रहे। खिलाड़ियों ने प्रशंसकों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया।

दक्षिण कोरिया ने 87वें मिनट में लगभग बराबरी कर ली थी लेकिन मैक्सिको के गोलकीपर राउल रेंगल ने दो शानदार बचाव करके खतरे को टाल दिया था। उन्होंने पहले चो ग्वे-सुंग के करीब से किए गए हेडर को रोका और फिर रिबाउंड पर यांग ह्युन-जून के प्रयास को और भी बेहतर तरीके से नाकाम किया। मैक्सिको के कोच जेवियर अगुइरे ने कहा, 'हम बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। भले ही यह मैच आकर्षक नहीं था लेकिन मुझे लगता है कि दक्षिण कोरिया ने हमें खास मौके नहीं दिए। इसके बावजूद हम उनकी गलती का फायदा उठाने में सफल रहे।' मैक्सिको ने दो मैचों में छह अंक हासिल करके ग्रुप ए में शीर्ष पर अपनी जगह सुनिश्चित की। वह अब दक्षिण कोरिया से तीन अंक तथा चेक गणराज्य और दक्षिण अफ्रीका से पांच अंक आगे हो गया है। चेक गणराज्य और दक्षिण अफ्रीका ने इससे पहले अटलांटा में अपना मैच 1-1 से ड्रॉ खेला था।

प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें तथा तीसरे स्थान पर रहने वाली सर्वश्रेष्ठ आठ टीमें नॉकआउट चरण में प्रवेश करेंगी। टूर्नामेंट में टीमों की संख्या बढ़ाकर 48 कर दिए जाने के बाद विश्व कप में पहली बार राउंड ऑफ 32 खेला जाएगा। मैक्सिको ने दक्षिण अफ्रीका पर 2-0 की जीत के साथ शुरुआत की थी, जबकि दक्षिण कोरिया ने चेक गणराज्य को 2-1 से हराया था। मैक्सिको बुधवार को मैक्सिको सिटी में चेक गणराज्य के खिलाफ ग्रुप चरण का अपना आखिरी मैच खेलेगा, जबकि दक्षिण कोरिया मॉन्टेरी में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा।

मैक्सिको ने इससे पहले मैक्सिको सिटी के बाहर अपने घरेलू मैदान पर कभी भी विश्व कप का कोई मैच नहीं जीता था। मौजूदा विश्व कप से पहले 1970 और 1986 के टूर्नामेंटों में खेले गए उसके नौ घरेलू विश्व कप मैचों में से एक को छोड़कर बाकी सभी मैच मैक्सिको सिटी के एस्टाडियो एज़्टेका स्टेडियम में खेले गए थे, जिनमें से उसे पांच में जीत मिली थी जबकि तीन मैच ड्रॉ रहे थे। मैच नीरस शुरुआत के साथ शुरू हुआ, जिसमें दोनों टीमों में से किसी ने भी गोल करने के मौके नहीं बनाए और हाफ टाइम की सीटी बजने के बाद दोनों टीमों को हूटिंग का सामना करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज मैक्सिको चार साल पहले कतर में ग्रुप चरण से ही बाहर हो गया था। इससे पहले वह लगातार सात बार राउंड ऑफ16 से आगे नहीं बढ़ पाया था।

दक्षिण कोरिया के स्टार खिलाड़ी सोन ह्युंग-मिन ने फिर से निराशाजनक प्रदर्शन किया और उन्हें 57वें मिनट में सब्स्टीट्यूट कर दिया गया। विश्व रैंकिंग में 22वें स्थान पर काबिज दक्षिण कोरिया लगातार 11वीं बार और कुल मिलाकर 12वीं बार विश्व कप में हिस्सा ले रहा है। दक्षिण कोरिया के कोच हांग म्युंग-बो ने कहा, 'हमने जो गलती की वह दुर्भाग्यपूर्ण थी।'

'लाफ्टर शेफ्स 3' पर बजेगा खतरे का डंका! किचन में होगी तोड़फोड़, हालत देख जन्नत जुबैर की निकली चिख..

डेस्क जगप्रेरणा।

'लाफ्टर शेफ्स 3' के आने वाले एपिसोड में खतरे की घंटी बजने वाली है, जिसके बाद सभी के होश उड़ जाएंगे। शो के किचन में जबरदस्त अफरा-तफरी देखने को मिलेगी,

क्योंकि कंटेस्टेंट्स के कुकिंग स्टेशन को तोड़ दिया जाएगा। इस गड़बड़ और कन्फ्यूजन के बीच एक्ट्रेस जन्नत जुबैर सेट का हाल देखकर हैरान रह जाती हैं और हैरानी में चीख पड़ती हैं। इस दौरान जन्नत को अंकिता संभलाते दिखाई देती है। अब इस मजेदार शो में फिनाले से पहले जबरदस्त ड्रामा देखने को मिलेगा। भारती सिंह अब कुछ मजेदार कुकिंग चैलेंज को खतरे में बदलने वाली है, जिससे सेट पर मौजूद सभी कंटेस्टेंट्स परेशान हो जाएंगे।

'लाफ्टर शेफ्स 3' कंटेस्टेंट्स की बजेगी बैंड..

लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट सीजन 3 के अपकमिंग एपिसोड में कंटेस्टेंट्स की हंसी गायब होने वाली है। जन्नत, कश्मीरा शाह और अंकिता लोखंडे के रिएक्शन से इतना तो साफ है कि अब कुछ धमाकेदार देखने को मिलेगा, जो अभी तक इस शो में नहीं दिखाया गया है।

'लाफ्टर शेफ्स' में एंटरटेनमेंट का लेवल और बढ़ने वाला है, क्योंकि एक नया ट्विस्ट शो में खतरे और रोमांच का तड़का लगाएगा। किचन में 'खतरे का डंका' बजने के साथ कंटेस्टेंट्स को खाना बनाते समय मुश्किल चुनौतियों, अचानक आने वाली रुकावटों और बहुत ज्यादा दबाव का सामना करना पड़ेगा।

लाफ्टर शेफ्स 3 में एंटरटेनमेंट होगा डबल..

मेकर्स ने 'लाफ्टर शेफ्स 3' का एक नया प्रोमो शेयर किया है, जिसमें इन मुश्किल टास्क से मजेदार गड़बड़ियां, जबरदस्त कॉम्पिटिशन और लगातार एंटरटेनमेंट देखने को मिलेगा, जिससे आने वाले एपिसोड दर्शकों के लिए और भी रोमांचक हो जाएंगे।

वीडियो शेयर कर कैप्शन लिखा, 'अब आएगा और भी मजा, जब लाफ्टर शेफ्स पर बजेगा खतरे का डंका! देखिए **#LaughterChefs**-अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट सीजन 3 हर शनिवार-रविवार रात 9 बजे, सिर्फ **Colors** और **JioHotstar** पर।'

'लाफ्टर शेफ्स 3' का फिनाले कब टेलीकास्ट होगा?

'गॉसिप्स टीवी' के अनुसार 'लाफ्टर शेफ्स 3' जल्द ही बंद होने वाला है और इसका फिनाले एपिसोड रविवार, 28 जून 2026 को टेलीकास्ट होने की उम्मीद है। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। तीसरे सीजन में अली गोनी, रीम शेख, करण कुंद्रा, एल्विश यादव, रुबीना दिलैक, राहुल वैद्य, अंकिता लोखंडे, विक्की जैन, अभिषेक कुमार, समर्थ जुरेल, निया शर्मा, सुदेश लहरी, कृष्णा अभिषेक और कश्मीरा शाह के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी।

नीरज चोपड़ा का आज होगा रुमेश थारंगा से दोहा डायमंड लीग में आमना-सामना, जानें कब-कहां और कितने बजे देखें मुकाबला..

डेस्क जगप्रेरणा।

भारतीय स्टार जैवलिन थ्रो एथलीट नीरज चोपड़ा लंबे समय से बाहर रहने के बाद अब वापसी के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। नीरज चोपड़ा 19 जून को होने वाली दोहा डायमंड लीग से मैदान पर वापसी करेंगे।

आगामी कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स को देखते हुए सभी की नजरें नीरज की वापसी को लेकर टिकी हुई थी जो पिछले साल सितंबर महीने में वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के बाद से बैक इंजरी के चलते किसी भी इवेंट में हिस्सा नहीं ले सके थे। अब नीरज अपनी फिटनेस को फिर से पूरी तरह हासिल करने के बाद नए सीजन की शुरुआत दोहा डायमंड लीग के साथ करने जा रहे हैं, जहां अब इस बार उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती मौजूदा समय में शानदार फॉर्म में चल रहे श्रीलंका के रुमेश थारंगा पाथिराजे से होगा। ये इवेंट की शुरुआत भारतीय समयानुसार रात 11:14 पर होगी जिसमें इसका सीधा प्रसारण **Wanda Diamond League** के यूट्यूब चैनल और फेसबुक पेज पर किया जाएगा।

स्विट्जरलैंड में नीरज चोपड़ा कर रहे थे ट्रेनिंग..

नीरज चोपड़ा बैक इंजरी से उबरने के बाद पिछले एक महीने 25 मई से स्विट्जरलैंड में ट्रेनिंग कर रहे थे और अब अपनी पूरी फिटनेस को भी हासिल कर लिया है। नीरज चोपड़ा ने पिछले साल हुई वर्ल्ड चैंपियनशिप में 84.03 मीटर का थ्रो करने के साथ 8वें स्थान पर खत्म किया था। अब इस बार उनकी कोशिश बेहतर प्रदर्शन कर वापसी करने पर रहने वाली है। दोहा नीरज के लिए काफी खास भी है जहां उन्होंने मई 2025 में पहली बार 90 मीटर का थ्रो किया था। दोहा डायमंड लीग यह इवेंट पहले 8 मई को आयोजित किया जाना था लेकिन वेस्ट-एशिया में चल रहे तनाव के चलते इसे 19 जून को कराने का फैसला लिया गया।

नीरज के साथ दोहा डायमंड लीग में कुल 9 एथलीट हैं जहां उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती 24 साल के श्रीलंकाई एथलीट रुमेश थारंगा पाथिराजे रहने वाले हैं, जिन्होंने 4 जून को रोम डायमंड लीग में 92.62 मीटर का थ्रो कर चर्चा में आ गए थे।

कब-कहां और कितने बजे देखें दोहा डायमंड लीग..

दोहा डायमंड लीग में नीरज चोपड़ा के जैवलीन थ्रो इवेंट की शुरुआत भारतीय समयानुसार रात 11:14 पर होगी। इस इवेंट के लाइव टेलीकास्ट को लेकर बात की जाए तो टीवी पर इसका प्रसारण नहीं होगा। वहीं दोहा डायमंड लीग की ऑनलाइन स्ट्रीमिंग **Wanda Diamond League** के यूट्यूब चैनल और फेसबुक पेज पर की जाएगी जहां पर फैंस आसानी से फ्री में नीरज चोपड़ा को एक्शन में देख सकते हैं।

3 साल से तलाक की चर्चा, अब 'दीया और बाती हम' फेम कनिका माहेश्वरी ने तोड़ी चुप्पी, बोली- हम लॉन्ग-डिस्टेंस मैरिज में हैं..

डेस्क जगप्रेरणा।

'दीया और बाती हम' में मीनाक्षी का रोल निभाने वाली टेलीविजन एक्ट्रेस कनिका माहेश्वरी ने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चल रही अफवाहों पर विराम लगा दिया है।

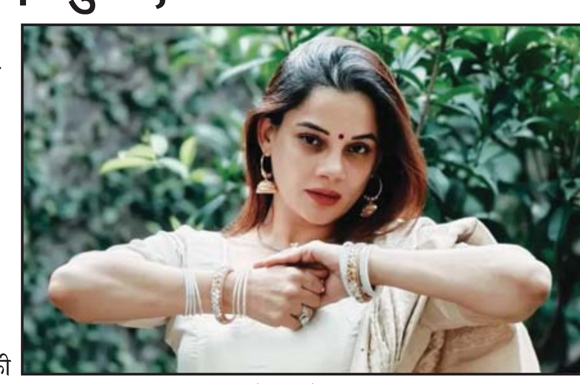

तीन साल से एक्ट्रेस के तलाक की चर्चाएं थी, लेकिन अब उन्होंने साफ किया कि उनका तलाक नहीं हुआ है और वे अपने पति के साथ शादीशुदा हैं, भले ही कपल अलग-अलग शहरों में रहते हैं।

अटकलों पर बात करते हुए, कनिका ने बताया कि एक समय पर उन्होंने तलाक के बारे में सोचा था, लेकिन आखिरकार उन्होंने अपने मतभेदों को सुलझा लिया और साथ रह रहे हैं। फिलहाल वो खुशहाल जिंदगी गुजार रही हैं। पति के साथ वो लॉन्ग डिस्टेंस मैरिज में हैं।

कनिका माहेश्वरी ने तलाक की अफवाहों को गलत बताया..

हॉटरफ्लाई के द मेल फेमिनिस्ट के एक एपिसोड में कनिका ने तलाक की अफवाहों को गलत बताया और कहा, 'वह मेरे एक्स भी नहीं हैं। मेरा तलाक नहीं हुआ है। मुझे नहीं पता कि यह अफवाह किसने फैलाई है। मेरा तलाक नहीं हुआ है, मेरा तलाक क्यों करवाना चाहते हो यार? वह दिल्ली में रह रहे हैं, और मैं बॉम्बे में। हम अभी भी शादीशुदा हैं।' उन्होंने माना कि उन्होंने 2024 में डिवोर्स के लिए अप्लाई किया था, लेकिन कहा, 'वो सच है लेकिन वो फीका पड़ गया। वो भी किसने लीक करनी मुझे नहीं पता। लोगों ने मुझे डिवोर्स ही बना दिया। असल में आज जर्नलिज्म एक बिजनेस बन गया है। आजकल जो बिक रहा है उसे बेचो। हम अलग रह रहे हैं, हमारी लॉन्ग-डिस्टेंस मैरिज है, लेकिन इस तरह रोमांस करने में एक अलग मजा है।'

कनिका माहेश्वरी की शादी के बारे में..

कनिका ने आगे कहा कि उन्होंने और उनके पति ने अपनी मुश्किलों को आपसी सहमति से सुलझाया है और अपने मतभेदों को एक साथ सुलझा रहे हैं। कनिका ने यह भी कहा कि प्यार को फिर से जगाने के लिए लगातार खुद को बढ़ाना, ईमानदारी से बातचीत करना और अपने पार्टनर के साथ सच्चा रहना जरूरी है। कनिका ने जनवरी 2012 में बिजनेसमैन अंकुर घई से शादी की। तीन साल बाद कपल पेरेंट बने, और 2015 में उनके बेटे का जन्म हुआ। उनके अलग होने की अफवाहें सबसे पहले 2023 में सामने आईं, जिसके बाद 2024 में उनके तलाक होने के कयास लगाए गए। हालांकि कनिका ने अब उन दावों को गलत बताया है।

कनिका माहेश्वरी के बारे में..

कनिका ने 2001 में टेलीविजन शो कभी आए ना जुदाई से एक्टिंग में डेब्यू किया था। बाद में वह कहानी घर घर की, काव्यांजलि और पिया का घर जैसे कई पॉपुलर शो में नजर आईं। हालांकि, दीया और बाती हम ने उन्हें बहुत पहचान दिलाई और उन्हें घर-घर में मशहूर कर दिया। यह शो पांच साल से ज्यादा चला, जिससे यह टेलीविजन पर सबसे लंबे समय तक चलने वाले शो में से एक बन गया। कनिका अभी शो सहर होने को है का हिस्सा हैं, जिसमें पार्थ समथान और ऋषिता कोठारी भी लीड रोल में हैं। यह शो कलर्स टीवी पर आता है।

शरणार्थी होने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया की टीम में जगह बनाने से खुश हैं अवर माबिल..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

अवर माबिल का चेहरा पल भर में खुशी से खिल उठा। वह मुस्कुराए और अपनी भावनाओं को काबू में रखने की कोशिश की। ऑस्ट्रेलिया के इस अनुभवी फॉरवर्ड ने शायद ही कभी इस तरह की प्रतिक्रिया की कल्पना की होगी।

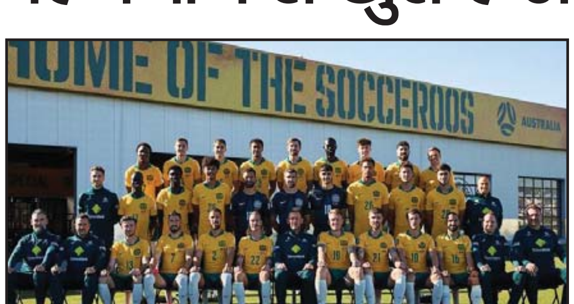

इसका फुटबॉल के परिणाम से भी कोई लेना-देना नहीं था। बल्कि यह एक ऐसा चिंतन था जो उन्हें शरणार्थी के रूप में अपने उथल-पुथल भरे बचपन की याद दिलाता था। यह उस खुशी के कारण था जो शरणार्थी होने के बावजूद उन्हें ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय टीम में जगह मिलने से मिली थी। फुटबॉल के खेल में उन्हें ऑस्ट्रेलिया में नए सिरे से जीवन शुरू करने का मौका मिला था। वह मूलरूप से कीनिया के रहने वाले हैं और ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल कुछ शरणार्थी खिलाड़ियों का हिस्सा हैं। माबिल ने जब संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों की बीच डेविड बशीर का जाना पहचाना चेहरा दिखा तो वह मुस्कुराने लगे। बशीर ऑस्ट्रेलिया के एसबीएस नेटवर्क के लंबे समय से कमेंटेटर हैं। माबिल ने कहा, 'मैं आपको देखते हुए बड़ा हुआ हूं।' 30 वर्षीय माबिल का जन्म कीनिया के काकुमा में सूडानी माता-पिता के घर हुआ था, जो गृहयुद्ध से बचकर वहां गए थे। उन्होंने 20 साल पहले 10 वर्ष की उम्र में ऑस्ट्रेलिया में शरण ली थी और यही फुटबॉल खेलना शुरू किया था। संयोग से माबिल ऐसे समय में अपनी कहानी सुना रहे थे जबकि शरणार्थी सप्ताह मनाया जा रहा है। शनिवार को विश्व शरणार्थी दिवस है। उन्होंने कहा, 'यह शरणार्थी सप्ताह है। मैं दुनिया भर में विस्थापित हुए सभी लोगों से कहना चाहता हूं कि हम आपके साथ हैं। हम इस समय एक वैश्विक मंच पर हैं। एक बड़े टूर्नामेंट में खेल रहे हैं। मैं आपको बताना चाहता हूं कि सब कुछ संभव है, इसलिए आगे बढ़ते रहिए।' उन्होंने कहा, 'हमारी टीम में कई शरणार्थी खिलाड़ी भी हैं। जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं, तो मुझे लगता है कि हम सब एक ही दुनिया से जुड़े हैं। अब हम ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।' वह अपने साथी और अफ्रीका से आए शरणार्थी खिलाड़ियों मो टूरे और नेस्टोरी इरनकुंडा के लिए खुद को बड़े भाई की तरह मानते हैं।

3 Idiots 2: कॉलेज के बाद अब मिड-लाइफ क्राइसिस से जूझेंगे रैंचो, फरहान और राजू, राजकुमार हिरानी ने बताया कैसी होगी कहानी..

डेस्क जगप्रेरणा।

'3 इडियट्स' के सीक्वल को लेकर काफी चर्चाएं हैं। मेकर्स और आमिर खान ने '3 इडियट्स' के सीक्वल की पुष्टि की थी, जिसके बाद से ही फैंस फिल्म के बारे में अपडेट का इंतजार कर रहे हैं।

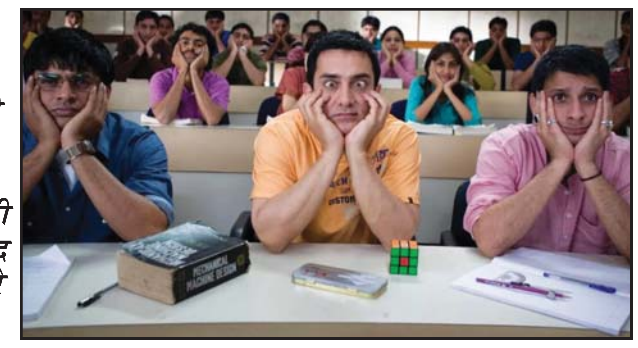

बीते दिनों ये साफ किया गया था कि आमिर खान के साथ आर माधवन और शरमन जोशी फिर से एक साथ नजर आएंगे, यानी नई कहानी में वही पुराने चेहरे होंगे और कहानी वहीं से आगे बढ़ेगी, जहां पहले पार्ट में खत्म हुई थी। ऐसे में लोगों के लिए रिलेट करना भी आसान रहेगा। हाल ही में फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी ने इस सीक्वल

और '3 इडियट्स' के किरदारों आमिर खान के रैंचो, आर माधवन के फरहान कुरैशी और शरमन जोशी के राजू रस्तोगी की कहानी आगे कहां और किस दिशा जाएगी, इस बारे में जानकारी दी।

क्या होगा कहानी का प्लॉट?

'द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया' से बात करते हुए हिरानी ने बताया कि वह और उनके राइटिंग पार्टनर अभिजात जोशी अभी सीक्वल की कहानी और स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं। फिल्म के तीनों मुख्य किरदारों की कहानी को आगे ले जाने की अपनी योजनाओं के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, 'अभी बहुत काम बाकी है। यह मुख्य रूप से इस बारे में है कि 15-20 साल बाद इन किरदारों का क्या होता है।

यह कॉलेज या ऐसी किसी चीज के बारे में नहीं है। अब उनकी शादी हो चुकी है और उनके बच्चे भी हैं। वे मिड-लाइफक्राइसिस से गुजर रहे हैं, इसलिए हमें देखना होगा कि अब आगे क्या होता है?'

'एक बड़ा संदेश होगा'..

ओरिजिनल फिल्म ने यह संदेश दिया था कि इंसान को अपने सपनों का पीछा करना चाहिए और अंधी दौड़ (रैट रेस) में नहीं फंसना चाहिए। अगर कोई व्यक्ति अपने जुनून (पैशन) को फॉलो करता है तो वह असल में जिंदगी में सफल होता है। फिल्म ने अपने संदेश से दुनिया भर में कई लोगों को प्रेरित किया। वेबसाइट से बात करते हुए हिरानी ने पुष्टि की कि ओरिजिनल फिल्म की तरह ही सीक्वल में भी एक संदेश होगा और वह बहुत बड़ा होगा। उन्होंने कहा, 'स्क्रिप्ट पर अभी कुछ काम बाकी है, लेकिन कहानी वाकई बहुत अच्छी है अनोखी और इसमें पहली फिल्म जैसा ही ह्यूमर है। यह '3 इडियट्स' के किरदारों की कहानी को 10 साल बाद आगे बढ़ाती है।'

'3 इडियट्स' के बारे में..

आमिर खान की यह फिल्म हिंदी सिनेमा की सबसे पसंदीदा फिल्मों में से एक बनी हुई है। फिल्म का डायलॉग 'ऑल इज वेल' दर्शकों के बीच बहुत मशहूर हुआ और एक कैचफ्रेज बन गया। ओरिजिनल फिल्म को राजकुमार हिरानी ने लिखा, एडिट और डायरेक्ट किया था, इसे अभिजात जोशी के साथ मिलकर लिखा गया था और विधु विनोद चोपड़ा ने प्रोड्यूस किया था। फिल्म में आमिर, आर माधवन और शरमन जोशी मुख्य भूमिकाओं में थे, जबकि करीना कपूर, बोमन ईरानी, मोना सिंह और ओमी वैद्य ने सहायक भूमिकाएं निभाई थीं। फिल्म ने तीन नेशनल अवॉर्ड जीते और भारत में बहुत बड़ी हिट रही। यह चीन में भी काफी लोकप्रिय हुई और वहां भी बड़ी हिट साबित हुई। इसका तमिल रीमेक 'नानबन' (2012) के नाम से बना, जबकि मैक्सिकन रीमेक '3 इडियट्स' 2017 में रिलीज हुआ।

लेख, लघु कथा, कविताएं एवं साहित्य सामग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 94070-33433

जग प्रेरणा
साहित्य अभिव्यक्ति

■ संपादकीय ■ लेख ■ कविता ■ व्यंग्य ■ महाशब्द पहेली (शब्द ज्ञान)

दैनिक जग प्रेरणा में साहित्य लेख रचनाएं प्रकाशन के लिये संपर्क करें..
एकता आशीष वर्मा
मो. 9407033433

मोबाइल, तनाव और भागदौड़ के दौर में क्यों जरूरी है 7-8 घंटे की गहरी नींद?

आधुनिक डिजिटल युग में मनुष्य विज्ञान, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की नई ऊंचाइयों को छू रहा है, परंतु विडंबना यह है कि विकास और व्यस्तता की इस दौड़ में वह अपनी सबसे महत्वपूर्ण जैविक आवश्यकता–नींद–से लगातार समझौता करता जा रहा है। आज मोबाइल फोन, सोशल मीडिया, ओटीटी प्लेटफॉर्म, देर रात तक काम करने की संस्कृति, बढ़ती प्रतिस्पर्धा और तनावपूर्ण जीवनशैली ने लाखों लोगों की नींद छीन ली है।

विश्वभर के स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण नींद केवल आराम का माध्यम नहीं, बल्कि शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का मूल आधार है। यदि भोजन शरीर के लिए ईंधन है, तो नींद शरीर और मस्तिष्क की मरम्मत और पुनर्निर्माण की प्रक्रिया है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि भारतीय संस्कृति और साहित्य में भी नींद को अत्यंत महत्व दिया गया है। लोकगीतों, कहावतों और फिल्मों में नींद को सुख, शांति और संतोष का प्रतीक माना गया है। ÷रातों की नींद उड़ जाना÷ आज भी चिंता और तनाव का सबसे प्रचलित प्रतीकात्मक वाक्य है। वर्तमान समय में यह केवल मुहावरा नहीं रहा, बल्कि एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार अनिद्रा और अपर्याप्त नींद अब जीवनशैली से जुड़ी सबसे तेजी से बढ़ती समस्याओं में शामिल हैं।

साथियों, यदि हम पर्याप्त नींद न आने के कारणों पर विचार करें, तो इसके पीछे अनेक कारक जिम्मेदार हैं। अनियमित दिनचर्या, देर रात तक मोबाइल और लैपटॉप का उपयोग, लगातार सोशल मीडिया पर सक्रिय रहना, मानसिक तनाव, आर्थिक चिंताएं, कार्यस्थल का दबाव, कैफीनयुक्त पेय पदार्थों का अत्यधिक सेवन, धूम्रपान, शराब, शारीरिक गतिविधियों की कमी तथा असंतुलित जीवनशैली प्रमुख कारण हैं। इसके अतिरिक्त मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, थायरॉइड विकार, अवसाद और चिंता संबंधी रोग भी नींद की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं।

आज चिकित्सा विज्ञान यह स्वीकार करता है कि अनिद्रा (इंसोम्निया) केवल एक छोटी समस्या नहीं, बल्कि एक गंभीर स्वास्थ्य विकार है। इसमें व्यक्ति को सोने में कठिनाई होती है, बार-बार नींद टूटती है, या सुबह उठने के बाद भी ताजगी महसूस नहीं होती। परिणामस्वरूप व्यक्ति दिनभर थकान, चिड़चिड़ापन, तनाव और कार्यक्षमता में कमी का अनुभव करता है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहे, तो मानसिक और शारीरिक दोनों स्तरों पर गंभीर दुष्परिणाम सामने आ सकते हैं।

साथियो, अल्पकालीन प्रभावों की बात करें तो नींद की कमी से एकाग्रता प्रभावित होती है, निर्णय लेने की क्षमता कमजोर पड़ती है, स्मरणशक्ति घटती है और कार्य में रुचि कम होने लगती है। व्यक्ति छोटी-छोटी बातों पर क्रोधित होने लगता है तथा सामाजिक और पारिवारिक संबंधों पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। विद्यार्थियों में इसका असर अध्ययन और परीक्षा परिणामों पर पड़ता है, जबकि नौकरीपेशा लोगों में कार्यक्षमता और उत्पादकता घट जाती है।

यदि यही स्थिति लंबे समय तक जारी रहे, तो इसके परिणाम और अधिक गंभीर हो सकते हैं। शोध बताते हैं कि लगातार अपर्याप्त नींद लेने वाले लोगों में उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, मधुमेह, मोटापा, स्ट्रोक, अवसाद और प्रतिरक्षा प्रणाली की कमजोरी का खतरा बढ़ जाता है। पर्याप्त नींद न लेने से शरीर में सूजन बढ़ाने वाले जैविक तत्व सक्रिय हो जाते हैं, जो अनेक दीर्घकालिक रोगों का कारण बन सकते हैं। विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि लगातार खराब नींद व्यक्ति की जीवन प्रत्याशा और जीवन की गुणवत्ता दोनों को प्रभावित कर सकती है।

साथियों, वर्तमान परिस्थितियों में एक नई समस्या ÷स्लीप डेफिसिट÷ या ÷नींद का ऋण÷ बनकर सामने आई है। अनेक लोग सप्ताह भर कम नींद लेते हैं और सप्ताहांत में अधिक सोकर उसकी भरपाई करने का प्रयास करते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह उपाय पूर्णतः प्रभावी नहीं है, क्योंकि शरीर को नियमित और गुणवत्तापूर्ण नींद की आवश्यकता होती है। नींद का लगातार जमा होता ऋण मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन और रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर कर सकता है।

साथियों, नींद केवल शरीर को आराम नहीं देती, बल्कि मस्तिष्क को भी व्यवस्थित करती है। जब हम सोते हैं, तब मस्तिष्क पूरे दिन प्राप्त सूचनाओं को व्यवस्थित करता है, यादों को मजबूत बनाता है और अनावश्यक सूचनाओं को हटाता है। यही कारण है कि पर्याप्त नींद लेने वाले लोगों की स्मरणशक्ति, रचनात्मकता और समस्या समाधान क्षमता बेहतर होती है। आधुनिक शोध यह भी दर्शाते हैं कि अच्छी नींद मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाती है तथा चिंता और अवसाद के जोखिम को कम करती है।

साथियों, विशेषज्ञों के अनुसार वयस्कों को प्रतिदिन औसतन 7 से 9 घंटे की गुणवत्तापूर्ण नींद लेना आवश्यक है। किशोरों और बच्चों के लिए यह आवश्यकता इससे अधिक हो सकती है। केवल घंटों की संख्या ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि नींद की गुणवत्ता भी उतनी ही आवश्यक है। बार-बार टूटने वाली या अशांत नींद भी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकती है।अच्छी नींद प्राप्त करने के लिए कुछ सरल उपाय अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो सकते हैं।

प्रतिदिन एक निश्चित समय पर सोने और जागने की आदत डालें। सोने से कम से कम एक घंटा पहले मोबाइल, टीवी और लैपटॉप का उपयोग बंद कर दें। रात में कैफीनयुक्त पेय पदार्थों से बचें। नियमित व्यायाम करें, परंतु सोने से ठीक पहले भारी व्यायाम न करें। शयनकक्ष को शांत, स्वच्छ और अंधकारयुक्त रखें। ध्यान, योग और मधुर संगीत भी मन को शांत कर बेहतर नींद में सहायक हो सकते हैं।

साथियों, पर्याप्त नींद लेने के लाभ अनेक हैं। इससे रक्तचाप नियंत्रित रहता है, हृदय स्वस्थ रहता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है, स्मरणशक्ति और एकाग्रता बढ़ती है, मानसिक संतुलन बना रहता है तथा व्यक्ति पूरे दिन ऊर्जावान और प्रसन्नचित्त महसूस करता है। अच्छी नींद हमारे चेहरे पर प्राकृतिक चमक और मुस्कान भी बनाए रखती है।

अतः यदि हम उपरोक्त विवरण का अध्ययन और विश्लेषण करें तो स्पष्ट होता है कि ÷नींद उड़ी तो सेहत बिगड़ी÷ केवल एक कहावत नहीं, बल्कि वैज्ञानिक सत्य है। पर्याप्त नींद हमारे शरीर और मस्तिष्क को पुनर्जीवित करने वाली प्राकृतिक औषधि है। यह हमें शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से मजबूत बनाती है। इसलिए आधुनिक जीवन की भागदौड़ में भी हमें अपनी नींद को प्राथमिकता देनी चाहिए। वास्तव में चैन की नींद ही स्वस्थ, सुखी, सफल और संतुलित जीवन की आधारशिला है।÷आओ चैन की नींद सोएं, क्योंकि पर्याप्त नींद ही स्वस्थ जीवन का सबसे सस्ता, सुरक्षित और प्रभावी टॉनिक है।÷

रचनाकार

एडव्होकेट किशन भगनानी गोंदिया

क्या सिकल सेल एनीमिया को केवल 'रोग' कहना उचित है?

चिकित्सा विज्ञान में प्रयुक्त शब्द केवल वैज्ञानिक शब्दावली नहीं होते; वे समाज के व्यवहार, सरकारी नीतियों और स्वयं व्यक्ति की आत्म-छवि को भी प्रभावित करते हैं। किसी स्वास्थ्य स्थिति को ÷रोग÷ कहना केवल चिकित्सकीय वर्गीकरण नहीं, बल्कि एक सामाजिक अर्थ भी निर्मित करता है। कई बार यही शब्द रोगग्रस्त व्यक्ति और उसके परिवार में अनावश्यक भय, असुरक्षा या स्थायी हीनभावना का कारण बन जाते हैं।

इसी संदर्भ में एक विचारोत्तेजक प्रश्न उठता है कि क्या सिकल सेल एनीमिया को केवल ÷रोग÷ कहना पर्याप्त और उचित है? पहली दृष्टि में इसका उत्तर सरल प्रतीत हो सकता है। चिकित्सा विज्ञान सिकल सेल एनीमिया को एक आनुवंशिक रक्त विकार मानता है। इस स्थिति में लाल रक्त कोशिकाओं में उपस्थित हीमोग्लोबिन सामान्य संरचना से भिन्न होता है। परिणामस्वरूप कुछ परिस्थितियों में लाल रक्त कोशिकाएँ गोल एवं लचीली रहने के स्थान पर हंसिया के आकार की हो सकती हैं।

इन परिवर्तित कोशिकाओं के कारण रक्त प्रवाह बाधित हो सकता है तथा शरीर के विभिन्न अंगों तक ऑक्सीजन की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। इससे दर्द के दौरे, थकान, रक्ताल्पता (एनीमिया), संक्रमण की बढ़ी हुई संभावना तथा कुछ मामलों में दीर्घकालिक स्वास्थ्य जटिलताएँ उत्पन्न हो सकती हैं।

लेकिन यहीं एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक तथ्य समझना आवश्यक है,वह यह कि सिकल सेल कोई संक्रामक रोग नहीं है,यह किसी जीवाणु या विषाणु से भी नहीं फैलता , न ही यह जीवनशैली, पोषण की कमी अथवा पर्यावरण प्रदूषण का प्रत्यक्ष परिणाम है। वास्तव में यह एक आनुवंशिक स्थिति है, जो माता-पिता से जीन के माध्यम से संतानों तक पहुँचती है।यही ज्ञान इस इस स्थिति से बचा भी सकता है।

यहीं से प्रश्न गहराता है कि क्या प्रत्येक आनुवंशिक परिवर्तन को रोग कहना उचित है?आधुनिक जैव-चिकित्सा विज्ञान इस प्रश्न को पहले की अपेक्षा अधिक सूक्ष्म दृष्टि से देखता है। आज स्वास्थ्य को केवल ÷सामान्य÷ और ÷असामान्य÷ के दो कठोर वर्गों में बाँटना पर्याप्त नहीं माना जाता। अनेक आनुवंशिक अवस्थाएँ ऐसी हैं जिनके साथ व्यक्ति पूर्ण, सक्रिय, शिक्षित, उत्पादक और सार्थक जीवन जी सकता है।सिकल सेल के संदर्भ में भी सभी स्थितियाँ समान नहीं होतीं। कुछ व्यक्ति केवल सिकल सेल ट्रेट के वाहक होते हैं। उनमें सामान्यतः कोई प्रमुख लक्षण दिखाई नहीं देते और वे सामान्य जीवन जीते हैं। दूसरी ओर, कुछ व्यक्तियों में सिकल सेल रोग के लक्षण गंभीर हो सकते हैं और उन्हें नियमित चिकित्सकीय देखभाल और परामर्श की आवश्यकता पड़ सकती है।

इसलिए ÷सिकल सेल÷ और ÷सिकल सेल रोग÷ को समानार्थी मान लेना वैज्ञानिक दृष्टि से भी उचित नहीं है।

इस विषय का एक महत्वपूर्ण सामाजिक पक्ष भी है,जिसे हर व्यक्ति को समझना बेहद जरूरी है। हमारे समाज में ÷रोग÷ शब्द कई बार व्यक्ति की संपूर्ण पहचान पर हावी हो जाता है, ऐसा लगता है कि मानो व्यक्ति नहीं, उसकी बीमारी ही उसका परिचय हो। आनुवंशिक स्थितियों में यह प्रभाव और गहरा हो सकता है। विवाह, रोजगार, सामाजिक स्वीकृति और मानसिक स्वास्थ्य तक पर इसका प्रभाव पड़ सकता है।

कई रोगी बताते हैं कि उन्हें शारीरिक कठिनाइयों से अधिक सामाजिक 'धारणाओं' का सामना करना पड़ता है, जैसे बार-बार दया की दृष्टि, क्षमता पर संदेह, या भविष्य को लेकर अनावश्यक निराशा। ऐसी स्थिति में भाषा केवल अभिव्यक्ति नहीं रहती; वह उपचार प्रक्रिया का भी हिस्सा बन जाती है।इसका अर्थ यह नहीं कि सिकल सेल की गंभीरता को कम करके देखा जाए। समय पर पहचान, नवजात स्क्रीनिंग, आनुवंशिक परामर्श, नियमित चिकित्सकीय देखभाल, पोषण, संक्रमण से बचाव और आधुनिक उपचार व्यवस्था अत्यंत आवश्यक हैं। परंतु उतना ही आवश्यक है कि हम विज्ञान की सटीकता और भाषा की संवेदनशीलता दोनों बनाए रखें। इसी कारण आज विश्व स्तर पर चिकित्सा लेखन में ÷रोग से पहले व्यक्ति÷ का आग्रह बढ़ रहा है। उदाहरण के लिए, ÷सिकल सेल रोगी÷ कहने के स्थान पर ÷सिकल सेल के साथ जीवन जी रहा व्यक्ति÷ या ÷सिकल सेल से प्रभावित व्यक्ति÷ जैसे शब्द अधिक सम्मानजनक और मनोवैज्ञानिक रूप से संतुलित माने जाते हैं।

अतः सिकल सेल एनीमिया को रोग कहना चिकित्सकीय रूप से गलत नहीं है, विशेषकर जब बात सिकल सेल रोग की हो। परंतु केवल इतना कहना पर्याप्त भी नहीं है। अधिक संतुलित दृष्टिकोण यह होगा कि इसे एक आनुवंशिक रक्त विकार अथवा आनुवंशिक स्वास्थ्य अवस्था के रूप में समझा जाए और व्यक्ति को उसकी जैविक स्थिति से अलग उसकी गरिमा और पहचान दी जाए।

विज्ञान का उद्देश्य केवल रोगों का वर्गीकरण नहीं, बल्कि मनुष्य को अधिक संवेदनशीलता और बेहतर समझ के साथ देखना भी है। सिकल सेल हमें यही सिखाता है कि कई बार उपचार केवल औषधियों से नहीं, बल्कि भाषा और दृष्टिकोण से भी प्रारंभ होता है।

लेखक

प्रो.मनमोहन प्रकाश

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट एवं गोंदिया से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'जगप्रेरणा' समाचार पत्र व्हाट्स अप पर भी आम जनों के लिये उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचा सकते हैं। जगप्रेरणा के मो. 9329033433 को किसी भी ग्रुप से जोड़ा जा सकता है।

अब तो बच्चे भी परिंदों की तरह

अब तो बच्चे भी परिंदों की तरह
होने लगे हैं
साथ रहते, बड़े होते और
उड़ जाने लगे हैं

अपना आशियाना परदेश में
बसाने लगे हैं
अब अपने ही घर में मेहमानों कि तरह आने
लगे हैं

खुद माता-पिता बनकर बच्चों की जिम्मेदारी
उठाने लगे हैं
और अपने माता-पिता की जिम्मेदारी को भूल
जाने लगे हैं

इस दुनियादारी से
एक सबक सीखा है..
बिना मां-बाप के सारा जीवन फीका है.!

अकील सैय्यद-सालेकसा
जि. गोंदिया 9881599572

शब्दवर्गपहेली क्र.- 198

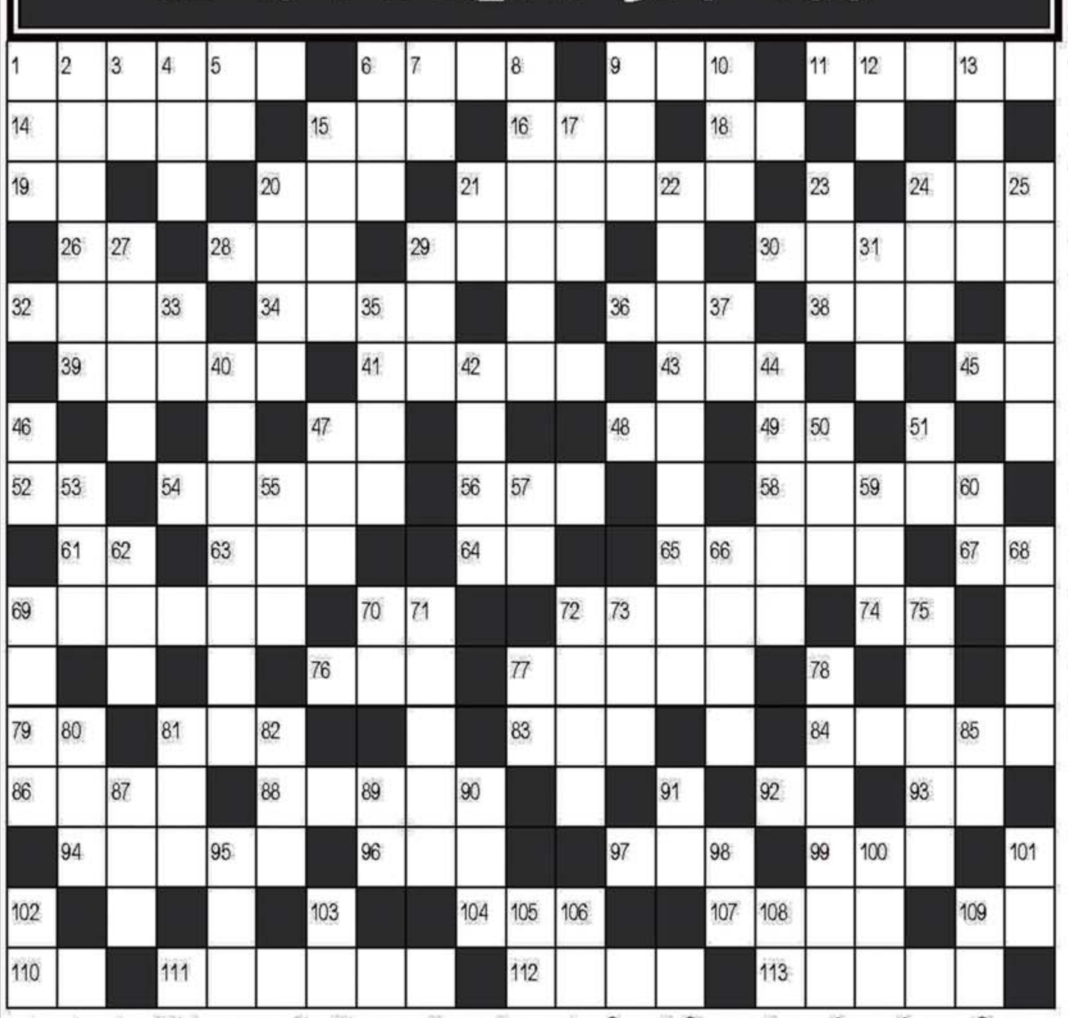

ck;s ls nk;s& 1) एक पुराने प्रसिद्ध भारतीय नर्तक 9) भारी 11) चिंतनीय 14) परामर्शदाता 15) मोची 16) एक राशि 18) एक प्राचीनकालीन वाहन 19) बंगालियोंकी एक आराध्य देवी 20) मिट्टी का घड़ा 21) दस्ताऐवजों की नकल करके देनेवाला व्यवसायी 24) किंतु 26) अभाव 28) सूर्य, धूप 29) दाल की एक किस्म 30) एक प्रसिद्ध भारतीय पॉप व रैप गीत गायक 32) पर स्त्री 34) टंगना 36) उत्तर प्रदेश का एक प्रसिद्ध ऐतिहासिक शहर 38) लक्ष्मी 39) असफलता 41) व्ही. शांतारामजी इस बॅनरतले अपने फिल्मोंका निर्माण करते थे 43) एक उड़नेवाला सुंदर कीडा 45) नखरा, दूसरों को आकर्षित करने के लिए किया जानेवाला हावभाव 47) बता, बोल 48) उज्जैन से बहनेवाली एक नदी 49) तिब्बतियों के गुरु की उपाधि 52) प्रार्थना 54) थरथर कांपना 56) स्वेद कण 58) वन प्रयाण 61) एक आंख से देखनेवाला 63) बुद्धि 64) रिश्ता 65) तुलसीदासजीद्वारा रचित एक काव्यग्रंथ 67) सिर 69) विकट स्थिती देख सिर में चक्कर आना या परेशान होना 70) कार्य 72) प्रभावी 74) गायद्वारा खायी जानेवाली घास 76) जंगल 77) हैदराबाद की एक दर्शनीय इमारत 79) शीश 81) 'यत्न' का अपभ्रंश रुप 83) रोगी 84) अच्छा मौका 86) छुईमुई 88) गणित की एक किस्म 92) जो नजदीक न हो 93) एक मादक पदार्थ 94) खींचतान 96) कठोर पीड़ा 97) महात्मा गांधीजी के अंतिम शब्द 99) विपक्षी, दुष्मन 104) सूअर, श्रीविष्णुजी का एक अवतार 107) द्वार 109) नयन 110) लाश 111) गुजरात राज्य का एक प्रमुख शहर 112) जालीवाला 113) किसी फिल्म या नाटक में मुख्य नायक का साथी

Åij ls uhps& 1) उनका का एकवचन 2) लेनदेन में मध्यस्थता करनेवाला 3) 'वह' का विरुद्धार्थी शब्द 4) शक करनेवाला 5) हाथ 6) भारी वस्तु गिरने का शब्द 7) भय 8) कृतघ्न 9) बल्कि 10) फीका 12) घर का बेजान चौकीदार 13) व्ही. शांतारामद्वारा निर्देशित और संध्या व महिपालद्वारा अभिनीत इस पुरानी फिल्म का 'अरे जारे हट नटखट.....यह गीत प्रसिद्ध है 15) तुरन्त 17) रंग (अंग्रेजी) 20) स्वार्थी 21) पुरुष 22) युद्ध में वीरतापूर्वक मृत्यु होना अर्थवाला एक मुहावरा 23) चुकता किया हुआ (ऋण) 24) पहले क्रम का, प्रथम 25) रामचरित मानस के रचयिता 27) सोने चांदी के बर्तनों पर किया जानेवाला रंगीन काम 29) धान्य, गल्ला 31) वक्त 33) कागज की पांचसौ तावों की गड्डी 35) पीड़ा से शब्द निकलना 37) रात्रि 40) फिलिस्तीन मुक्तिसेना के यह प्रमुख नेता थे 42) विलाप करना 44) भगवान विष्णुद्वारा लीला करने हेतु लिया गया अवतार 46) कृष्ण का वंश 47) भयंकर 50) मनुष्य 51) राजा दशरथ के एक पुत्र 53) रुप, आकृति 55) श्रांत होना 57) श्रीराम पत्नी, जानकी 59) कालीन60) रग 62) नृत्य करना 66) फाड़नेवाला 68) सार्वजनिक छुट्टी का दिन 69) क्रम, अमिताभ बच्चन, जया बच्चन, और रेखा इस फिल्म में पहलीबार एकसाथ दिखे 70) श्रवणेंद्रिय 71) मौखिक गणित 72) लालसा, चाह 73) हवा 75) हमारे एक दिवंगत प्रधानमंत्री 77) कुंजी 78) प्राचीन कालीन आठ विवाहों में से एक 80) धोबी 81) अनाथ 82) राजा 85) दंड 87) वंश के लोग, वंश की संतति 89) बिहार में स्थित एक प्रसिद्ध तीर्थस्थल 90) तनातनी 91) एक दर्जन 95) झगड़ा, वाद 98) गन्धयुक्त द्रव जो मस्त हाथी की कनपटियों से बहता है 100) प्रतिदिन 101) दोस्त, यार 102) रामपुत्र लव का भाई 103) पिता के पिता 105) नृप 106) भूमि जोतने का यंत्र, समाधान 108) फलों से निकलनेवाला द्रव 109) भला, सज्जन (जवाब अगले अंक में)

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

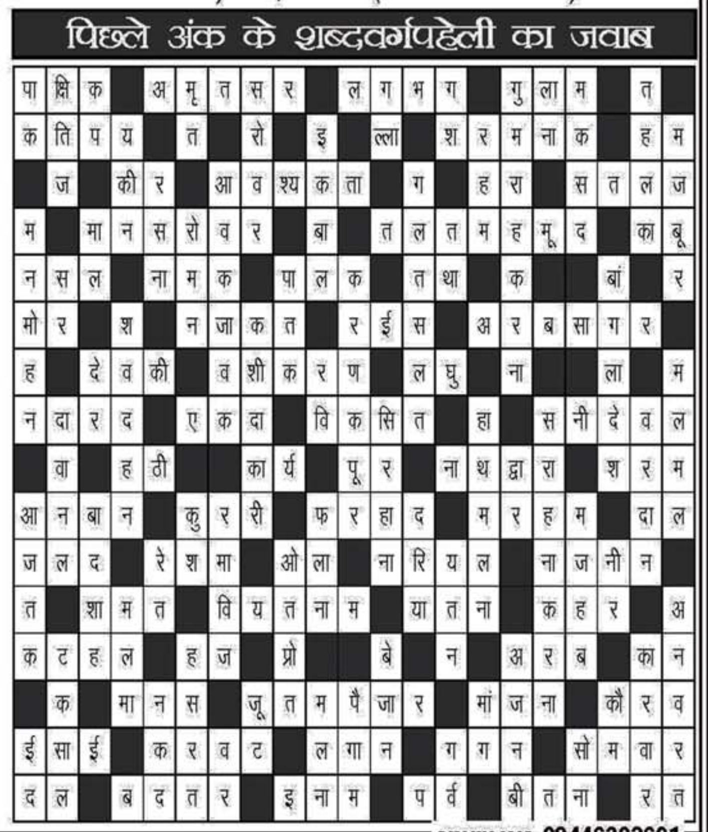

anumeya-08446302691

कठोर..

कठोर
शब्दों का दौर नहीं,
लफ़्ज़ों पर ज़ोर सही।
रुक-रुक चल रही है ज़िंदगी मेरी,
पर अब लगता है,
मासूमियत का दौर नहीं।
हर चेहरे पर मुखौटे हैं,
हर रिश्ते में शर्तें हैं,
सच बोलने वालों के
हिस्से अक्सर मुश्किलें हैं।
फिर भी हौसला कायम है,
इरादे कमजोर नहीं,
क्योंकि संघर्ष की राह में
हार मानना मंजूर नहीं

शैलेश दिवेवार नागरा
(9764143751)

जग प्रेरणा
व्यापार समाचार
● शेयर बाजार ● इलेक्ट्रॉनिक्स ● कपड़ा ● किराना ● लोहा ● सिमेंट ● सराफा ● आटोमोबाईल्स

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

पूर्वोत्तर राज्यों में विदेशी सहायता-प्राप्त परियोजनाओं के कोष में सात गुना बढ़ोतरीः सीतारमण..

शिलांग, (भाषा)।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि विदेशी सहायता-प्राप्त परियोजनाओं (ईएपी) को केवल वित्तपोषण के साधन के रूप में नहीं, बल्कि पूर्वोत्तर के उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने, आजीविका को

सशक्त बनाने और भौगोलिक चुनौतियों को आर्थिक वृद्धि के अवसरों में बदलने के माध्यम के तौर पर देखना चाहिए। सीतारमण ने यहां 'पूर्वोत्तर राज्यों में विदेशी सहायता-प्राप्त परियोजनाओं का लाभ उठाने' विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में पूर्वोत्तर क्षेत्र में ईएपी के तहत मिलने वाली सहायता में सात गुना बढ़ोतरी हुई है।

वित्त मंत्री ने कहा, ''वर्ष 2004 से 2014 के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र को लगभग 9,000 करोड़ रुपये की सहायता मिली थी, जो 2014 से 2026 के बीच बढ़कर लगभग 76,000 करोड़ रुपये हो गई है।''

उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के किसान, शिल्पकार और युवा लंबे समय से बाजार तक पहुंच बनाने में मुश्किलों का सामना करते रहे हैं। इसे ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने क्षेत्र के विकास के लिए आधारभूत ढांचे और संपर्क सुविधा को अपनी प्राथमिकता बनाया है।

उन्होंने कहा, ''2014 के बाद से पूर्वोत्तर क्षेत्र में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 10,000 किलोमीटर से अधिक लंबी सड़कों का निर्माण किया गया है। इसके अलावा 5,000 किलोमीटर राजमार्गों का निर्माण कार्य अभी जारी है।''

सीतारमण ने कहा कि ईएपी केवल वित्तीय संसाधन ही नहीं लातीं, बल्कि परियोजना निर्माण, खरीद प्रक्रिया, पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों और सामुदायिक भागीदारी से जुड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर की श्रेष्ठ कार्यप्रणालियां भी उपलब्ध कराती हैं।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्वोत्तर क्षेत्र का 75 से अधिक बार दौरा किया है, जबकि केंद्रीय मंत्रियों ने 700 से अधिक यात्राएं की हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी पूर्वोत्तर राज्य को सहायता प्राप्त करने के लिए दिल्ली आने की जरूरत नहीं होनी चाहिए।

सीतारमण के री-भोई जिले में एक जैविक मसाला प्रसंस्करण संयंत्र के दौरे का उल्लेख करते हुए कहा, ''मैंने उस प्रकार के हस्तक्षेप को देखा जिसकी पूर्वोत्तर क्षेत्र को अधिक जरूरत है। स्थानीय उत्पादों का स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण हो रहा है, किसानों को बेहतर मूल्य मिल रहा है और पारंपरिक क्षमताओं को आधुनिक बाजारों से जोड़ा जा रहा है।'' मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के. संगमा ने जैविक मसाला प्रसंस्करण संयंत्र को किसानों के नेतृत्व में मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने वाली महत्वपूर्ण पहल बताया।

रुपया सात पैसे की बढ़त के साथ 94.33 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई, (भाषा)।

रुपया शुक्रवार को शुरुआती तेज बढ़त को गंवाते हुए अंत में सात पैसे मजबूत होकर 94.33 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। डॉलर सूचकांक में मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपया शुरुआत में सकारात्मक रुख के साथ खुला था। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता में तेजी आने की उम्मीद के बीच घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। हालांकि, अमेरिकी-ईरान शांति समझौते को लेकर अनिश्चितता के बीच बाजार धारणा प्रभावित हुई।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.30 पर खुला। कारोबार के दौरान 94.20 से 94.52 प्रति डॉलर के दायरे में रहा। अंत में यह 94.33 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की बढ़त है।

रुपया बृहस्पतिवार को 10 पैसे मजबूत होकर 94.40 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसंधान विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा, '' रुपया एशिया के अन्य प्रमुख देशों की मुद्राओं के बीच बेहतर बना हुआ है। इसे पूंजी प्रवाह में तेजी एवं कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से बल मिला है। जोखिम-उन्मुख धारणा के फिर से हावी होने के साथ, हमारा मानना है कि डॉलर प्रवाह के आधार पर स्थानीय रुपया 94 के स्तर की ओर बढ़ेगा। डॉलर के मुकाबले रुपये का हाजिर भाव 94.90 से 94.10 के बीच रह सकता है।''

इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 100.76 पर रहा। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स 607.08 अंक की गिरावट के साथ 76,802.90 अंक पर जबकि निफ्टी 154.90 अंक टूटकर 24,013.10 अंक पर बंद हुआ।

अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.65 प्रतिशत की गिरावट के साथ 79.33 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहा।

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बाजार में शुद्ध लिवाल रहे और उन्होंने शुक्रवार को 4,859.07 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

गौरतलब है कि भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बृहस्पतिवार को कहा कि व्यापार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच चर्चा का एक प्रमुख विषय रहा। दोनों नेताओं ने अपने-अपने वार्ताकारों को प्रस्तावित व्यापार समझौते को यथाशीघ्र अंतिम रूप देने का निर्देश दिया है।

वहीं अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने स्विट्जरलैंड की अपनी यात्रा स्थगित कर दी है। वहां उनकी ईरानी वार्ताकारों के साथ बातचीत होनी थी। इसके लिए 'लॉजिस्टिक समस्याओं' का हवाला दिया गया है।

जियो प्लेटफॉर्म्स ने आईपीओ का मसौदा दस्तावेज दाखिल किया, चार अरब डॉलर जुटाने की योजना

मुंबई, (भाषा)।

रिलायंस इंडस्ट्रीज की डिजिटल सेवा इकाई जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए शुक्रवार को मसौदा दस्तावेज दाखिल किया। इस निर्गम के जरिए कंपनी करीब

चार अरब डॉलर (लगभग 37,700 करोड़ रुपये) जुटाने की योजना बना रही है जिससे इसका मूल्यांकन लगभग 137 अरब डॉलर आंका गया है। बाजार नियामक सेबी के समक्ष दाखिल मसौदा दस्तावेज के मुताबिक, कंपनी 10 रुपये अंकित मूल्य वाले अधिकतम 27 करोड़ नए शेयर जारी करेगी, जो निर्गम के बाद की चुकता इक्विटी पूंजी का लगभग 2.9 प्रतिशत होगा।

यह पेशकश रिलायंस इंडस्ट्रीज के लिए एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है, क्योंकि समूह अपने इस दूरसंचार एवं प्रौद्योगिकी कारोबार से मूल्य सृजन करना चाहता है। कंपनी के लिए यह कारोबार 2016 में शुरुआत के बाद से ही वृद्धि का प्रमुख इंजन बना हुआ है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में कहा कि जियो प्लेटफॉर्म्स की शेयर बाजार में प्रस्तावित सूचीबद्धता यह दर्शाएगी कि भारत वैश्विक स्तर की प्रौद्योगिकी कंपनियां विकसित करने में सक्षम है।

जियो प्लेटफॉर्म्स के कारोबार में दूरसंचार, डिजिटल सेवाएं, उद्यम समाधान और उभरती प्रौद्योगिकी पहल शामिल हैं। इसकी दूरसंचार इकाई रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड (आरजेआईएल) देश में सबसे बड़ी मोबाइल सेवा प्रदाताओं में से एक है।

इस आईपीओ को निवेशकों का साथ मिलने की स्थिति में यह भारत का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ बन सकता है। इससे पहले 2024 में हुंदै मोटर इंडिया का 27,870 करोड़ रुपये का आईपीओ आया था।

देश के सबसे बड़े शेयर बाजार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने भी हाल में सेबी के समक्ष 3.3 अरब डॉलर के आईपीओ की मंजूरी के लिए मसौदा दस्तावेज दाखिल किया है।

कंपनी ने बताया कि निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग मुख्य रूप से उसकी दूरसंचार इकाई के कर्ज के आंशिक या पूर्ण भुगतान और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। मार्च 2026 तक कंपनी पर कुल 71,529 करोड़ रुपये का बकाया कर्ज था।

सूत्रों ने बताया कि आईपीओ से जुटाई जाने वाली राशि में से करीब 27,500 करोड़ रुपये का उपयोग आरजेआईएल के कर्ज चुकाने या पूर्व-भुगतान के लिए किया जाएगा।

जियो प्लेटफॉर्म्स ने पहले भी वैश्विक प्रौद्योगिकी एवं निजी इक्विटी निवेशकों से बड़ी रकम जुटाई है। वर्ष 2020 में कंपनी ने फेसबुक की मूल कंपनी मेटा से 9.99 प्रतिशत हिस्सेदारी के बदले 43,574 करोड़ रुपये और गूगल से 7.73 प्रतिशत हिस्सेदारी के बदले 33,737 करोड़ रुपये जुटाए थे।

वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का राजस्व 1.47 लाख करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ लगभग 30,000 करोड़ रुपये रहा। इसी अवधि में इसके ग्राहकों की संख्या 52.44 करोड़ रही, जिनमें से 26.85 करोड़ उपयोगकर्ता 5जी नेटवर्क से जुड़े हैं।

कंपनी ने अपनी भविष्य की रणनीति के तहत 2030 तक पूरे ग्राहक आधार को 5जी नेटवर्क पर स्थानांतरित करने, ब्रॉडबैंड सेवाओं का विस्तार करने और कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित सेवाओं को बढ़ाने की योजना बनाई है।

यह निर्गम रिलायंस समूह का लगभग दो दशकों में पहला सार्वजनिक निर्गम होगा और इसे कंपनी के लिए महत्वपूर्ण मूल्य सृजन की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

ऊर्जा क्षेत्र में 'दीर्घकालिक तेजी का दौर', रिलायंस की बड़े निवेश की रणनीतिः अंबानी

मुंबई, (भाषा)।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने शुक्रवार को कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में 'दीर्घकालिक तेजी का दौर' देखते हुए कंपनी देश की आयातित ऊर्जा पर निर्भरता घटाने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा, रसायन, उन्नत सामग्री और वैकल्पिक ईंधनों में निवेश बढ़ा रही है।

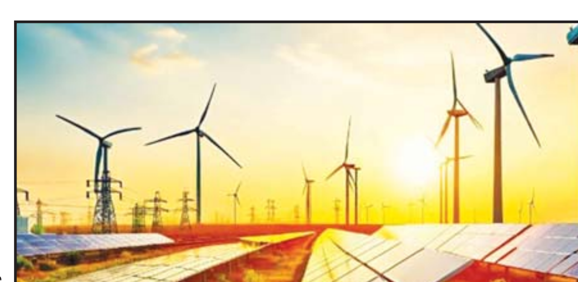

अंबानी ने कंपनी की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) को संबोधित करते हुए कहा कि रिलायंस सौर ऊर्जा, बैटरी, पवन ऊर्जा, हाइड्रोजन, कॉम्प्रेस्ड बायोगैस (सीबीडी), जैव-ऊर्जा और भूमिगत कोयला गैसीकरण (यूसीजी) को शामिल करते हुए एक एकीकृत ऊर्जा रणनीति पर काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के 70 प्रतिशत से अधिक हिस्से को आयात से पूरा करता है, जिससे देश भू-राजनीतिक अस्थिरता एवं कीमतों में उतार-चढ़ाव के प्रति संवेदनशील हो जाता है।

अंबानी ने कहा, ÷यह स्थिति दीर्घावधि में टिकाऊ नहीं है। हमारा लक्ष्य है कि भारत अपनी लगभग पूरी ऊर्जा जरूरतों का उत्पादन स्वयं करे, वह भी किफायती एवं पर्यावरण के अनुकूल तरीके से।÷ उन्होंने कहा कि रिलायंस का बीपी के साथ संयुक्त उद्यम वर्तमान में देश के घरेलू गैस उत्पादन का लगभग 30 प्रतिशत उपलब्ध करा रहा है। रिलायंस ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अन्वेषण और उत्पादन में निवेश जारी रखेगी।

रिलायंस के जामनगर स्थित दुनिया के सबसे बड़े रिफाइनरी परिसर में वैश्विक कच्चे तेल बाजार में उतार-चढ़ाव और आपूर्ति बाधाओं के बावजूद लगभग पूर्ण क्षमता के साथ संचालन जारी रहा। इस दौरान घरेलू एलपीजी आपूर्ति भी बढ़ाई गई।

रिलायंस समूह उच्च मूल्य वाले रसायन उत्पादन का भी विस्तार कर रहा है। गुजरात के दहेज में 30 लाख टन पीटीए संयंत्र, हजीरा में कार्बन फाइबर संयंत्र और नागोठाणे में 12 लाख टन पीवीसी संयंत्र जैसी परियोजनाएं विकसित की जा रही हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के कार्यकारी निदेशक अनंत अंबानी ने कहा कि कंपनी रिफाइनिंग परिचालन में स्वचालन और कृत्रिम मेधा (एआई) के उपयोग को भी बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि जामनगर को दुनिया की पहली पूरी तरह स्वचालित रिफाइनरी में बदलने का लक्ष्य है।

रिलायंस के भविष्य में होने वाले निवेश का सबसे बड़ा हिस्सा स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में होगा। जामनगर स्थित धीरूभाई अंबानी ग्रीन एनर्जी गीगा कॉम्प्लेक्स में सौर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल का उत्पादन शुरू हो चुका है और कंपनी 20 गीगावाट वार्षिक क्षमता का लक्ष्य रख रही है।

बैटरी विनिर्माण के तहत 40 गीगावाट-घंटा क्षमता का पहला चरण इस वर्ष चालू होने की उम्मीद है, जिसे आगे बढ़ाकर 120 गीगावाट-घंटा किया जाएगा।

कच्छ क्षेत्र में 5.5 लाख एकड़ में विकसित हो रहा नवीकरणीय ऊर्जा केंद्र के पूरी तरह चालू होने पर सालाना 40 अरब यूनिट से अधिक बिजली पैदा होगी, जो देश की वर्तमान खपत का लगभग तीन प्रतिशत है।

रिलायंस हरित हाइड्रोजन और हरित रसायन परियोजनाओं को भी आगे बढ़ा रही है। कंपनी ने हरित अमोनिया के लिए सैमसंग सीएंडटी के साथ तीन अरब डॉलर का दीर्घकालिक आपूर्ति समझौता किया है और जापान, दक्षिण कोरिया एवं यूरोप में खरीदारों से बातचीत चल रही है।

कंपनी को स्वच्छ ऊर्जा में निवेश से समय के साथ करीब दो लाख रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।

ग्राहकों की शिकायतों और नियमों के उल्लंघन पर बीकानेरवाला, मैरिको और परम डेयरी को नोटिस

नई दिल्ली, (भाषा)।

खाद्य नियामक, एफएसएसएआई ने बीकानेरवाला, मैरिको लिमिटेड और परम डेयरी समेत खाद्य पदार्थों के कारोबार से जुड़ी कंपनियों को नोटिस जारी किए हैं। ये नोटिस उत्पादों के बारे में कथित भ्रामक दावों, लेबलिंग नियमों के उल्लंघन और ग्राहकों की शिकायतों के कारण जारी किए गए हैं।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकार (एफएसएसएआई) एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उसने कई खाद्य व्यवसाय परिचालकों (एफबीओ) को नोटिस जारी किए हैं। इन पर एफएसएस कानून, 2006 के प्रावधानों का उल्लंघन करने का आरोप है, जिसमें भ्रामक ब्रांड नाम, ट्रेड नाम, उत्पाद के दावे, लेबलिंग नियमों का उल्लंघन और ग्राहकों की अन्य शिकायतें शामिल हैं।

कंपनियों को सुधारात्मक कदम उठाने का निर्देश दिया गया है। एफएसएसएआई ने बीकानेरवाला को एक ग्राहक की शिकायत पर नोटिस जारी किया है, जिसमें ''फूड सर्विस क्षेत्र या रसोई परिसर में स्वच्छता संबंधी कथित चिंताएं'' बताई गई थीं। प्राधिकार ने बताया कि सोशल मीडिया के जरिए बीकानेरवाला के खिलाफएक शिकायत मिली थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि काम के घंटों के दौरान प्रतिष्ठान के सर्विस या रसोईक्षेत्र में एक कर्मचारी खाना खा रहा था।

इससे परिसर में स्वच्छता और साफ-सफाई के तरीकों को लेकर चिंताएं पैदा होती हैं। एफएसएसएआई ने बीकानेरवाला को कार्रवाई (एटीआर) देने का भी निर्देश दिया है, जिसमें आरोप सही पाए जाने पर संबंधित कर्मचारियों के खिलाफकी गई कार्रवाई की जानकारी हो। कंपनी को खाद्य सुरक्षा कानून के अनुसार स्वच्छता और साफ-सफाई की जरूरतों का पालन सुनिश्चित करना चाहिए। इसके अलावा, एफएसएसएआई ने परम डेयरी को भी एक ग्राहक की शिकायत पर नोटिस जारी किया है। शिकायत में आईआरसीटीसी कैटरिंग सेवाओं के जरिए आपूर्ति किए गए 'दही' और 'रबड़ी' में फांस होने का आरोप लगाया गया था। परम डेयरी से आपूर्ति किए गए उत्पाद और उस खाद्य व्यवसाय परिचालकों की जानकारी मांगी गई है जिससे उत्पाद खरीदा गया था।

इस शिकायत के बाद सुधारात्मक कदम उठाते हुए कार्रवाई रिपोर्ट जमा करने का निर्देश भी दिया गया है। इसके अलावा, एफएसएसएआई ने मैरिको लिमिटेड को उसके उत्पाद 'सैफोला टोटल हार्ट प्रो-मल्टी सोर्स कुकिंग ऑयल' के लिए नोटिस जारी किया है।

एफएसएसएआई ने कहा कि पैक के सामने की तरफकिए गए दावे जैसे 'गुड फैट्स बैलेंस' और 'कम तेल सोखने के लिए लोसॉर्ब' को वैज्ञानिक रूप से साबित करने की जरूरत है।

इसके अलावा, प्राधिकार ने फेरेरो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को भी नोटिस जारी किया है, जिसके उत्पाद 'किंडर जॉय' के पैक के सामने 'रिच इन मिल्क सॉलिड्स' (दूध के ठोस पदार्थों से भरपूर) का दावा किया गया है। प्राधिकरण ने कहा कि यह दावा भ्रामक लगता है।

अन्य एफबीओ (खाद्य व्यवसाय परिचालकों) में मेडिजेन लैब्स, मास्टरचाउ फूड्स, रॉ प्रेसरी, नेक्सा इंडस्ट्रीज और ऑरविले शामिल हैं। कुछ अन्य ब्रांड जिन्हें नोटिस मिले हैं, वे नेचुरल पनीर, गौर हेल्दी फूड- सिल्कन टोफू प्लक मैंगो फ्रूट जूस, कोरियन जिनसेंग और इनसिप्रो गोल्ड पाउडर वनीला हैं।

सेबी ने एआईएफयोजना पेश करने की प्रक्रिया तेज करने के लिए 'गरुड़' प्रणाली को मंजूरी दी

मुंबई, (भाषा)।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शुक्रवार को वैकल्पिक निवेश कोषों (एआईएफ) के लिए नई योजनाएं शुरू करने की प्रक्रिया को तेज करने के उद्देश्य से 'गरुड़' नामक प्रणाली को मंजूरी दे दी। 'गरुड़' (ग्रीन-चैनलः एआईएफ रोलआउट अपॉन डॉक्यूमेंट एक्नॉलेजमेंट) के तहत अब एआईएफ अपने नियोजन ज्ञापन (पीपीएम) दाखिल करने के 10 कार्यदिवस के भीतर नई योजनाओं के लिए धन जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर सकेंगे, जबकि वर्तमान में इसके लिए 30 दिन तक प्रतीक्षा करनी पड़ती है।

सेबी ने निदेशक मंडल की बैठक के बाद जारी बयान में कहा कि इस व्यवस्था को सेबी (वैकल्पिक निवेश कोष) विनियमन, 2012 में संशोधन के माध्यम से मंजूरी दी गई है। नए प्रावधान के अनुसार गैर-मान्यता प्राप्त निवेशक योजनाओं के लिए नई योजनाएं शुरू करने की समयसीमा घटाकर 10 कार्यदिवस कर दी गई है। हालांकि, बड़े मूल्य कोष (एलवीएफ), केवल मान्यता प्राप्त निवेशक वाली योजनाएं और एंजेल कोष इस श्रेणी में शामिल नहीं होंगे।

सेबी का मानना है कि एआईएफउद्योग के तेज विस्तार और योजनाओं से जुड़े दस्तावेजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए यह कदम पूंजी के अधिक तेज और दक्ष उपयोग में सहायक होगा।

आंकड़ों के अनुसार, 31 मार्च, 2026 तक पंजीकृत एआईएफकी संख्या बढ़कर 1,849 हो गई, जो पांच वर्ष पहले 732 थी। इस दौरान लगभग 135 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, एआईएफ द्वारा जुटाई गई कुल प्रतिबद्ध पूंजी 15.74 लाख करोड़ रुपये रही, जबकि 31 दिसंबर, 2025 तक कुल शुद्ध निवेश 6.45 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया।

इसके अलावा, केवल मान्यता प्राप्त निवेशक और एंजेल कोषों के लिए सेबी ने नियोजन ज्ञापन को मर्चेंट बैंकर के माध्यम से दाखिल करने की अनिवार्यता समाप्त कर दी है। अब कोष प्रबंधक सीधे सेबी के पास पीपीएम दाखिल कर सकेंगे, बशर्ते इसके साथ एआईएफ प्रबंधक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और अनुपालन अधिकारी का एक आश्वासन पत्र संलग्न हो।

इन योजनाओं को पीपीएम दाखिल होते ही बिना किसी समीक्षा अवधि के तत्काल प्रभाव से शुरू करने की अनुमति होगी। मान्यता प्राप्त निवेशक वे होते हैं, जो निर्धारित आय या शुद्ध संपत्ति मानदंडों को पूरा करते हैं और जटिल निवेश उत्पादों के जोखिमों को समझने में सक्षम माने जाते हैं। इसके साथ ही सेबी के निदेशक मंडल ने सोशल स्टॉक एक्सचेंज (एसएसई) के लिए क्षमता निर्माण कोष (सीबीएफ) के प्रबंधन और शेष राशि को राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) से हटाकर नवगठित 'सोशल स्टॉक एक्सचेंज-कैपेसिटी बिल्डिंग फाउंडेशन' (एसएसई-सीबीएफ) को सौंपने को मंजूरी दी।

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा
लांजी किरनापुर हट्टा
● भानेगांव ● मोहझरी ● बोलेगांव ● रिसेवाड़ा ● बहेला ● साडरा ● हिर्री ● रजेगांव

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

सिकल सेल रोग से घबराएं नहीं, जागरूकता ही है बचाव

भानेगांव में स्वास्थ एवं परामर्श शिविर संपन्न..

जगप्रेरणा लांजी।

विश्व सिकल सेल एनीमिया जागरूकता दिवस के अवसर पर ग्रामीण क्षेत्रों में आनुवंशिक रक्त विकारों के प्रति जन-चेतना जगाने और आयुर्वेद के माध्यम से मरीजों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य अंतर्गत जिला आयुष अधिकारी डॉ. जितेंद्र कुमार पंद्रे के मार्गदर्शन व सभापति महिला बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग रेवाजी कराहटकर की गरिमामयी उपस्थिति में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भानेगांव में विशेष स्वास्थ्य एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया।

रोग से घबराएं नहीं, जागरूकता ही बचाव है - रेवाजी कराहटकर

शिविर को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि रेवाजी कराहटकर ने ग्रामवासियों से अपील की कि सिकल सेल एनीमिया रोग से घबराएं नहीं, यह एक आनुवंशिक (वंशानुगत) रोग है। उन्होंने कहा कि समय पर जांच कराकर और डॉक्टरों की सलाह मानकर इस बीमारी के साथ भी बेहतर जीवन जिया जा सकता है। उन्होंने आयुष विभाग द्वारा ग्रामीण अंचलों में चलाए जा रहे इस जागरूकता अभियान की सराहना की और नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में इसका लाभ उठाने का आग्रह किया।

जागरूकता और सही प्रबंधन से बीमारी पर नियंत्रण संभव..

डॉ. प्रशांत पाटिल ने सिकल सेल एनीमिया रोग की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि सिकल सेल एनीमिया एक गंभीर वंशानुगत रक्त विकार है। इसमें शरीर की लाल रक्त कोशिकाएं **(RBCs)** सामान्य गोल आकार की न होकर हंसिया (सिकल) के आकार की हो जाती हैं, जिससे शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह ठीक से नहीं हो पाता।

डॉ. पाटिल ने जोर देकर कहा कि इस बीमारी से घबराने की आवश्यकता नहीं है, सही समय पर जांच, उचित खान-पान, नियमित दिनचर्या और विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा सुझाई गई पद्धतियों के जरिए इस रोग का प्रभावी प्रबंधन कर मरीज एक सामान्य और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

मरीजों को हुआ आयुर्वेद औषधियों का नि:शुल्क वितरण..

शिविर के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भानेगांव पहुंचे ग्रामीण क्षेत्र के सिकल सेल प्रभावित मरीजों, वाहकों और अन्य नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। मरीजों को इस आनुवंशिक बीमारी के कुप्रभावों, जैसे-अत्यधिक थकान, खून की कमी और जोड़ों के असहनीय दर्द को नियंत्रित करने के लिए रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली आयुर्वेद औषधियों का नि:शुल्क वितरण किया गया।

इस वृहद आयोजन को सफल बनाने में आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रशांत पाटिल, सामुदायिक आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉ विशाल कुर्मेती, सीएचओ डॉ सुशील गेडाम, पैरामेडिकल स्टॉफसे श्रीमती दिव्या बावनकर, श्रीमती पूनम यादव, श्रीमती प्रिया जामरे, श्रीमती त्रिवेणी कटरे, शिरीष श्रीवास्तव, श्रीमती ममता समरीत, श्रीमती सुनीता धामने, श्रीमती रीना बारमाटे, शिव गणेश ढोरे, श्रीमती ऊषा लाड़े, गजेन्द्र भागड़कर की सक्रिय सहभागिता रही।

किसानों को बारिश का इंतजार, मानसून की देरी से खेती किसानी प्रभावित..

बड़े खाद की किमतों ने बढ़ाई चिंता..

जगप्रेरणा लांजी।

क्षेत्र का किसान इन दिनों आसमान की ओर उम्मीद भरी निगाहों से देख रहा है। खरीफ फसलों की तैयारी में जुटे किसानों को अब प्री-मानसून और मानसून की पहली बारिश का बेसब्री से इंतजार है।

लांजी क्षेत्र के अधिकांश किसान आज भी वर्षा आधारित खेती पर निर्भर हैं। सीमित सिंचाई सुविधाओं और संसाधनों के अभाव में कृषि कार्यों की सफलता काफी हद तक समय पर होने वाली बारिश पर निर्भर रहती है।

किसानों ने खेतों की जुताई, मेड़ों की मरम्मत तथा अन्य प्रारंभिक तैयारियां शुरू कर दी हैं, लेकिन पर्याप्त वर्षा नहीं होने के कारण बुवाई कार्य आरंभ नहीं हो पा रहा है। किसानों का कहना है कि यदि समय पर प्री-मानसून की बारिश हो जाती है तो खेतों में नमी आएगी और वे धान, सोयाबीन, मक्का तथा अन्य खरीफ फसलों की बुवाई शुरू कर सकेंगे। क्षेत्र के किसान बताते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में मौसम के बदलते मिजाज ने खेती को और अधिक चुनौतीपूर्ण बना दिया है। कभी अल्प वर्षा तो कभी अतिवृष्टि के कारण उत्पादन प्रभावित होता है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल असर पड़ता है। ऐसे में इस वर्ष किसान अच्छी और नियमित वर्षा की उम्मीद लगाए हुए हैं। इधर खेती की लागत में लगातार हो रही वृद्धि ने किसानों की चिंताओं को और बढ़ा दिया है। किसानों का कहना है कि उर्वरकों, बीज, डीजल एवं कृषि उपकरणों के खर्च पहले से ही बढ़ चुके हैं। वहीं यूरिया एवं डीएपी खाद की बढ़ी कीमतों के कारण उन्हें अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है। किसानों के अनुसार खेती से होने वाली आय की तुलना में लागत तेजी से बढ़ रही है, जिससे लाभ कम होता जा रहा है।

किसानों का कहना है कि सरकार को कृषि लागत कम करने और उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। साथ ही समय पर पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की जानी चाहिए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

वर्तमान परिस्थितियों में लांजी क्षेत्र का किसान एक ओर समय पर प्री-मानसून और अच्छी वर्षा की प्रतीक्षा कर रहा है, वहीं दूसरी ओर बढ़ती कृषि लागत और खाद की कीमतों को लेकर चिंतित भी है। किसानों को उम्मीद है कि इस वर्ष मौसम अनुकूल रहेगा और उन्हें उनकी मेहनत का बेहतर प्रतिफल प्राप्त होगा।

शराबियों को खाली बोतल फेंकने में नहीं आती शर्म, जागरूक विद्यार्थियों ने सड़क से हटाए बोतलों के कांच

जगप्रेरणा लांजी।

क्षेत्र में बढ़ती नशाखोरी और शराब के अवैध रूप से गांव-गांव तक पहुंचने की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। शराब ठेकेदारों द्वारा गांवों तक शराब की आपूर्ति किए जाने के कारण युवाओं को शराब दुकानों तक जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी शराब सेवन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। शाम होते ही कई युवक गांवों से दूर नहरों की पुलिया एवं सुनसान स्थानों पर बैठकर शराब का सेवन करते हैं। इसके बाद शराब की खाली बोतलों को सड़क पर फोड़ दिया जाता है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

टूटी हुई कांच की बोतलों के कारण कई बार मोटरसाइकिल एवं अन्य बड़े वाहनों के टायर पंचर हो जाते हैं, वहीं दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। इसी प्रकार का एक मामला 19 जून को सुबह दहेगांव-देवलगांव मार्ग पर सामने आया, जहां कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा शराब की बोतलें सड़क पर फोड़कर कांच बिखेर दिए गए थे। इसी दौरान आठवीं कक्षा में अध्ययनरत कुछ छात्र-छात्राएं अपने ट्यूशन से घर लौट रहे थे। बच्चों की नजर सड़क पर फैले कांच के टुकड़ों पर पड़ी तो उन्होंने जिम्मेदारी और जागरूकता का परिचय देते हुए तत्काल पहल की। सबसे पहले बच्चों ने सड़क किनारे लगे पेड़ों की टहनियां तोड़कर मार्ग पर रखीं, ताकि आने-जाने वाले वाहन चालकों को खतरे की सूचना मिल सके और कोई दुर्घटना न हो। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने स्वयं सड़क पर बिखरे कांच के टुकड़ों को सावधानी पूर्वक हटाकर सड़क किनारे किया तथा मार्ग को सुरक्षित बनाया। बच्चों के इस सराहनीय कार्य से न केवल संभावित दुर्घटनाओं को टाला जा सका, बल्कि उन्होंने समाज को स्वच्छता, जिम्मेदारी और सामाजिक चेतना का संदेश भी दिया।

बच्चों की इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि जहां एक ओर कुछ लोग समाज में अव्यवस्था फैलाने का काम कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर छोटे-छोटे बच्चे समाजहित में आगे बढ़कर जिम्मेदारी निभा रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से क्षेत्र में शराब की अवैध बिक्री और सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग भी की है।

बच्चों की यह पहल इस बात का उदाहरण है कि यदि समाज का प्रत्येक नागरिक अपनी जिम्मेदारी समझे तो अनेक समस्याओं का समाधान स्वतः संभव हो सकता है। आठवीं के इन छात्र-छात्राओं ने अपने कार्य से यह साबित कर दिया कि जागरूक नागरिक बनने के लिए उम्र नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का भाव आवश्यक होता है।

विद्यार्थियों को दी गई शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी एवं छात्रवृत्ति मार्गदर्शिका पुस्तक का विमोचन

जगप्रेरणा बालाघाट।

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय जे.एस.टी.पी.जी. महाविद्यालय, बालाघाट में 12 जून से 18 जून 2026 तक विश्व पर्यावरण दिवस एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस अभियान के अंतर्गत

विद्यार्थियों के लिए शासकीय योजनाओं से संबंधित जनजागरूकता एवं व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न शैक्षणिक एवं कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करना तथा उन्हें इन योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रेरित करना था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक मराटे ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने विद्यार्थियों से शासन द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका अधिकतम लाभ लेने तथा समाज में जागरूक नागरिक के रूप में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शासन की विभिन्न योजनाएं विद्यार्थियों के शैक्षणिक, सामाजिक एवं आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दुर्गेश अगासे ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं के महत्व से अवगत कराया। छात्रवृत्ति प्रभारी डॉ. आर. एन. झरिया एवं प्रो. के. एल. अहिरवार ने मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना, पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति, गांव की बेटी योजना, विद्यार्थी आवास योजना, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), रेड रिबन क्लब तथा अन्य छात्र हितैषी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया एवं आवश्यक दस्तावेजों के संबंध में भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराटे के मुख्य आतिथ्य में 'मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति एवं सहायता योजनाएँ' नामक मार्गदर्शिका पुस्तक का विमोचन किया गया। यह पुस्तक विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों को विभिन्न छात्रवृत्ति एवं सहायता योजनाओं की विस्तृत एवं अद्यतन जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार की गई है।

इस अवसर पर छात्रवृत्ति शाखा से सेवन्त ठाकरे एवं दीपक कनौजिया ने विद्यार्थियों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से परिचित कराया तथा उन्हें समय-समय पर जारी होने वाली सूचनाओं एवं पोर्टलों के माध्यम से आवेदन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. सीमा श्रीवास्तव, प्रो ऋषभ भगत, प्रो बुद्धावर्धन फुलमारे, डॉ ताराचंद बड़घैया सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी के सहयोग एवं सक्रिय सहभागिता से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मुलना स्टेडियम में होगा जिला स्तरीय आयोजन..

सांसद भारती पारधी होंगी मुख्य अतिथि..

'योगा फॉर हेल्दी एजिंग' थीम पर होगा सामूहिक योगाभ्यास..

जगप्रेरणा बालाघाट।

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को बालाघाट के मुलना स्टेडियम ग्राउंड में जिला स्तरीय कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'योगा फॉर हेल्दी एजिंग' (स्वस्थ एवं सक्रिय वृद्धावस्था के लिए योग) निर्धारित की गई है। कलेक्टर श्री मृणाल मीना के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। आयोजन को सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए विभिन्न विभागों को आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं तथा व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रातः 6 बजे से पूर्व सभी प्रतिभागियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। इसके पश्चात सुबह 6 बजे अतिथियों का आगमन होगा। 6 बजे से 6:30 बजे तक अतिथियों के उद्बोधन होंगे, जिनमें योग के महत्व एवं स्वस्थ जीवनशैली में उसकी भूमिका पर प्रकाश डाला जाएगा। इसके बाद सुबह 6:30 बजे से कोलकाता में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के योग दिवस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया जाएगा। सुबह 6:45 बजे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का संबोधन प्रसारित किया जाएगा, जिसे उपस्थितजन सुनेंगे। इसके उपरांत सुबह 7 बजे से 7:45 बजे तक सामान्य योग प्रोटोकॉल के अंतर्गत सामूहिक योगाभ्यास कराया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी श्री अश्विनी उपाध्याय एवं जिला आयुष अधिकारी ने जिले के नागरिकों, विद्यार्थियों, शिक्षकों, शासकीय कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों तथा योग प्रेमियों से बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं, बल्कि मानसिक एवं आध्यात्मिक संतुलन का भी आधार है। योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर स्वस्थ और निरोग जीवन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया जा सकता है। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से समय पर पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने एवं योग के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने में सहभागी बनने का आग्रह किया है।

श्रीमती फुलेश्वरी बाई लिल्हारे का निधन..

जगप्रेरणा लांजी।

क्षेत्र के ग्राम बिरनपुर निवासी स्व. बिहारीदास लिल्हारे की पत्नी श्रीमती फुलेश्वरी बाई लिल्हारे का 86 वर्ष की उम्र में 19 जून को दोपहर लगभग 3 बजे निधन हो गया है। आप अपने पीछे 2 पुत्र कृष्णदास लिल्हारे, जियनदास लिल्हारे और 3 बेटी समेत भरा-पूरा परिवार छोड़ इस दुनिया से विदा हो गईं। जिनका अंतिम संस्कार स्थानीय मोक्षधाम में आज सुबह 10 बजे किया जाएगा। इस निधन पर रिश्तेदार, समाज और ग्राम के गणमान्य नागरिकों ने शोक श्रद्धांजली अर्पित कर परिवार को दुख सहन करने की ईश्वर से प्रार्थना किए हैं।

न्यायालय तहसीलदार लाँजी, जिला बालाघाट(म.प्र.)

।। ईश्तहार ।।

रा. प्र.क.//अ-20(3) वर्ष 20
मौजा लांजी प.ह.न. 19/60
रा.नि.म. लॉजी तहसील-लांजी
जिला बालाघाट (म.प्र.)

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं, कि **INTELLIGENCE BUREAU (IB) MINISTRY HOME AFFAIRS** द्वारा ग्राम लॉजी स्थित भूमि ख.न. 95/1/2 रकबा 4.197 हेक्ट. भूमि ने से 1000 वर्गमीटर भूमि कार्यालय सह आवासीय भवन निर्माण किये जाने हेतु भूमि आबंटन किये जाने के तहत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्राप्त हुआ है। अतः उपरोक्त आवेदन पत्र के सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हैं तो स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से न्यायालयीन समय में अपनी लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि बाद प्राप्त दावे / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

जारी दिनांक 02/06/2026
न्यायालय तहसीलदार लांजी।

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

नीट परीक्षा की तैयारी के लिए कलेक्टर ने ली परीक्षा केन्द्राध्यक्षों की बैठक

19 जून तक सभी केन्द्रों पर सीसीटीव्ही, फ्रिस्किंग, बायोमेट्रिक सत्यापन एवं जैमर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश..

21 जून को जिले में 08 केन्द्रों पर होगी नीट परीक्षा, 3112 परीक्षार्थी होंगे शामिल

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले में 21 जून 2026 को हृश्वश्वञ्ज (नीट) प्रवेश परीक्षा का आयोजन 08 परीक्षा केन्द्रों पर किया जाएगा। इस परीक्षा में कुल 3112 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा दोपहर 02 बजे से 05 बजे तक आयोजित की जाएगी,

जबकि सभी परीक्षार्थियों को प्रातः 11 बजे तक अपने निर्धारित परीक्षा केंद्र पर उपस्थित होना अनिवार्य रहेगा। परीक्षा रविवार, 21 जून 2026 को दोपहर 2 बजे से 5:15 बजे तक होगी। परीक्षा की समयावधि 3 घंटे 15 मिनट (कुल 195 मिनट) की है। परीक्षा का मोड पेन एवं पेपर रहेगा। जिले में इस परीक्षा के सुव्यवस्थित संचालन एवं आवश्यक तैयारियों के लिए कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने 19 जून को केन्द्रीय विद्यालय भरवेली में सभी परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्षों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य मिश्रा, अपर कलेक्टर श्री जी एस धुर्वे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री निहित उपाध्याय, संयुक्त कलेक्टर एवं नीट परीक्षा के जिला नोडल अधिकारी श्री राहुल नायक, एसडीएम श्री गोपाल सोनी, नगर पुलिस अधीक्षक श्री मयंक तिवारी, केन्द्रीय विद्यालय भरवेली के प्राचार्य एवं एनटीए के नीट परीक्षा के लिए सिटी नोडल अधिकारी श्री अरूण तुमसरे, सभी 08 परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्ष एवं विद्युत मंडल के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने सभी परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्षों से कहा कि 21 जून को एनटीए के निर्देशों के अनुरूप नीट परीक्षा का सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करना है। यह परीक्षा अच्छे से सम्पन्न कराना है और इसमें किसी भी तरह की गड़बड़ी नहीं होना चाहिए। इसके लिए सभी केन्द्रों पर 19 जून तक सीसीटीव्ही कैमरे, फ्रिस्किंग, बायोमेट्रिक सत्यापन मशीन एवं जैमर लग जाना चाहिए। इसके साथ ही सभी केन्द्रों पर वीडियोग्राफी एवं जनरेटर की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाये। परीक्षा कक्ष में उचित प्रकाश व्यवस्था तथा पंखे चालू अवस्था में होने चाहिए। परीक्षा केंद्रों में सभी विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग स्वच्छ शौचालय की व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था रखने कहा गया।

इस दौरान बताया गया कि प्रत्येक परीक्षा केन्द्र के कंट्रोल रूम में स्वास्थ्य विभाग की टीम ओआरएस और ग्लूकोज़ की व्यवस्था एवं प्राथमिक उपचार किट के साथ मौजूद रहेगी। कन्या बुढ़ी हायर सेकेंडरी स्कूल एवं कन्या महाविद्यालय के परीक्षा केन्द्रों पर पीडब्ल्यूड़ी (दिव्यांग) परीक्षार्थी भी शामिल हो रहे हैं।

अतः ऐसे परीक्षार्थियों के लिए एनएटी के निर्देशों के अनुरूप व्येवस्थाा करने के निर्देश दिये गये। कलेक्टर श्री मीना ने सभी केन्द्राध्यक्षों को परीक्षा केंद्र के पास विद्यार्थियों के साथ आने वाले परिजनों, अभिभावकों एवं संरक्षकों के लिए पर्याप्त आकार का टेंट और मोबाइल व शौचालय रखने के निर्देश दिये।

बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य मिश्रा ने बताया कि सभी परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा के व्यापक एवं पुख्ता इंतजाम रहेंगें। परीक्षा केन्द्र में आईडेंटीटी कार्ड के बगैर किसी भी व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया जायेगा। परीक्षा केन्द्र में एनएटी के निर्देशों के अनुरूप जांच के बाद ही परीक्षार्थियों को प्रवेश करने दिया जायेगा।

निर्धारित समय सीमा के बाद किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश नहीं करने दिया जायेगा। सभी परीक्षा केन्द्रों के मुख्य गेट पर समय बताने के लिए बड़े आकार की घड़ी भी लगाई जा रही है। परीक्षा केन्द्र तक गोपनीय सामग्री लाने वाले वाहन में परीक्षा केन्द्राध्यक्ष के साथ सुरक्षा के लिए सीआरपीएफके जवान रहेंगें। इस वाहन के साथ एक अन्य वाहन में तहसीलदार के साथ सुरक्षा के लिए जिला पुलिस का दल रहेगा।

जिले में नीट परीक्षा की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। इस परीक्षा के लिए जिले में कुल 08 केंद्र बनाये गए है। परीक्षा केंद्र सीएम राइज सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में 600, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बूढ़ी में 232, कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में 240, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई (एमएलबी) उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 480, शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज में 240, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में 480, पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय भरवेली में 360 तथा जटाशंकर त्रिवेदी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 480 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे।

प्रशासन द्वारा सभी परीक्षा केन्द्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली गई हैं। साथ ही परीक्षार्थियों के लिए कड़े दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। परीक्षा में किसी भी प्रकार की स्टेशनरी सामग्री जैसे पेपर, कंपास बॉक्स, प्लास्टिक पाउच, कैलकुलेटर, स्केल, पेनड्राइव, राइटिंग पैड, लॉग टेबल, इलेक्ट्रॉनिक पेन तथा संचार उपकरण जैसे मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, ईयरफोन, माइक्रोफोन, पेजर आदि लाना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। इसके अतिरिक्त परीक्षार्थियों को वॉलेट, गॉगल्स, हैंडबैग, बेल्ट, घड़ी, ब्रेसलेट, कैमरा, धातु के आभूषण एवं खाद्य सामग्री लाने की अनुमति नहीं होगी।

परीक्षार्थियों को साधारण कपड़े पहनकर तथा पैरों में कम हील की चप्पल पहनकर परीक्षा केंद्र पर उपस्थित होना होगा। वे अपने साथ केवल पारदर्शी पानी की बोतल ला सकते हैं। प्रशासन ने सभी परीक्षार्थियों से निर्देशों का पालन करते हुए समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचने की अपील की है।

नीट परीक्षा की तैयारियों का कलेक्टर एवं एसपी ने लिया जायजा

परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का किया अवलोकन

जगप्रेरणा बालाघाट।

आगामी 21 जून को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की तैयारियों का जायजा लेने के लिए कलेक्टर श्री मृणाल मीना एवं पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य मिश्रा ने शुक्रवार 19 जून को शहर के प्रमुख परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

उन्होंने कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय एवं जटाशंकर त्रिवेदी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पहुंचकर परीक्षा आयोजन से संबंधित व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने परीक्षा कक्षों, प्रवेश द्वारों, सुरक्षा व्यवस्थाओं, सीसीटीवी कैमरों, बायोमेट्रिक सत्यापन, फ्रिस्किंग व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक तैयारियों का निरीक्षण किया।

उन्होंने केंद्र प्रभारियों को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के दिशा-निर्देशों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि नीट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा का संचालन पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं सुरक्षा के साथ किया जाना चाहिए। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के लिए पेयजल, स्वच्छ शौचालय, विद्युत आपूर्ति एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य मिश्रा ने परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन किया जाएगा तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री जी.एस. धुर्वे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री निहित उपाध्याय, संयुक्त कलेक्टर एवं नीट परीक्षा के जिला नोडल अधिकारी श्री राहुल नायक, एसडीएम श्री गोपाल सोनी, नगर पुलिस अधीक्षक श्री मयंक तिवारी तथा संबंधित संस्थाओं के प्राचार्य एवं स्टाफ उपस्थित रहे।

एमआरपी से अधिक कीमत पर खाद बेचने वालों पर कसेगा शिकंजा

बोरी पर छपे मूल्य से एक रुपया भी अधिक वसूला तो होगी सख्त कार्रवाई

जगप्रेरणा बालाघाट।

खरीफसीजन के दौरान किसानों को उचित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि जिले में कोई भी सहकारी समिति या निजी उर्वरक विक्रेता खाद

की बोरी पर अंकित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) से अधिक कीमत नहीं वसूल सकेगा। यदि कोई विक्रेता निर्धारित मूल्य से एक रुपया भी अधिक राशि लेते हुए पाया गया, तो उसके विरुद्ध वैधानिक एवं दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने बताया कि उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 के तहत कोई भी डीलर, निर्माता या आयातक निर्धारित अधिकतम खुदरा मूल्य से अधिक दर पर उर्वरक का विक्रय नहीं कर सकता। ऐसा करना कानून का उल्लंघन है और दोषी पाए जाने पर संबंधित विक्रेता के खिलाफकड़ी कार्रवाई की जाएगी।

तीन स्तरों पर प्रदर्शित हो रहे हैं खाद के दाम

श्री मालवीय ने बताया कि उर्वरक वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए वर्तमान में 'ई-विकास' प्रणाली के माध्यम से खाद की बिक्री की जा रही है। किसानों की सुविधा और जागरूकता के लिए उर्वरकों के मूल्य तीन स्तरों पर प्रदर्शित किए जा रहे हैं–खाद की बोरी पर, ई-विकास पोर्टल पर तथा पीओएस मशीन पर। उन्होंने बताया कि कई बार पुराने स्टॉक के कारण पीओएस मशीन या ई-टोकन में दर्शाया गया मूल्य अधिक दिखाई दे सकता है, लेकिन यदि खाद की बोरी पर छपा एमआरपी उससे कम है, तो किसानों को उसी कम मूल्य पर खाद उपलब्ध कराई जाएगी। किसी भी स्थिति में बोरी पर अंकित मूल्य से अधिक राशि नहीं ली जा सकती।

मैदानी निरीक्षण के दिए निर्देश

कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने कृषि विभाग एवं स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों को उर्वरक विक्रय केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और उन्हें उचित मूल्य पर खाद उपलब्ध हो सके।

कृषि विभाग ने किसानों से खाद खरीदते समय बोरी पर अंकित मूल्य अवश्य देखने तथा विक्रेता से पक्की रसीद लेने की अपील की है। साथ ही कहा गया है कि यदि कोई निजी विक्रेता या सहकारी समिति निर्धारित मूल्य से अधिक राशि मांगती है, तो इसकी शिकायत तत्काल कृषि विभाग के कार्यालय में दर्ज कराएं।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसानों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और शिकायत मिलने पर दोषी विक्रेताओं के विरुद्ध तत्काल कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

जल जीवन मिशन बना वरदान: ग्राम कनारी में घर-घर पहुँचा स्वच्छ पेयजल

पानी की तलाश में बीतता था दिन, अब हर घर में बह रही है खुशहाली की धारा

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र में स्थित ग्राम कनारी, ग्राम पंचायत फत्तेहपुर माल, विकासखंड परसवाड़ा का नाम आज ग्रामीण विकास और जल प्रबंधन की एक प्रेरणादायक मिसाल के रूप में लिया जा रहा है।

जिला मुख्यालय से लगभग 83 किलोमीटर दूर स्थित यह गांव कभी पेयजल संकट की गंभीर समस्या से जूझ रहा था। ग्रामीणों का जीवन पानी की तलाश और उसकी व्यवस्था में ही बीत जाता था।

ग्राम के अधिकांश परिवार कृषि एवं मजदूरी पर निर्भर हैं। वर्षों तक यहां की महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को पेयजल के लिए दूर-दूर तक भटकना पड़ता था। गांव में पर्याप्त जल स्त्रोत उपलब्ध नहीं होने के कारण लोग कुओं, हैंडपम्पों और मौसमी जल स्त्रोतों पर निर्भर थे। प्रतिदिन कई किलोमीटर दूर से पानी लाना उनकी दिनचर्या का हिस्सा बन गया था। गर्मी के दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो जाती थी।

पानी की कमी का सीधा प्रभाव ग्रामीणों के स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका पर पड़ रहा था। बच्चों को पढ़ाई छोड़कर पानी लाने में परिवार का सहयोग करना पड़ता था, वहीं दूषित जल के उपयोग से जलजनित बीमारियां भी फैलती थीं। समय, श्रम और संसाधनों की इस निरंतर बर्बादी ने ग्रामीण जीवन को कठिन बना दिया था। ऐसे समय में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन ग्राम कनारी के लिए उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आई।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, बालाघाट द्वारा गांव में 20.38 लाख रुपये की लागत से नल-जल प्रदाय योजना का कार्य 11 सितम्बर 2023 को प्रारंभ किया गया। योजना के अंतर्गत आवश्यक जल संरचनाओं का निर्माण किया गया तथा 54 घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किए गए, जिससे प्रत्येक परिवार को घर पर ही स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध होने लगा। योजना के पूर्ण होने के बाद ग्राम कनारी में एक सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिला। अब ग्रामीणों को पानी के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ती। घर-घर नल से जल पहुंचने के कारण महिलाओं का समय और श्रम दोनों बच रहे हैं। वे अब अपने परिवार, बच्चों की देखभाल तथा अन्य उत्पादक कार्यों में अधिक समय दे पा रही हैं।

बच्चों के जीवन में भी बड़ा बदलाव आया है। पहले जहां उन्हें पानी लाने में समय देना पड़ता था, वहीं अब वे नियमित रूप से विद्यालय जा रहे हैं और अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान केंद्रित कर पा रहे हैं। स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से गांव में जलजनित बीमारियों में कमी आई है तथा लोगों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। आज ग्राम कनारी के लोगों के चेहरों पर संतोष और आत्मविश्वास स्पष्ट दिखाई देता है। जल जीवन मिशन ने केवल पानी की समस्या का समाधान नहीं किया, बल्कि ग्रामीणों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने, स्वास्थ्य सुधारने और सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर भी प्रदान किया है। यह योजना ग्रामीण विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में एक सफल एवं अनुकरणीय उदाहरण बन चुकी है। ग्रामवासी इस परिवर्तन को अपने जीवन का ऐतिहासिक क्षण मानते हैं। वे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, बालाघाट के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हैं, जिनके प्रयासों से उनके घरों तक स्वच्छ पेयजल की सुविधा पहुंच सकी।

माध्यमिक शाला कम्पांउडरटोला के शिक्षक कुंवरलाल नंदगौली निलंबित

छात्रों से अवैध वसूली और शैक्षणिक कार्यों में लापरवाही की शिकायत पर कार्रवाई

जगप्रेरणा बालाघाट।

सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर ने गंभीर अनियमितताओं और विद्यार्थियों से जुड़े मामलों में शिकायत सही पाए जाने पर बैहर एसडीएम श्री अर्पित गुप्ता की अनुशंसा पर शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला कम्पाउंडरटोला, विकासखंड बैहर में पदस्थ प्रभारी माध्यमिक शिक्षक (मूलपद प्राथमिक शिक्षक) श्री कुंवरलाल नंदगौली को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यांलय कार्यालय प्राचार्य, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डाबरी, विकासखंड बिरसा निर्धारित किया गया है।

शिक्षक श्री नंदगौली के विरुद्ध विद्यार्थियों से अवैध रूप से रुपए मांगने, नाम काटने की धमकी देने, अंग्रेजी विषय का पाठ्यक्रम पूर्ण नहीं कराने तथा विद्यालय में नियमित रूप से कक्षाओं का संचालन नहीं करने संबंधी शिकायतें प्राप्त हुई थीं। प्रकरण की जांच अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बैहर श्री अर्पित गुप्ता द्वारा कराई गई थी। जांच अधिकारी द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर अनुविभागीय अधिकारी बैहर श्री गुप्ता ने शिकायतों को प्रथम दृष्टया गंभीर मानते हुए शिक्षक श्री कुंवरलाल नंदागौली पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की थी। शिक्षक श्री कुंवरलाल नंदागौली का उक्त कृत्य मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम-3 का उल्लंघन है तथा यह गंभीर कदाचार की श्रेणी में आता है। विभाग ने माना कि इस प्रकार का व्यवहार न केवल शासकीय सेवक के कर्तव्यों के प्रति लापरवाही को दर्शाता है, बल्कि इससे विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था और विद्यार्थियों के हित भी प्रभावित होते हैं। इसी आधार पर उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डाबरी, विकासखंड बिरसा निर्धारित किया गया है। साथ ही नियमानुसार उन्हें जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता रहेगी।

सहायक आयुक्त श्रीमती डामोर ने स्पष्ट किया है कि शासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के हितों से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा तथा दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

11 शनिवार 20 जून 2026
जग प्रेरणा ग्रामीण गोंदिया भंडारा
● तिरोड़ा ● गोरेगांव ● आमगांव ● सालेकसा ● देवरी ● मोरगांव अर्जुनी ● तुमसर ● साकोली ● लाखांदूर

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

चोरी हुए 24 मोबाइल मूल मालिकों को सौंपे, चिचगढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई..

जगप्रेरणा देवरी।

आज के डिजिटल युग में मोबाइल हर किसी की ज़रूरत बन गया है। ऐसे में मोबाइल खो जाने या चोरी हो जाने पर नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

हालांकि, चिचगढ़ पुलिस ने तकनीकी कौशल का उपयोग करके नागरिकों को बड़ी राहत दी है। चिचगढ़ पुलिस स्टेशन के अंतर्गत विभिन्न स्थानों से चोरी हुए कुल '24 महंगे मोबाइल' ढूंढ निकालने में पुलिस को सफलता मिली है। ये सभी मोबाइल आज, 19 जून को आधिकारिक तौर पर उनके मूल मालिकों को सौंप दिए गए।

'सीईआईआर' पोर्टल बना प्रभावी माध्यम..

कुछ महीने पहले चिचगढ़ थाना क्षेत्र से कई नागरिकों के मोबाइल गुम हो गए थे, जबकि कुछ के चोरी हो गए थे। इस मामले में पुलिस ने केंद्र सरकार के **CEIR (Central Equipment Identity Register)** पोर्टल का बेहद प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया। चोरी हुए मोबाइलों के आईएमईआई **(IMEI)** नंबर इस पोर्टल पर ब्लॉक करके उन्हें ट्रैकिंग पर रखा गया था। जैसे ही इन मोबाइलों में नया सिम कार्ड डाला गया, पुलिस को तुरंत इसकी सटीक जानकारी मिल गई। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इन 24 मोबाइलों को जब्त कर लिया।

मालिकों के चेहरों पर झलके खुशी के आंसू..

आज चिचगढ़ पुलिस स्टेशन में आयोजित एक छोटे से कार्यक्रम में, चिचगढ़ के थाना प्रभारी जनार्दन हेगडकर के हाथों सभी 24 मोबाइल उनके मूल मालिकों को सौंपे गए। अपना खोया या चोरी हुआ मोबाइल वापस मिलने की उम्मीद छोड़ चुके नागरिकों को जब अपना फोन वापस मिला, तो उनके चेहरों पर खुशी का ठिकाना नहीं रहा। कई नागरिकों ने चिचगढ़ पुलिस का सार्वजनिक रूप से आभार व्यक्त किया।

बोले थाना प्रभारी जनार्दन हेगडकर

'मोबाइल गुम होने या चोरी होने पर नागरिक घबराएं नहीं, बल्कि तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज कराएं और **CEIR** पोर्टल का उपयोग करें। तकनीक की मदद से पुलिस नागरिकों की सेवा के लिए हमेशा तत्पर है। आज 24 नागरिकों को उनके मोबाइल सौंपते हुए हमें अत्यंत खुशी हो रही है।'

पुलिस ने नागरिकों से की अपील..

इस सराहनीय कार्य के लिए चिचगढ़ पुलिस की हर तरफ प्रशंसा हो रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी जनार्दन हेगडकर के मार्गदर्शन में चिचगढ़ पुलिस थाने के कर्मचारियों और साइबर सेल की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस ने इस अवसर पर नागरिकों से यह अपील भी की है कि वे अनजान व्यक्तियों से पुराने मोबाइल न खरीदें और मोबाइल खो जाने पर तुरंत पुलिस से संपर्क करें।

सिपीआई का हर घर जनसंवाद कार्यक्रम..

जगप्रेरणा गोंदिया।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सिपीआई) की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं उसी प्रकार 1 मई को संयुक्त महाराष्ट्र के स्थापना को 66 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं

संयुक्त महाराष्ट्र के आंदोलन मे सिपीआई का अतुलनीय योगदान रहा इस आंदोलन मे 106 लोग शहीद हुए हैं जिसमे मजदूर वर्ग की तादाद ज्यादा हैं इसी अवसर को याद करते हुए सिपीआई ने 1 मई मजदूर दिवस तथा संयुक्त महाराष्ट्र दिवस से 30 जून 2026 तक हर जन संवाद कार्यक्रम के तहत पार्टी शाखा अर्जुनी (तालुका गोंदिया) द्वारा गांव में यह कार्यक्रम पार्टी के जिला सचिव कॉ. मिलिंद गणवीर, तालुका सचिव कॉ. प्रल्हाद उके एवंम शाखा सचिव कॉ. जितेंद्र गजभिये के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया तथा पत्रको का वितरण कर स्वतंत्रता आंदोलन और स्वतंत्रता पश्चात राष्ट्र निर्माण में पार्टी की भूमिका स्पष्ट करते हुए बढती महंगाई और बेरोजगारी,सार्वजनिक शिक्षा, स्वास्थ्य एवंम यातायत सेवा का अभाव न्यूनतम वेतन, सेवा सुरक्षा, पेन्शन का नां होना, किसान को उनकी उपज का लाभकारी दाम ना मिलना, बगैर शर्त के कर्जमाफी, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक और महिलाओ पर बढते अत्याचार, सार्वजनिक उद्योगो का तेजी से हो रहा निजीकरण, जनविरोधी जन सुरक्षा कानून, आदी मुद्दे ग्रामीण जनता के सामने रखते हुए सिपीआई के जन आंदोलन में शामिल होने का आव्हान किया गया।

इस अभियान में कॉ. मिलिंद गणवीर, प्रल्हाद उके, जितेंद्र गजभिये, क्रांती गणवीर, सरस्वता हरिनखेडे, उमेदलाल कटरे, राकेश हिरदे, आनंद गणवीर, आनंद कटरे, सचिन पटले, सुकराम रहांग डाले, कारू शहारे, सूर्यचंद सोनवाने, टेकलाल तुरकर, योगेश भगत, देवनबाई हरिनखेडे, कांताबाई गणवीर, सुनंदा सोनवाने, पूजा कटरे, पारणबाई साऊस्कर आदि महिला पुरुष बडी संख्या में शामिल हुए।

गोंदिया पुलिस डायरी..

संजीव बापट, शहर प्रतिनिधि मो. 9922607145

अज्ञात बुजुर्ग की मृत अवस्था मे मिली लाश मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के शहर पुलिस थाना अंतर्गत अकस्मात मौत का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 10/ 6/ 2026 के सुबह 6 बजे अज्ञात बुजुर्ग पुरुष उम्र अंदाजन 65 वर्ष जो परीसर मे मांग कर खाता था। घटना के सुबह मृत अवस्था मे पाये जाने से फर्यादी अनमोल बेनीबागडे के बयान पर पोस्टे गोंदिया शहर मे अकस्मात मौत क्रमांक 32/2026 धारा 194, भानासुस 2023 के तहत मर्ग दर्ज कर जॉच पोशि बोरकर 1379 पोस्टे गोंदिया शहर कर रहे है।

कुंए के पानी मे डुबने से युवती की मौत मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के गंगाझरी पुलिस थाना अंतर्गत अकस्मात मौत का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 17/ 6/ 2026 के सुबह 11 बजे पैकाटोला मे कुसरिका दसाराम वडगाये उम्र 18 वर्ष घर मे किसी को बिना बताये घर से चली गई। दूसरे दिन 18 तारीख को रमेश अंबुले के खेत के कुंए मे मृत अवस्था मे मिली मृतक की कुंए के पानी मे डुबकर मौत हुई है, फर्यादी के दिये बयान पर पोस्टे गंगाझरी मे अकस्मात मौत क्रमांक 14/2026 धारा 194, भानासुस 2023 के तहत मर्ग दर्ज कर जॉच पोहवा शामकुमार देशपांडे 743 पोस्टे गंगाझरी कर रहे है।

जमीन के विवाद पर चलाई लोहे की रॉड मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के नवेगावबांध पुलिस थाना अंतर्गत मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 18/ 6/ 2026 के 8 बजे के दरम्यान फर्यादी अशोक परशुरामकर निवासी अर्जुनी मोर और आरोपी चाचा भतीजे होकर घटना के समय आरोपी ने खेती के विवाद पर फर्यादी को लोहे की रॉड से मारकर जख्मी किया और बिचबचाव करने आये भाई को भी गालीगलौच कर मारने की धमकी देने से दिये शिकायत और डाक्टर कि रिपोर्ट पर पोस्टे नवेगावबांध मे अपराध क्रमांक 165/2026 धारा 118, 1, 352, 351, 2, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोहवा खेमराज बोधनकर 1233 पोस्टे नवेगावबांध कर रहे है।

बाप ने पुछा तु दिनभर कहा था तो बेटे ने की मारपीट मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 17/6/2026 के शाम 7 बजे के दरम्यान पुजारीटोला मे फर्यादी धनराज निलकंठ बिरनवार निवासी पुजारी टोला का बेटा और भतीजा दोनो ने घटना के समय फर्यादी ने कहा तु दिन भर कहा था और खेत के बारे मे बड़े पिताजी से क्या बोला इस बात पर गुस्साये बेटे ने इटे से सर पर मारकर जख्मी किया और भतीजे ने लकड़ी से मारकर जख्मी करने से दिये शिकायत और डाक्टर की रिपोर्ट पर पोस्टे गोंदिया ग्रामीण मे अपराध क्रमांक 371/2026 धारा 118,1,3,5, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच पोहवा दसरीया 1261 पोस्टे गोंदिया ग्रामीण कर रहे है।

दो वर्ष से समायोजन नहीं किया मार्च से मानधन भी नहीं मिला..

एनएचएम कर्मचारियों का गुस्सा चरम पर..

जगप्रेरणा आमगांव।

कोरोना काल में अपनी जान की परवाह किए बिना शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं देने वाले राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान (एनएचएम) के तहत काम करने वाले कंत्राटी (ठेका) कर्मचारी आज खुद के वजूद के लिए जूझते नजर आ रहे हैं।

हजारों कर्मचारियों का समायोजन और मार्च से मिलने वाला मानधन अभी भी नहीं मिला है। इससे स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों में गहरा गुस्सा है और सरकार और प्रशासन के ढीले कार्य की अब खुलकर आलोचना हो रही है।

जानकारी के अनुसार गोंदिया जिले में 800 और राज्य में 4500 से ज्यादा एनएचएम कर्मचारियों का समायोजन प्रक्रिया पिछले दो साल से कागजों में अटका हुआ है। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद दस साल से ज्यादा सेवा दे चुके कर्मचारियों को समायोजन करने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन, असल में सरकार ने सिर्फ कुछ पदों के लिए ही सीमित कार्रवाई की। वाहन चालक और परिचर के पदों के अलावा हजारों अन्य कर्मचारियों को अभी तक न्याय नहीं मिला है। मार्च 2026 से, कई कर्मचारियों का मानधन बकाया है और वे अपने घर के खर्चे, बच्चों की पढ़ाई, लोन की किश्तें और रोज की जरूरतें पूरी करने के लिए आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं।

गोंदिया जिले समेत राज्य की ग्रामीण स्वास्थ्य यंत्रणा काफ़ी हद तक एनएचएम कर्मचारियों के भरोसे है। यह कर्मचारी माँ और बच्चे की मौत की दर को रोकने, वैक्सीनेशन, ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा, ऑनलाइन डेटा एंट्री, रिपोर्ट जमा करने, डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड जैसी जिम्मेदारियाँ संभाल रहे हैं। लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि काम के बढ़ते बोझ और सरकार की अनदेखी के कारण कर्मचारियों का मानसिक संतुलन बिगड़ रहा है।

कुछ कर्मचारी समायोजन का इंतजार करते-करते रिटायरमेंट की दहलीज पर पहुँच गए, जबकि कुछ ने डिप्रेशन में नौकरी छोड़ दी। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि यदि जल्द मांगें पूरी नहीं की गई तो पूरे राज्य में जोरदार आंदोलन किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर जिले में विभिन्न स्थानों पर योग कार्यक्रमों का आयोजन..

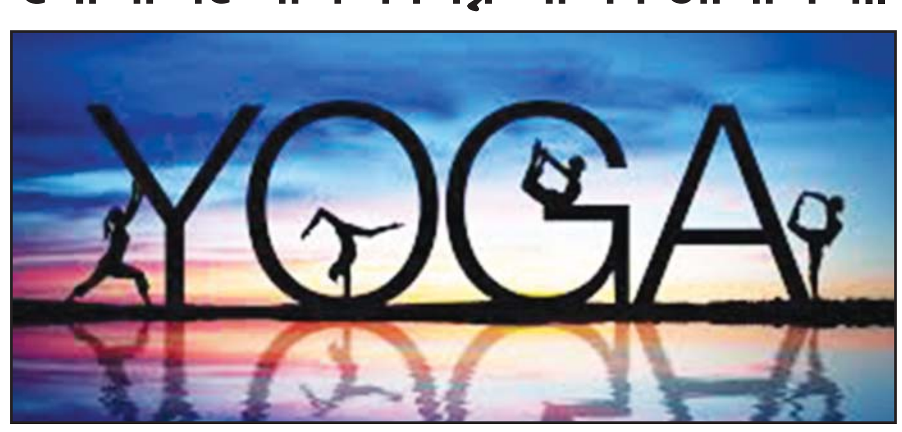

जगप्रेरणा गोंदिया।

'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग* (Yoga for Healthy Ageing)*' की थीम पर आधारित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून 2026 को गोंदिया जिले में विभिन्न

स्थानों पर सामूहिक योग प्रदर्शन एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन एवं नगर योग उत्सव समिति, गोंदिया के संयुक्त तत्वावधान में 21 जून को प्रातः 6:30 बजे इंदिरा गांधी स्टेडियम (नगर परिषद), गोंदिया में सामूहिक योग प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

इसी प्रकार जिला क्रीड़ा अधिकारी कार्यालय, मेरा युवा भारत **(MY Bharat)** भारत स्काउट एंड गाइड, जिला क्रीड़ा संघटना, अखिल भारतीय योग शिक्षक महासंघ, अंतरराष्ट्रीय नेचुरोपैथी संगठन, सूर्या फाउंडेशन एवं दिव्यांग योग संगठन के संयुक्त सहयोग से प्रातः 7:00 बजे जिला क्रीड़ा संकुल, गोंदिया में भव्य सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा जिले के सभी स्कूलों, महाविद्यालयों, शासकीय एवं अर्धशासकीय कार्यालयों, स्थानीय स्वशासी संस्थाओं, खेल संगठनों, योग संस्थाओं तथा सामाजिक संगठनों से भी अपने-अपने स्तर पर योग कार्यक्रम आयोजित कर अधिक से अधिक विद्यार्थियों, खिलाड़ियों एवं नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है।

जिला क्रीड़ा अधिकारी, गोंदिया ने जिले के सभी खेल प्रेमियों, योग साधकों, खिलाड़ियों, युवक-युवतियों, विद्यार्थियों, वरिष्ठ नागरिकों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में उपस्थित होकर इंदिरा गांधी स्टेडियम में प्रातः 6:30 बजे तथा जिला क्रीड़ा संकुल में प्रातः 7:00 बजे आयोजित कार्यक्रमों में भाग लें और अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को उत्साहपूर्वक मनाएं।

योग जागरूकता एवं प्रचार-प्रसार विषयक संगोष्ठी का आयोजन..

जगप्रेरणा गोंदिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल के कार्मिक विभाग द्वारा 'एक महीना-एक

सेमिनार' पहल के अंतर्गत 20वें सेमिनार का आयोजन दिनांक 18 जून 2026 को गुंजन हॉल सभागार मध्य रेलवे में किया गया। इस वर्ष संगोष्ठी का विषय 'योग जागरूकता एवं प्रचार-प्रसार गतिविधियां' रखा गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आमजन में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली को प्रोत्साहित करना था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक श्री दीपक कुमार गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि योग भारत की प्राचीन एवं अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर है, जो व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास न केवल स्वास्थ्य संवर्धन का माध्यम है, बल्कि तनावमुक्त एवं सकारात्मक जीवन जीने की कुंजी भी है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से योग को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया। संगोष्ठी में विशिष्ट वक्ता एवं योग विशेषज्ञ श्री मिलिंद गुप्ता ने योग के महत्व, विभिन्न योगासनों, प्राणायाम तथा ध्यान की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नियमित योगाभ्यास से तनाव एवं मानसिक दबाव में कमी आती है, कार्यक्षमता में वृद्धि होती है तथा व्यक्ति स्वस्थ एवं संतुलित जीवन जी सकता है। उन्होंने प्रतिभागियों को योग से जुड़े अनेक व्यावहारिक सुझाव भी प्रदान किए।

कार्यक्रम में वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्रीमती स्वेता एच.के. छोरिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। संगोष्ठी के दौरान योग के वैज्ञानिक, चिकित्सकीय एवं स्वास्थ्य संबंधी लाभों पर भी सारगर्भित चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने नियमित योगाभ्यास करने तथा योग के संदेश को समाज के अधिकाधिक लोगों तक पहुंचाने का संकल्प लिया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

अमृत मानव मित्र काउंसलर प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु आवेदन प्रक्रिया शुरू..

जगप्रेरणा गोंदिया।

महाराष्ट्र अनुसंधान, उन्नति एवं प्रशिक्षण प्रबोधिनी* (AMRUT) *द्वारा मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में करियर बनाने का सुनहरा अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से 'अमृत मानव मित्र काउंसलर प्रशिक्षण कार्यक्रम' शुरू किया

गया है। इसके लिए इच्छुक उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। बदलते सामाजिक, शैक्षणिक एवं पारिवारिक परिवेश में विद्यार्थियों, युवाओं तथा आम नागरिकों के बीच मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए **AMRUT** संस्था ने प्रशिक्षित काउंसलरों की तैयारी के लिए यह अभिनव पहल शुरू की है। इस कार्यक्रम में पुणे स्थित महाराष्ट्र मानसिक स्वास्थ्य संस्था तकनीकी सहयोगी के रूप में कार्य कर रही है।

प्रशिक्षण में विद्यार्थी परामर्श, बाल एवं किशोर मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, जीवन कौशल शिक्षा, अभिभावकों एवं शिक्षकों के साथ संवाद, साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता तथा सामुदायिक आधारित परामर्श जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल किए गए हैं।

प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले अभ्यर्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा, जिससे उन्हें विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं एवं स्वरोजगार के विभिन्न क्षेत्रों में अवसर प्राप्त हो सकेंगे। यह प्रशिक्षण एक माह की अवधि का होगा, जिसमें 15 दिन प्रत्यक्ष कक्षाएं तथा शेष अवधि में ऑनलाइन विशेषज्ञ सत्र, केस स्टडी, फील्ड विजिट एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क रहेगा।

इस प्रशिक्षण के लिए स्नातक, मनोविज्ञान, समाजकार्य **(MSW)**, काउंसलिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े इच्छुक युवक-युवतियां आवेदन कर सकते हैं। प्रत्येक जिले में सीमित सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा तथा चयन प्रक्रिया मेरिट के आधार पर होगी। पहले बैच के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। आवेदन करने की अंतिम तिथि 22 जून 2026 निर्धारित की गई है।

इच्छुक उम्मीदवारों से समय रहते ऑनलाइन पंजीयन कराने की अपील की गई है। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी अमृत कार्यालय गोंदिया के मोबाइल नंबर 9112228776 पर संपर्क कर सकते हैं अथवा **MIMH Official Website** और **AMRUT Portal** पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यह जानकारी जिला प्रबंधक, अमृत द्वारा दी गई है।

अमृत द्वारा यूपीएससी मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिए आर्थिक सहायता, ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

जगप्रेरणा गोंदिया।

महाराष्ट्र अनुसंधान, उन्नति एवं प्रशिक्षण प्रबोधिनी (अमृत) द्वारा राज्य के आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के लक्षित समुदायों के अभ्यर्थियों के लिए संघ लोक सेवा आयोग* (UPSC) *सिविल सेवा

मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार की तैयारी हेतु प्रोत्साहनात्मक आर्थिक सहायता योजना (वर्ष 2026-27) शुरू की गई है। इस योजना के तहत वर्ष 2026 की यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक उम्मीदवारों को आवेदन करने के लिए महा अमृत पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन भरने से पूर्व सभी दिशा-निर्देशों का सावधानीपूर्वक पालन करने की सलाह दी गई है। योजना के अंतर्गत पात्र अभ्यर्थियों को यूपीएससी मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिए 50 हजार रुपये तथा साक्षात्कार की तैयारी के लिए 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। अमृत द्वारा स्पष्ट किया गया है कि योजना से संबंधित सभी आगामी सूचनाएं एवं अपडेट केवल आधिकारिक वेबसाइट पर ही प्रकाशित किए जाएंगे। इसलिए अभ्यर्थी नियमित रूप से वेबसाइट का अवलोकन करते रहें। ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 17 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। आवेदन प्रक्रिया अथवा योजना संबंधी किसी भी जानकारी के लिए अभ्यर्थी जिला अमृत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 9112228776 पर संपर्क किया जा सकता है। यह जानकारी जिला प्रबंधक अमृत, गोंदिया कार्तिक तिवारी द्वारा दी गई है।

दरीयां, मेटींग्स, कार्पेट्स, डोरमेट्स, शॉल, ब्लैंकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां, ताड़पत्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरें, बेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता
रमनकुमार मेठी हैंडलुम हाऊस
मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 441601 मो. 9890696200

अंकुर टेस्ट ट्यूब बेबी एंड रिसर्च सेंटर
बंधत्व पीड़ितों के लिये एक आशा की किरण
उपलब्ध सुविधाएं..
■ टेस्ट ट्यूब बेबी (IVF ET)
■ इक्सी टेस्ट ट्यूब बेबी (ICSI)
■ (IUI) आय.यू.आय.
■ अधिक उम्र में मातृत्व
■ ओव्हम डोनेशन द्वारा
■ बंद फॉलोपियन ट्युब खोलना
■ पुरुष बंधत्व निदान व उपचार
■ शुक्राणु बैंक सुविधा
■ सोनोग्राफी
■ हार्मोस की जांच
■ हार्मोस की गड़बड़ी की ईलाज
■ दुरबीन द्वारा ऑपरेशन
डॉ. संजीव चिटणवीस
अस्थि रोग विशेषज्ञ
डॉ.सौ.प्रणिता चिटणवीस
प्रसुति, स्त्रीरोग व बंधत्व चिकित्सा विशेषज्ञ
एक्सीडेंट हॉस्पीटल व अंकुर क्लिनिक
गणेश नगर, गोंदिया फोन - 07182 - 236692 मो. 9823970754

12 शनिवार 20 जून 2026
जग प्रेरणा live गोंदिया भंडारा
● आमगांव ● गोरेगांव ● सड़क अर्जुनी ● देवरी ● सालेकसा ● अर्जुनी मोरगांव ● तिरोड़ा ● तुमसर ● साकोली

महावीर डेवलपर्स गोरेगांव
1 महावीर कॉम्पलेक्स
एन.एच.रोड, बस स्टेंड के पास
2. अश्टविनायक अपार्टमेंट
2 बीचके फ्लेट रेडी पजेशन, लिफ्ट, पार्किंग, बैंक लोन सुविधा.. 3) एनए किये हुए प्लॉट उपलब्ध..
संपर्क-नायरा पेट्रोल पंप मो. 9372316555

नियमों का उल्लंघन करने पर 3 साल के लिए

नगर परिषद अध्यक्ष सचिन शेंडे ने ठेकेदार संदीप कडूकर को किया 'ब्लैक लिस्ट'

जगप्रेरणा गोंदिया।

नगर परिषद गोंदिया ने प्रभाग क्रमांक 12 में चल रहे एक सामाजिक सभागार के निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितता बरतने और अदालती आदेशों की अवहेलना करने के मामले में एक ठेकेदार के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। नगर परिषद के अध्यक्ष (सचिन गोविंदराव शेंडे) द्वारा जारी आधिकारिक पत्र के अनुसार,

संबंधित ठेकेदार फर्म 'महाराष्ट्र ट्रेडर्स' (प्रो. संदीप कडूकर) का नाम अगले 3 वर्षों के लिए नगर परिषद की काली सूची (ब्लैक लिस्टेड) में डाल दिया गया, साथ ही उनके खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

क्या है पूरा मामला?

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रभाग क्रमांक 12 में रामेश्वर मंदिर और वसंत टॉकीज के पास एक सामाजिक सभागार के निर्माण के लिए 8 जनवरी 2026 को कार्य आदेश (वर्क ऑर्डर) दिया गया था। हालांकि, काम शुरू होने के बाद स्थानीय निवासियों (श्री पुष्पांजली बैस और श्रीमती सिमा फुंडे) की आपत्ति और जमीन विवाद के चलते मामला न्यायालय में पहुंच गया।

काम रोकने का था आदेश..

जमीन का मुख्य रास्ता बंद होने और मामला अदालत में लंबित होने के कारण, अपर तहसीलदार गोंदिया और मुख्याधिकारी नगर परिषद गोंदिया के आदेशानुसार इस काम को तत्काल प्रभाव से रोकने (स्टे) का निर्देश दिया गया था। आदेश के बावजूद, ठेकेदार ने काम बंद करने के बजाय लेखा विभाग को गुमराह किया।

आरोप है कि बिना पूरा काम किए और बिना उचित मूल्यांकन दिखाए, ठेकेदार ने झूठे बिल तैयार कर पूरी राशि उठाने (बिल पास कराने) का प्रयास किया। जांच में यह भी सामने आया कि सभागार की इमारत का काम पूरा नहीं हुआ था और समय पर उचित 'क्युरिंग' (तराई) न होने के कारण निर्माण कार्य की गुणवत्ता बेहद खराब पाई गई।

प्रशासन द्वारा की गई सख्त कार्रवाई:

ठेकेदार द्वारा किए गए इस बड़े खुलासे और धोखाधड़ी को देखते हुए प्रशासन ने निम्नलिखित कदम उठाए हैं। ब्लैकलिस्टिंग में 'महाराष्ट्र ट्रेडर्स' (संदीप कडूकर) को अगले 3 साल के लिए नगर परिषद की काली सूची में डाल दिया गया है। नगर परिषद के मुख्याधिकारी को निर्देश दिया गया है कि विभाग और सरकार के साथ धोखाधड़ी करने और फर्जी बिल बनाकर पैसे उठाने के प्रयास के आरोप में ठेकेदार के खिलाफ फौजदारी (क्रिमिनल) मामला दर्ज किया जाए।

आदेश की अवहेलना पर रोक..

तहसीलदार कार्यालय को सूचित किया गया है कि न्यायालयीन मामला होने के बावजूद काम जारी रखने और नियमों को ताक पर रखने के कारण इस पर आगे की उचित कानूनी कार्रवाई की जाए। इस सख्त फैसले की प्रतियां बांधकाम सभापति और नगर परिषद गोंदिया की आगामी आमसभा (सर्वसाधारण सभा) के समक्ष विचारार्थ भी भेजी गई हैं। इस कार्रवाई से नगर परिषद के अन्य ठेकेदारों में हड़कंप मच गया है।

एक बार फिर कल्पतरु जलतरण स्पर्धा 2026 में नन्हे तैराको ने दिखाया तैराकी का हुनर..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया शहर में कल्पतरु चेरिटेबल ट्रस्ट एवं बाहेकर सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल गोंदिया के संयुक्त तत्वाधान में कल्पतरु स्विमिंग प्रतियोगिता 2026/27 का आयोजन किया गया।

डॉक्टर दीपक बाहेकर, डॉक्टर गार्गी बाहेकर द्वारा शिवाजी महाराज के चित्र को माल्यार्पण एवं पूजन कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की गई। कल्पतरु जलतरण स्पर्धा का उद्घाटन मुख्य अतिथि सचिन शेंडे नगराध्यक्ष गोंदिया नागरा के माजी सभापति व जि.प सदस्य रमेश लिल्हारे, माजी जी.प सदस्य कुंदन कटारे, इंजी.राजीव ठकरेले, डॉक्टर प्रशांत कटरे, व्यापारी एसोसियन के महासचिव राजा ईसरका, प.स सदस्य नंदिनी लिल्हारे, पंकज अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, मुन्नालाल यादव, सुधीर राठौड़, इंजी.सुधीर नायर, एड. अंजलि व राजेश चौरे, पदम अग्रवाल, संजय नागपुरे, सौ.ओशिता जैन, सौ.रानू ठाकुर, राधिका इसरका, अमित अग्रवाल, पूजा अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, डॉक्टर चैताली सोमानी सहित सभी प्रमुख अतिथियों ने रिबन काटकर जलतरण स्पर्धा प्रारंभ किया।

बोले डॉ. दीपक बाहेकर..

इस अवसर पर डॉ. दीपक बाहेकर ने प्रस्तावना में कहा कि मुख्य कोच शिव नागपुरे के प्रयास से स्विमिंग स्पर्धा का ये 5 वां सफल वर्ष है। 2018/19 में हमारा यह स्विमिंग पुल शुरु हुआ था। स्विमिंग पूल अत्याधुनिक ऑटोमैटिक हाइजीन फिल्टरेशन से लैस है। सॉना बाथ, स्टीम बाथ जैसी आधुनिक सुविधाएं है। आधुनिक जिम, निसर्ग रम्य योगा प्लेटफॉर्म हरियाली भरा वॉकिंग ट्रैक सब कुछ मात्र 5 मिनट की दूरी पर नागरा मे है, तथा इस स्विमिंग पुल में इस तैराकी प्रतियोगिता के आयोजन से इस स्वीमिंग पुल के निर्माण का उद्देश्य सार्थक हो रहा है। डॉ. बाहेकर ने कहा कि सभी बच्चों को स्वस्थ रहने के लिये अवश्य स्वीमिंग सिखना चाहिये, और नियमित स्वीमिंग करना स्वास्थ्य के लिये सबसे अच्छा है। जलतरण प्रशिक्षक शिव नागपुरे ने संचालन मे डॉक्टर अल्का बाहेकर मैडम एवं डॉक्टर अनुराग बाहेकर सर के सदप्रयासों का आभार माना।

इनके हस्ते हुआ पुरस्कार वितरण..

पुरस्कार वितरण समारोह मे मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. पाली बग्गा, पुष्पक जस्सानी, डॉ. सचिन केलनका, डॉ. चैताली सोमानी, सरला सोमानी, शंकरलाल एवं किरण अग्रवाल मोना टायर्स, पंकज अग्रवाल, मनीष टेकरीवाल, मोहित मुंदड़ा अशोक लेकरिया, चंचल अग्रवाल, राहुल तिवारी, प्रशांत चामट, आकाश छितरका, टीना मेठी, नंदिनी लिल्हारे अतुल सतदेवे, संजय नागपुरे विकास चौरसिया, अमित छैलबिहारी अग्रवाल, चंदन अग्रवाल, एड. अंजलि व राजेश चौरे घनश्याम ऊके सहित तमाम प्रतिष्ठित अतिथि के हाथों बच्चों एवं पालकों को गोल्ड मेडल ट्रॉफी और पुष्पगुच्छ से सम्मानित किया गया।

सभी वक्ताओं ने बच्चों के स्विमिंग व कोचिंग को सराहा डॉक्टर दीपक बाहेकर को धन्यवाद दिया कि आपके स्विमिंग पूल के कारण हजारो बच्चे युवा बुजुर्ग सब अच्छे से तैराकी सिख रहे है तथा स्विमिंग को सबसे अच्छा व्यायाम बताया। सभी जनसमुदाय के लिए स्वादिष्ट नाश्ता एवं पेय की व्यवस्था की गई। सभी कल्पतरु स्विमिंग प्रतियोगिता विजेताओं ने अपना श्रेय स्विमिंग कोच व अपने माता पिता को दिया। कार्यक्रम मे विशेष सहयोग लेकचंद धामडे दीपक छुरा, सतीश पाटिल, टीना गौरव मेठी ओशिता जैन, रानू भालचंद्र ठाकुर, शीला नागपुरे सोनाली ढ़ेकवार संजय नागपुरे राजकुमार नागपुरे एवं राहुल ठाकुर ने किया। कार्यक्रम का संचालन शिव नागपुरे ने तथा आभार इंजी.सुधीर नायर ने माना।

तैराकी प्रतियोगिता मे यह रहे विजेता.. मिले पुरस्कार..

कल्पतरु जलतरण स्पर्धा मे भव्य मुस्कान इसरका ने 7 से 9 वर्ष आयु वर्ग मे ऑलराउंडर प्रदर्शन करते हुए फ्री स्टाइल ब्रेस्ट स्ट्रोक एवं अंडरवाटर स्विमिंग मे प्रथम स्थान प्राप्त किया, वैसे ही संस्कार महेश बड़गे द्वितीय, ह्रदय अमित ठवरे तृतीय स्थान पर रहे, अंडर वाटर मे कियाँश प्रशांत चामट तथा त्रियांश अजय कावड़े तृतीय स्थान पर रहे। 7 से 9 वर्ष की आयु वर्ग मे बेटियों मे नायरा राजकुमार लिल्हारे प्रथम स्थान, हिमांशी गौरव मेठी ने अंडर वाटर और ब्रेस्ट स्ट्रोक मे प्रथम स्थान तथा श्रेया राहुल ठाकुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 10 से 12 वर्ष आयु वर्ग में फ्री स्टाइल स्विमिंग मे बेटियो मे जीनल चंचल अग्रवाल प्रथम प्रेरणा ओमप्रकाश नागपुरे द्वितीय तथा मानवी पदम अग्रवाल तृतीय स्थान पर रही। 13 से 15 वर्ष आयु वर्ग मे बेटियो मे पूर्वी विवेकानंद पंचबुद्धे प्रथम नव्या हेमंत अग्रवाल द्वितीय, खुशी अभिषेक अग्रवाल तृतीय स्थान पर तथा ब्रेस्ट स्ट्रोक मे खुशी अभिषेक अग्रवाल प्रथम नव्या हेमंत अग्रवाल द्वितीय पूर्वी विवेकानंद पंचबुद्धे तृतीय स्थान पर रही। 10 से 13 वर्ष आयु वर्ग मे बेटो मे फ्री स्टाइल स्विमिंग मे अध्यात्म/नमन प्रशांत चामट प्रथम, संकेत क्रीष्णा अग्रवाल द्वितीय, ईशान अंकित अग्रवाल तृतीय स्थान पर रहे। ब्रेस्ट स्ट्रोक मे ईशान अंकित अग्रवाल, संकेत क्रीष्णा अग्रवाल, अथर्व सतीश पाटिल क्रमशः प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पर रहे। अंडर वाटर मे अथर्व नितिन सोमानी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वैभव शिव नागपुरे ने 13 से 15 वर्ष आयु वर्ग मे आल राउंडर अद्वितीय प्रदर्शन करते हुए फ्री स्टाइल ब्रेस्ट स्ट्रोक अंडर वाटर स्विमिंग मे प्रथम स्थान प्राप्त किया, वैसे ही विराट राहुल ठाकुर द्वितीय पीयूष पंचबुद्धे तृतीय स्थान पर रहे। अंडर वाटर एवं ब्रेस्ट स्ट्रोक में पीयूष पंचबुद्धे द्वितीय स्थान पर रहे। बॉयज मे 16 से 18 वर्ष आयु वर्ष मे फ्री स्टाइल स्विमिंग मे प्रभव इसरका व मयूर लेकचंद धामडे संयुक्त प्रथम स्थान पर रहे, ब्रेस्ट स्ट्रोक, अंडर वाटर प्रतियोगिता मे मयूर लेकचंद धामडे प्रथम तथा प्रभव इसरका द्वितीय स्थान पर रहे। 18 से 21 वर्ष आयु वर्ग मे कु.आरजू लेकचंद धामडे कु.सायली लेकचंद धामडे दोनों प्रथम द्वितीय स्थान पर रही।

पहले समृद्धि महामार्ग ने छीन लिया हमारा आशियाना, अब रेलवे परियोजना ले जाएगी खेती..

गोंडीटोला-घिवारी के किसानों ने उठाया सवाल, की यह मांग..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया तहसील के गोंडीटोला-घिवारी गांव में प्रस्तावित रेलवे परियोजना को लेकर किसानों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। गांव के जमीन मालिकों का कहना है कि वे विकास के विरोधी नहीं हैं, लेकिन लगातार परियोजनाओं की मार झेल रहे हैं।

ग्रामीणों के अनुसार पहले समृद्धि महामार्ग परियोजना के लिए उनकी जमीन अधिग्रहित की गई। कई परिवारों के घर और संपत्तियां उस परियोजना की चपेट में आ गईं। अब प्रस्तावित रेलवे परियोजना के लिए उन्हीं किसानों की बची हुई उपजाऊ कृषि भूमि अधिग्रहित की जा रही है। किसानों का सवाल है कि आखिर एक ही परिवार कितनी बार अपनी जमीन और आजीविका खोएगा? ग्रामीणों का कहना है कि यदि रेलवे परियोजना के लिए खेती की जमीन भी चली गई, तो अनेक जमीन मालिक पूरी तरह भूमिहीन हो जाएंगे। उनके सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या उन्हें बदले में उतनी ही उपजाऊ और सिंचित जमीन मिल पाएगी, जिस पर उनका परिवार भविष्य में अपना जीवनयापन कर सके?

किसानों ने स्पष्ट कहा है कि गांव का कोई भी जमीन मालिक अपनी जमीन रेलवे परियोजना को देने के पक्ष में नहीं है। ग्रामीणों ने प्रशासन से 29 तारीख को प्रस्तावित भू-संपादन प्रक्रिया को रोकने और किसानों की आपत्तियों पर पुनर्विचार करने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि उनकी मांगों को नजरअंदाज कर भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई, तो जिला अधिकारी कार्यालय के समक्ष रास्ता रोको आंदोलन, धरना-प्रदर्शन और आत्मदाह जैसे उग्र आंदोलन किए जाएंगे। किसानों ने कहा कि इसके लिए प्रशासन स्वयं जिम्मेदार होगा। पहले समृद्धि महामार्ग और अब रेलवे परियोजना। गोंदिटोला-घिवारी के किसानों का सवाल है कि विकास की कीमत आखिर कब तक किसान ही चुकाता रहेगा?

SONO VIEW
DR. GHANSHYAM M. TURKAR
M.B.B.S., M.D., D.N.B., M.N.A.M.S.
Diplomate of National Board
Radiologist, Sonologist & Imagiologist
DR. PADMINI TURKAR
M.B.B.S., D.C.H.
बालरोग एवं नवजात शिशु विशेषज्ञ
SONOGRAPHY
X-RAY
CT SCAN
FACILITIES AVAILABLE
SONOGRAPHY
■ Color Doppler ■ Power Doppler Imaging
■ B-flow Imaging ■ Tissue Harmonic Imaging
■ Transrectric & TV Sonography
■ Pediatric Sonography ■ Orbital Sonography
■ Breast, Thyroid, Scrotal Sonography
■ Neonatologist Neurosonogram
■ 2 D Echo Cardiography ■ Foetal Echo
■ Whole Body Ct Scan ■ Digital X-ray Digital Radiography System ■ M.R.I.
DIGITAL X-RAY
● 2D, 3D/4D High Resolution Sonography
● 2D Echo
● Colour Doppler
● Siemens Germany Multislice/Spiral High Resolution CT Scan
राष्ट्रीय क्षयरोग दुरीकरण कार्यक्रम अंतर्गत मुफ्त सोनोग्राफी, एक्स रे, सी.टी. स्कैन
तुरकर क्लिनिक SONOGRAPHY, X-RAY, C.T. SCAN
सिव्हिल लाईन, गोंदिया
फोन - 07182- 231149, 234198, 236391
E-mail : sonoview@gmail.com SONOGRAPHY C.T. SCAN

गोंदिया में.. दैनिक जग प्रेरणा
में समाचार एवं विज्ञापनों के प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
आशीष वर्मा (प्र.सं.)
09329033433
संजीव बापट (शहर प्रतिनिधि)
09922607145
कार्यालय - सांई रोजगार, एनएमडी कॉलेज के पास, गोंदिया

नया सोचो आयुर्वेद सोचो...
सुश्रुत प्रोक्टो आयुर्वेदा
मुळव्याध (बवासीर), फिशर भगंदर व अन्य गुदारोग चिकित्सा व आयुर्वेद पंचकर्म केन्द्र
● कमर का दर्द ● घुटनों का दर्द
● पिठ का दर्द ● गर्दन व कंधों का दर्द
● आमवात, गठीया वात एवं सायटिका
• अत्याधुनिक सुविधा युक्त पंचकर्म चिकित्सा कक्ष
• शास्त्रशुध्द एवं गुणवत्तायुक्त स्वनिर्मीत औषधियों का प्रयोग
• रोगी एवं व्याधी अनुरुप पंचकर्म सुविधा
डॉ. अपर्णा खोब्रागडे
B.A.M.S., M.D. (Nashik)
आयुर्वेद पंचकर्म चिकित्सक
7620340356
साकेत पब्लिक स्कुल रोड़, गणेश नगर, गोंदिया 07182-796738

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक आशीष वर्मा द्वारा जगप्रेरणा पेपर इंडस्ट्रीज कटंगीकला गोंदिया से मुद्रित तथा कार्यालय जगप्रेरणा, वार्ड नं.16, कल्पतरु मॉल, महावीर चौक, बालाघाट (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित..
संस्थापक - स्व. गंगाबिसन जी वर्मा, प्रधान संपादक - आशीष वर्मा मो. 9329033433 आर.एन.आई. रजि. नं. एमपी/हिन्दी/2012/43298 ईमेल - jagprernaw@gmail.com